राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

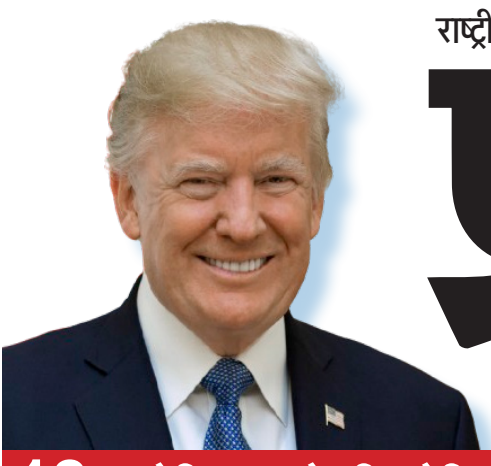

12 अमेरिका का पेनसिल्वेनिया राज्य तय करेगा कौन बनेगा राष्ट्रपति.....

कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार, बैठकें तक रद्द 12

वर्ष : 15 | अंक : 189 | नई दिल्ली, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित : शाह

- गृह मंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के राष्ट्रीय पुलिस मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही देश की सुदूर तक फैली सीमाओं की सुरक्षा करने के लिए सभी बलों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। आज देश के विभिन्न इलाकों और जगहों पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अलग-अलग बल के जवानों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि यहां आकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि देने का मुझे मौका मिला। यही हमारे जवान हैं कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर किबिथू तक फैली हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं। केंद्रीय पुलिस बलों के लिए किए गए कामों की जानकारी देते हुए उन्होंने

कहा, हमने 113 बैरकों को मंजूरी दी है और 24 मार्च तक 11276 घरों और 111 बैरकों का निर्माण पूरा हो चुका है। हमने सीएपीएफ ई आवास वेब पोर्टल के माध्यम से खाली घरों को आवंटित करने का भी काम किया है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना हमारे पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए वरदान साबित हुई है और सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित की गई हैं। केंद्रीय अनुग्रह राशि में वृद्धि और एकमुश्त मुआवजा देने से हमारे युवाओं के परिवारों को राहत मिली है। हमने विकलांगता अनुग्रह राशि में और वृद्धि करके भी इस दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा, हमारे पुलिसकर्मी, विशेषकर सभी सीएपीएफ कर्मी, कानून व्यवस्था की स्थिति और देश की सुरक्षा को संभालने के अलावा और भी कई काम करते हैं। आज मैं देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि 2019 से लेकर 2024 तक हमारे सीएपीएफ के जवानों ने करीब 5 करोड़ 80 लाख 90 हजार पौधे लगाए हैं और उन्हें अपने बच्चों की तरह पालने और बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार के एक प्रोग्राम के माध्यम से सभी सीमावर्ती जिलों में भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है। साथियों आज वो दिन है, जब हमें अपने सभी शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि देता हूं, उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और आज मैं उन शहीद पुलिस जवानों के परिवारों को विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि आपके परिजनों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और 2047 में देश एक विकसित राष्ट्र बनेगा और उस समय भी जब आजादी की शताब्दी मनाई जाएगी, तब भी एक पुण्य राष्ट्र आपके परिजनों के बलिदान को नमन करके उन्हें हमेशा याद रखेगा। आज एक बार फिर श्रद्धांजलि के माध्यम से अब तक बलिदान देने वाले सभी हजारों पुलिसकर्मियों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 76,400
चांदी 91,300
सेंसेक्स 84,554
निफ्टी 25,790

संक्षिप्त खबरें

रायबरेली और मथुरा एक्सप्रेस-वे पर अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत

रायबरेली/मथुरा। रायबरेली और मथुरा में अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई है। रायबरेली में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार बाइक के आपस में टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दोनों बाइक आपस में टकराने के बाद घटनास्थल पर मौजूद खंभे से भी टकरा गई। घटना के बाद पहुंची पुलिस ने तीनों लोगों के शव को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले में जांच पड़ताल में जुट गई है। यह घटना लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बहाई के पास की है। बताया जा रहा है तीन मृतकों में दो चचेरे भाई थे। युवाओं के मौत के बाद उनके घर में मातम का माहौल है। मृतक सरेनी थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इन युवकों ने कुछ ही दिन पहले नई बाइक ली थी। इसके बाद रविवार रात में यह तीन युवक दो बाइक पर सवार होकर अपने मित्र के घर जाने के लिए निकले थे। सुबह जब दुर्घटनास्थल पर यह तीनों मृत अवस्था में मिले तो मौत के कारणों के बारे में किसी को जानकारी नहीं थी। इसके अलावा एक और भयंकर सड़क हादसे में मथुरा एक्सप्रेस-वे पर भी तीन लोगों की मौत हो गई है, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्होंने अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जम्मू-कश्मीर : श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर एक शिविर में हुआ हमला

जम्मू-कश्मीर आतंकी हमला सात लोगों की मौत

- आतंकी संगठन दी रेसिस्टेंस फ्रंट ने ली हमले की जिम्मेदारी

श्रीनगर, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में रविवार शाम को हुए आतंकी हमले में एक स्थानीय डॉक्टर सहित सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन दी रेसिस्टेंस फ्रंट ने ली है। जो आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की ही एक शाखा है। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर गगनगीर के पास एक शिविर में हुआ जहां स्थानीय और गैर-स्थानीय मजदूर 6.5 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग परियोजना के निर्माण पर काम कर रहे थे। अधिकारियों के अनुसार दो आतंकवादियों ने मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसके कारण दो गैर-स्थानीय मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में एक स्थानीय डॉक्टर सहित नौ अन्य घायल हो गए। डॉक्टर सहित पांच घायलों ने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मारे गए सात लोगों में से कम से कम पांच गैर-स्थानीय मजदूर हैं। मृतकों की पहचान बिहार के मोहम्मद हनीफ, फहीम नासिर और कलीम, बड़गाम के डॉ. शाहनवाज, पंजाब के गुरदासपुर के गुरमीत सिंह, मध्य प्रदेश के अनिल कुमार शुक्ला तथा जम्मू के शशि अबरोल के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के शीर्ष अधिकारी और सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और हमलावरों का पता लगाने के लिए अभियान की निगरानी कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अभी तक हमले में हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। कश्मीर पुलिस जोन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गगनगीर, गंदेरबल में आतंकी घटना। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हमारे सुरक्षा बलों की ओर से उन्हें कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।श्री शाह ने एक्स पर पोस्ट किया जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर किया गया नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण घृणित कृत्य है। इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हमारे सुरक्षा बलों की ओर से उन्हें कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। इस अत्यंत दुख की घड़ी में मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हमले की निंदा करते हुए लोगों को आश्वासन दिया कि इस घृणित कृत्य के पीछे जो लोग हैं उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। श्री सिन्हा ने कहा हमने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सुरक्षा बलों को पूरी स्वतंत्रता दी है। हमारे बहादुर जवान मैदान पर हैं और वे सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवादियों को उनके कृत्य की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़े। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पूरा देश इस दुख की घड़ी में परिवारों के साथ एकजुटता में खड़ा है। बिहार के तीन श्रमिकों की मौत पर सीएम ने जताया शोक पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुये आंतकी हमले में बिहार के तीन श्रमिकों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूँ। मुख्यमंत्री ने इस आतंकी हमले में तीनों मृतक के निकटतम आश्रित को मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रुपए देने की घोषणा की है। साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने का अधिकारियों को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने स्थानिक आयुक्त, नई दिल्ली को निर्देश दिया है कि जम्मू-कश्मीर सरकार से आवश्यक समन्वय स्थापित कर मृतकों के पार्थिव शरीर को बिहार लाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

खरगे, राहुल, प्रियंका ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री खरगे ने सोमवार को कहा, मैं जम्मू- कश्मीर के गांदरबल में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की हम कड़ी निंदा करता हूं जिसमे कई श्रमिक और एक डॉक्टर मारे गए हैं। लक्षित हिंसा का यह अमानवीय और घृणित कृत्य से भारत जम्मू-कश्मीर में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण से पीछे नहीं हटेगा। एक राष्ट्र के रूप में, हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक साथ हैं। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। श्री गांधी ने कहा, गांदरबल में आतंकवादी हमले में एक डॉक्टर और प्रवासी मजदूरों समेत कई लोगों की हत्या बहुत ही कायरतापूर्ण और अक्षम्य अपराध है। सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। उन्होंने कहा, आतंकवादियों का यह दुस्साहस जम्मू-कश्मीर में निर्माण का क्रम और लोगों का विश्वास कभी नहीं तोड़ पाएगा। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। श्रीमती वाड्रा ने कहा, ह्यह्यजम्मू- कश्मीर के गांदरबल में कायराना आतंकी हमले में पांच मजदूरों समेत छह नागरिकों की हत्या अत्यंत निंदनीय है। निर्दोष नागरिकों की हत्या करके आम जनता के बीच हिंसा और दहशत फैलाने जैसे कृत्य मानवता के विरुद्ध अपराध हैं। इसके खिलाफ पूरा देश एकजुट है। शोक- संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।

असम उपचुनावः भाजपा की सहयोगी यूपीपीएल ने उम्मीदवार की घोषणा की

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में भाजपा की सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने सोमवार को सिदली विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। यूपीपीएल ने निर्मल कुमार ब्रह्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। यूपीपीएल ने कहा, ह्यपार्टी के अध्यक्ष प्रमोद बोरो ने असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा समर्थित आगामी उपचुनाव के लिए निर्मल कुमार ब्रह्मा को उम्मीदवार बनाया है। पांच विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद धोलाई, सामागुरी, बेहाली, बोंगाईगांव और सिदली सीट रिक्त हो गई थी। इन सीटों पर अलगे महीने उपचुनाव होने जा रहा है। धोलाई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के लिए आरक्षित है और सिदली सीट अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। सामागुरी को छोड़कर, बाकी चार सीटों पर भाजपा नीत गठबंधन का कब्जा था। सामागुरी सीट पर कांग्रेस के दिग्गज रकीबुल हुसैन 2001 से जीतते आ रहे हैं। भाजपा धोलाई, सामागुरी और बेहाली सीट पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर चुकी है। सामागुरी से डी. रंजन सरमा, बेहाली से दिगंता घटोवार और धोलाई से निहार रंजन दास चुनावी मैदान में हैं। भाजपा के पूर्व मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य ने सिलचर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था और उनकी पिछली विधानसभा सीट धोलाई खाली हो गई थी। भाजपा के एक अन्य वरिष्ठ नेता रंजीत दत्ता भी इस बार लोकसभा के लिए चुने गए। वे विधानसभा में बेहाली सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा की एक अन्य सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (एजीपी) बोंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेगी।

गांदरबल में आतंकी हमले के बाद डर से घाटी छोड़ रहे प्रवासी मजदूर

गांदरबल, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार शाम हुए आतंकी हमले के बाद वहां प्रवासी मजदूरों में डर का माहौल है और वो जल्द से जल्द घर जाना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले के बाद से वहां के प्रवासी मजदूर खुद को असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहे हैं। इसके बाद से बिहार और देश के अन्य राज्यों के मजदूरों ने घाटी छोड़ना शुरू कर दिया है। दरअसल, बारामूला के रफियाबाद इलाके में बाहरी राज्यों के सैकड़ों मजदूर लेबर और राज मिस्त्री के तौर पर काम करते हैं। वहीं, कल देर शाम हुए भीषण आतंकी हमले के बाद वो डरे हुए हैं, उनके घर वालों के लगातार फोन आ रहे हैं और अब वो घाटी छोड़कर घर जाना चाहते हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से यहां काम कर रहे थे और शांति से अपनी आजीविका कमाते थे, लेकिन इस हमले ने उन्हें आतंकित कर दिया है और उनको अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है। एक प्रवासी मजदूर ने बताया कि, हम यहां पर काम करने के लिए आए थे, जो बहुत अच्छे से हो रहा था। लेकिन जब से हम लोगों ने सुना है कि हमारे भाइयों को आतंकवादियों ने मार दिया, तब से हम लोग डर रहे हैं। घर में भी सभी को इस खबर की जानकारी लग गई है और घर वाले परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हमें बाहर निकलने से मना किया है, हम लोग कल से रुके हुए हैं। बाजार जाने, खाने-पीने और नहाने को लेकर कई समस्याएं हैं। इसलिए हमने बैग पैक कर जाने की योजना बना ली है, लेकिन रास्ते में क्या होगा पता नहीं। एक अन्य प्रवासी मजदूर ने बताया कि कश्मीर के हालात बहुत खराब हैं। घर से बाहर निकलने से मना किया जाता है, खाने-पीने की चीज समय पर नहीं मिलती है। आतंकवादी हमले के बाद से घर वाले परेशान हो रहे हैं, इसलिए हम लोग घर जाने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार को आतंकी हमला हुआ था। इसमें अब तक सात लोगों के मौत की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य घायल हैं।

वर्ल्ड समिट पीएम मोदी ने तीसरे कार्यकाल के 125 दिनों की गिनाईं उपलब्धियां.....

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट : पीएम बोलें-हर क्षेत्र में अविश्वसनीय गति से आगे बढ़ रहा देश

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दो दिवसीय एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में 2047 तक विकसित भारत के लिए अपना विजन साझा किया। फिर उन्होंने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल के125 दिनों की उपलब्धियां गिनाईं और इस बात पर जोर दिया कि देश हर क्षेत्र में अविश्वसनीय गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया, ह्यह्यभारत में चर्चा हो रही है द इंडियन सेंचुरी, भारत की शताब्दी! भारत उम्मीद की एक किरण बना है, ऐसे समय पर जब दुनिया कई मुद्दों को लेकर चिंतित है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 125 दिन पूरे हुए हैं। पहले 125 दिनों में गरीबों के लिए 3 करोड़ घर बनाने को मंजूरी दी गई है 125 दिनों में 5 लाख घरों में सोलर पैनल लगाए गए। 125 दोनों में स्टॉक मार्केट में 6 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक ग्रोथ हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की उपलब्धियों की लिस्ट लंबी है। यह तो बस 125 दिन हैं। भारत में डिजिटल फ्यूचर पर चर्चा करने के लिए इंटरनैशनल असेंबली हुई। भारत में ग्लोबल फिनटैक फेस्टिवल हुआ। पीएम मोदी ने साथ ही कहा कि देश में 15 नई वंदे भारत चली हैं,8 नए एयरपोर्ट पर काम चल रहा है। युवाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया है। किसानों के खाते में 21 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। 70 साल से अधिक बुजुर्गों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज मिल रहा है। इससे पहले एनडीटीवी वर्ल्ड चैनल को लॉन्च किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है तब भारत आशा का संचार कर रहा है। समिट में देश-दुनिया के बड़े चेहरे मौजूद हैं। भूटान के पीएम दाशो शेरिंग तोबगे, बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली और ब्रिटेन के पूर्व पीएम लॉर्ड डेविड कैमरन मौजूद हैं। इसके अलावा कई बड़े कारोबारी, फिल्म और साहित्य के जुड़े बड़े नाम भी एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में हिस्सा ले रहे हैं। पीएम ने इस मौके पर पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, ह्यह्यपिछले 10 साल में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। पिछले 10 साल में 16 करोड़ गैस कनेक्शन मिले हैं। इसी अवधि में 350 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, जिसमें 15 से ज्यादा एम्स हैं। पिछले 10 सालों में डेढ़ लाख से ज्यादा स्टार्टअप हुए हैं, जिसमें आठ करोड़ युवाओं ने मुद्रा लोन लेकर पहली बार अपना काम शुरू किया है।

पीएम मोदी की रूस यात्रा आज से

नई दिल्ली। रूस के कजान में 22 एवं 23 अक्टूबर को 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के न्यौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होने के लिए जा रहा है। इस मौत पर उम्मीद की जा रही है कि पीएम मोदी से वंदे भारत रेल प्रोजेक्ट को लेकर भी रूस बात कर सकता है। नियामक और तकनीकी बाधाओं की वजह से रूस की कंपनी ट्रांसमाश होल्डिंग(टीएमएच) वंदेभारत ट्रेनों का निर्माण नहीं कर पा रही है। इसके चलते 6.5 अरब डॉलर का प्रोजेक्ट लटका पड़ा है।रूस की कंपनी टीएमएच सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। जुलाई में पीएम मोदी के मॉस्को दौरे के समय भी इस मुद्दे को उठाया गया था। जानकारों का कहना है कि इस बार भी रूस इस मामले को प्रमुखता से रखना चाहता है। पीएम मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

मदरसों को बंद करने की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम का कथित उल्लंघन करने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की मान्यता वापस लेने और छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने से संबंधित राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से जारी पत्र पर अमल करने पर केंद्र और राज्य सरकारों को रोक लगाने का सोमवार को आदेश दिया। पत्र में राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पादीवार्ला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील देते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र और उत्तर प्रदेश तथा त्रिपुरा सहित कुछ राज्यों की मदरसे से संबंधित उक्त कार्रवाई पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। मुस्लिम संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारों की उस कार्रवाई को चुनौती दी है, जिसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है। एनसीपीसीआर ने सात जून, 2024 को उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि आरटीई अधिनियम का पालन न करने वाले मदरसों की मान्यता वापस ली जाए। शीर्ष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपने आदेश में कहा, एनसीपीसीआर के 07 जून, 2024 और 25 जून के पत्राचार तथा उसके अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के 26 जून के और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव द्वारा जारी 10 जुलाई तथा त्रिपुरा सरकार द्वारा जारी 28 अगस्त के विचारों के आदान-प्रदान पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को याचिका में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाने की भी स्वतंत्रता दी।

संक्षिप्त समाचार

पुनर्वास विभाग की जमीन पर बनी मजार को किया ध्वस्त

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में जिला प्रशासन द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान जारी है। इसी बीच हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र में पुनर्वास विभाग की जमीन पर बनी मजार पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया है। वहीं इस कार्रवाई के दौरान जिला प्रशासन समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा। प्राप्त सूचना के मुताबिक हरिद्वार के हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र में पुनर्वास विभाग की भूमि पर अवैध मजार बनी थी। जहां अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत आज यानी 19 अक्टूबर को प्रशासन ने अवैध कब्जे की नीयत से बनाई गई मजार को ध्वस्त कर दिया है। बताया गया कि इससे पूर्व संबंधित मामले में नोटिस भेजा गया था। इसके चलते अवैध रूप से सरकारी भूमि पर कब्जा करने वाले व्यक्ति इस जमीन के दस्तावेज नहीं दिखा पाए। जिससे यह साबित हो चुका था कि मजार का निर्माण अवैध भूमि पर किया गया है। वहीं इस मामले में जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए मजार को ढाह दिया है। बता दें कि इस कार्रवाई से पूर्व जिला प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया। साथ ही क्षेत्र में आवाजाही पर रोक लगा दी। इसके अतिरिक्त करीब दो घंटे में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी की गई।

बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की भिड़ंत में ग्रामीण की मौत

रूड़की, एजेंसी। एक बाइक सवार ग्रामीण और ट्रैक्टर-ट्रॉली की भिड़ंत हो गई। इससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे लेकर रुड़की के एक अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खानपुर थाना क्षेत्र के रहीमपुर गांव निवासी मोनू (35) किसी काम से बाइक से गोवर्धनपुर आया था। वह गोवर्धनपुर कस्बे से वापस घर आ रहा था। इसी दौरान लक्सर की ओर से खानपुर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक की भिड़ंत हो गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजन उसे लेकर लक्सर के एक अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत में देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर रुड़की के लिए निकल गए लेकिन उसने ढंडेरा में दम तोड़ दिया। गोवर्धनपुर पुलिस चौकी प्रभारी समीप पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर, ग्रामीण की मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि वह अपने पीछे दो बेटी और एक बेटे को छोड़ गया है।

गैलरी में कपड़े धोने पर जेठानी ने देवरानी को डंडे से हमला कर किया घायल, कोतवाली में हंगामा

रूड़की, एजेंसी। सुबह देवरानी गैलरी में बैठकर कपड़े धो रही थी। सर्फ का पानी फर्श पर गिरने से जेठानी का पांव फिसल गया। इस बात पर जेठानी ने देवरानी को भला बुरा कहना शुरू कर दिया। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के गीतांजलि विहार कॉलोनी में एक घर की गैलरी में कपड़े धोने को लेकर देवरानी और जेठानी में जमकर मारपीट हो गई। आरोप है कि जेठानी ने देवरानी पर डंडे से हमला कर दिया। इसमें देवरानी घायल हो गई। मामला कोतवाली पहुंचा तो यहां भी दोनों पक्ष भिड़ गए। पुलिस ने किसी तरह से मामला शांत कराया। गीतांजलि विहार कॉलोनी निवासी एक महिला और उसकी जेठानी एक ही मकान में रहते हैं। दोनों के कमरे अगल-बगल हैं। मकान की गैलरी से दोनों के आने-जाने का रास्ता है। शुक्रवार सुबह देवरानी गैलरी में बैठकर कपड़े धो रही थी। सर्फ का पानी फर्श पर गिरने से जेठानी का पांव फिसल गया। इस बात पर जेठानी ने देवरानी को भला बुरा कहना शुरू कर दिया। इस बात का जब उसने विरोध किया तो इनके बीच हाथापाई होने लगी। आरोप है कि जेठानी ने डंडा उठाकर देवरानी पर हमला कर दिया। इसमें देवरानी घायल हो गई। शोर मचाने पर आसपास की महिलाएं भी मौके पर पहुंच गईं। महिलाओं ने किसी तरह से मामला शांत कराया। वहीं घायल देवरानी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद देवरानी ने गंगनहर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली गंगनहर में बुलाया।

ऋषिकेश में ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई, यातायात नियमों के उल्लंघन पर 83 वाहनों के चालान; नौ सीज

ऋषिकेश, एजेंसी। मुनिकीरेती क्षेत्र में पुलिस ने हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाया है। पुलिस ने तेज रफ्तार व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 83 और सार्वजनिक क्षेत्र में धूमपान करने पर 50 लोगों के चालान किए। 83 वाहनों से कुल 47 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। पुलिस की कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा।

बीते शनिवार की देर रात मुनिकीरेती क्षेत्र के अंतर्गत राम झूला बाजार, शत्रुघ्न घाट, राम झूला पार्किंग, आस्था पथ, जानकी सेतु, मधुबन आश्रम रोड व कैलाश गेट क्षेत्र में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश साह की निगरानी में एसएसआइ योगेश चंद्र पांडेय व अन्य चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में अलग-अलग क्षेत्रों में चेकिंग की।

थाना प्रभारी निरीक्षक रितेश साह ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर नौ वाहनों सीज किए गए, 83 वाहनों का चालान कर कुल 47 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में धूमपान करने पर 50 व्यक्तियों से कोटपा अधिनियम के

अंतर्गत जुर्माना वसूला गया। । 81 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ भी चालान की कार्रवाई की गई।

चेकिंग अभियान में चौकी प्रभारी ढालवाला आशीष शर्मा, चौकी प्रभारी तपोवन प्रदीप रावत, चौकी प्रभारी भद्रकाली जितेंद्र कुमार, चौकी प्रभारी व्यासी धनंजय सिंह, चौकी प्रभारी शिवपुरी मनोज ममगाई आदि शामिल थे।

मुनिकीरेती थाना पुलिस और सीआइयू (सेंट्रल इंटेलिजेंस यूनिट) टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को 12.02 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपित पर पूर्व में भी ड्रग और आबकारी अधिनियम के अंतर्गत छह मुकदमे दर्ज हैं।

वहीं, पुलिस ने आरोपित के खिलाफ इस मामले में भी ड्रग अधिनियम की कार्रवाई की। मुनिकीरेती प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह के मुताबिक, शनिवार को सीआईयू और थाना पुलिस टीम कैलाश गेट पर चेंकिग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति नशे की हालत में आता दिखाई दिया। शक होने पर पुलिस ने आरोपित से पूछताछ कर उसकी तलाशी ली।

आरोपित ने अपना नाम गली नं. 02 चंद्रेश्वर नगर चंद्रभागा थाना ऋषिकेश निवासी गोपाल जायसवाल उर्फ गोपाली बताया। तलाशी लेने पर उसकी जेब से 12.02 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपित ने बताया कि वह ऋषिकेश थाना क्षेत्र निवासी महिला रेखा से स्मैक खरीदकर लाता है और खुद पीता है व शहर में आने वाले बाहरी पर्यटकों को फुटकर तौर पर बेचता है।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस मामले में रेखा को भी आरोपित बनाया गया है। उसकी तलाश की जा रही है, जल्द ही उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

लालकुआं से मुंबई के लिए नई ट्रेन की शुरुआत, धामी ने दिखाई हरी झंडी

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सांसद अजय भट्ट ने आज यानी सोमवार को वर्चुअल माध्यम से लालकुआं-बांद्रा सुपरफ़ास्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। वहीं इस मौके पर सीएम धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सीएम धामी ने सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी है। सीएम ने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से रामपुर,गाजियाबाद,आदि रेलवे स्टेशन से जुड़े लोगों को यात्रा करने में सुविधा मिलेगी।

उत्तराखंड के सीएम ने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से रामपुर,गाजियाबाद, हजरत निजामुदीन, मथुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, वडोदरा सूरत जैसे रेलवे स्टेशन से जुड़े लोगों को यात्रा करने का आसानी से विकल्प मिलेगा। वहीं आगे कहा कि पूरे कुमाऊं क्षेत्र के लोगों के साथ ही यहां के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दर्शनार्थियों व पर्यटकों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब सप्ताह में तीन रेल गाड़ियां रामनगर, हल्द्वानी और अब लालकुआं से मुम्बई के लिए जा रही हैं, जिसका लाभ यहां के पर्यटक क्षेत्रों को भी मिलेगा। वहीं इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट ने कहा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने ने कहा कि यहां के लोगों की यह बहुत पुरानी मांग थी कि लालकुआं से मुंबई को सीधे रेल सेवा सुचारू हो, जो आज पूर्ण हुई है।

बता दें कि लालकुआं बान्द्रा टर्मिनल के मध्य नई ट्रेन सं0 22544 सोमवार को लालकुआ से सुबह 07:45 बजे प्रस्थान कर रूद्रपुर सिटी, रामपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, कोटा, बडोदरा,सूरत होते हुए हुए अगले दिन मंगलवार को प्रातः 08:30 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी तथा वापसी में बान्द्रा टर्मिनस से सुबह 11:00 बजे मंगलवार को प्रस्थान कर लालकुओं अगले दिन बुधवार 13:15 बजे लालकुओं पहुंचेगी।

अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन और लोगों के बीच तीखी नोंकझोंक, डीएम नैनीताल ने दिए ये निर्देश

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। दरअसल,डीएम नैनीताल के निर्देश पर कालाढूंगी चौराहे के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। वहीं, इस कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और अतिक्रमण कारियों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। बता दें कि सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई और एसडीएम परितोष वर्मा के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

प्राप्त सूचना के मुताबिक प्रशासन के द्वारा हल्द्वानी में कालाढूंगी चौराहे और बरेली रोड की तरफ अतिक्रमण हटाया गया । इसी बीच कालाढूंगी चौराहे के पास अतिक्रमण तोड़ने के दौरान कुछ लोगों की प्रशासन के अधिकारियों के साथ तीखी नोंकझोंक हुई। इस दौरान शहर कोतवाल राजेश यादव अपनी पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। जहां पर उन्होंने प्रशासन के साथ नोक-झोक कर रहे लोगों को समझाया। वहीं, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई ने बताया सड़क चौड़ीकरण के लिए कई बिजली के पोलो को शिफ्ट करना है। ऐसे में बचे हुए अतिक्रमण को तोड़ा जा रहा है।

बता दें कि डीएम नैनीताल ने हल्द्वानी रोडवेज बस अड्डे तक सड़क चौड़ीकरण के कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में कालाढूंगी चौराहे और बरेली रोड की तरफ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

एम्स ऋषिकेश के स्वास्थ्य शिविर में 410 मरीजों का उपचार

किच्छा, एजेंसी। एम्स ऋषिकेश की ओर से बरेली रोड पर स्थित एक बरातघर में लगे स्वास्थ्य शिविर में डाक्टरों ने 410 मरीजों की जांच की। इस दौरान मरीजों को दवा वितरित की गई। शिविर में हेपेटाइटिस सी के मरीजों की संख्या अधिक पाई गई। इससे पहले सांसद अजय भटट ने शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान डॉक्टर संतोष कुमार ने बताया कि हेपेटाईटिस व शुगर के मरीज अधिक मिले जो चिंताजनक बात है। कुल मरीजों में से सात से आठ प्रतिशत मरीज हेपेटाइटिस सी की बीमारी से ग्रस्त मिले, जो काफी चिंताजनक है। प्रो. मीनू सिंह, नेत्र रोग विशषज्ञ डॉ. अरुण कुमार, डॉ. राहुल, डॉ. कोमल शाह, डॉ. जानवी भंडारी आदि ने मरीजों की जांचव की। अध्यक्षता विधायक तिलकराज बेहड़ ने की। वहां पर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी, विपिन जल्होत्रा, दिनेश भाटिया, अमनदीप नेगी, संदीप कुमार, हरीश खानवानी, सूरज सिंह राणा आदि थे।

ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे के पास हुआ हादसा, गंगा में समाया ट्रक, चालक और उसकी पत्नी लापता

देवप्रयाग , एजेंसी। ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे के पास एक ट्रक गंगा में समा गया। वाहन में चालक और उसकी पत्नी थी, जो लापता हैं। ऋषिकेश बदरीनाथ राजमार्ग पर सैनिक होटल के निकट एक ट्रक गंगा नदी में समा गया। दुर्घटना में चालक व उसकी पत्नी के नदी में डुबने की आशंका है। पुलिस ने दोनों की तलाश के लिए टिहरी व श्रीनगर बांध से पानी को कम किये जाने को कहा है। थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत ने बताया कि सोमवार सुबह

देवप्रयाग से करीब चार किमी आगे केबिल बिछा रहे लोगों द्वारा सड़क के पैरापिट सहित खाई की ओर पेड़ टूटे दिखने से किसी वाहन के नदी में गिरने की संभावना जताई गई। मौके पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे थाना प्रभारी रावत को सड़क से करीब 120 मीटर नीचे गंगा किनारे ट्रक का पिछला हिस्सा मिला।

जबकि ट्रक का केबिन नदी में समाया हुआ था। पुलिस द्वारा वाहन स्वामी टिंकू से संपर्क किए जाने के बाद जानकारी मिली कि ट्रक बिहारीगढ़ से मिनरल वाटर की बोतलें लेकर गोपेश्वर के लिए चला था। चालक अजय 38 बर्ष नजीबाबाद उ प्र के साथ उसकी पत्नी राजेश्वरी भी थी।

नैनीताल में कांग्रेस की जनाक्रोश रैली : कुमाऊं कमिश्नरी का होगा घेराव, महंगाई और पलायन के मुद्दों पर भड़के लोग

नैनीताल , एजेंसी। नैनीताल जिले में विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस की ओर से सोमवार को जनाक्रोश रैली का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कार्यकर्ता पंत पार्क में एकत्रित हुए और जमकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। नैनीताल जिले में विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस की ओर से सोमवार को जनाक्रोश रैली का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कार्यकर्ता पंत पार्क में एकत्रित हुए। जिसके बाद कार्यकर्ताओं की ओर से कमिश्नरी घेराव किया जाएगा। जनाक्रोश रैली की अगुवाई नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने की। वक्ताओं ने कहा कि निकाय चुनाव कराने की सरकार की मंशा नहीं है। भाजपा को डर सता रहा है कि वह चुनाव हार जायेंगे। कांग्रेसियों ने राज्य के विभिन्न विभागों में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के साथ ही राज्य के निवासियों को जल, जंगल, जमीन पर हक दिए जाने की मांग की। कहा कृषि सुधार और नए उद्योग परियोजनाओं की पहाड़ में स्थापना न होने के कारण लोगों को शहरों की और जाना पड़ रहा है। आपदा से प्रभावित मोटर मार्गों एवं सिंचाई नहरों का पुर्ननिर्माण हो।

अस्थाई पुलिया से नदी में गिरने से युवती की मौत, मामी के साथ जंगल घास लेनी थी गई

चमोली, एजेंसी। एक युवती अपनी मामी के साथ घास लेने जंगल गई थी। इस दौरान प्राणमति नदी पर ग्रामीणों द्वारा बनाए गए अस्थाई लकड़ी के बल्लियों की पुलिया से वह और उसकी मामी पैदल जाते वक्त नियंत्रण खो बैठे ओर नदी में जा गिरे।

चमोली जिले के थराली में मामी के साथ जंगल घास लेने गई युवती की अस्थाई पुलिया से नदी में गिरने से मौत हो गई। घटना से परिजनों का रोकर बुरा हाल है। अस्पताल में पुलिस प्रशासन कार्रवाई में जुटा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक रुईसान निवासी रेनू देवराड़ी (18 वर्ष) पुत्री तारादत्त अपने ननिहाल प्राणमति गांव

गई थी। बताया जा रहा कि सोमवार सुबह रेनू अपनी मामी के साथ घास लेने जंगल गई। इस दौरान प्राणमति नदी पर ग्रामीणों द्वारा बनाए गए अस्थाई लकड़ी के बल्लियों की पुलिया से रेनू ओर उसकी मामी पैदल जाते वक्त नियंत्रण खो बैठे ओर नदी में जा गिरे।

जिसमें रेनू करीब 200 मीटर दूरी तक बह गई। जबकि उसकी मामी कुछ दूरी पर ही अटक गई। पत्थरों से चोटिल होने के चलते रेनू गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अस्पताल के डॉ संजय बडियारी ने बताया कि युवती को सीपीआर दिया गया। लेकिन युवती की मौत पहले ही हो गई थी।

ग्लास फैक्टरी की भट्टी में लगी आग

ऋषिकेश, एजेंसी। हरिद्वार रोड स्थित हिंदुस्तान नेशनल ग्लास फैक्टरी के भट्टी (फर्नेस) में अचानक आग लग गई। अग्निशमन विभाग के जवानों ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

फायर स्टेशन ऋषिकेश के प्रभारी प्रताप सिंह राणा ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 07:10 बजे हरिद्वार रोड स्थित हिंदुस्तान नेशनल ग्लास फैक्टरी के कर्मचारियों ने सूचना दी कि फैक्टरी के फर्नेस में आग लगी है। सूचना पर तत्काल एक फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची। जहां फर्नेस में विकराल आग लगी हुई थी। फायर सर्विस यूनिट ने तत्काल एमएफई से पंपिंग कर आग को बुझाना शुरू किया।

ऑनलाइन खरीदारी को रोकने के लिए व्यापार मंडल ने संडे मार्केट का किया आयोजन,लोगों से की ये अपील

पौड़ी, एजेंसी। उत्तराखंड के पौड़ी में ऑनलाइन खरीदारी को मात देने के लिए पौड़ी व्यापार मंडल ने पहली बार संडे मार्केट का आयोजन किया। इसके चलते व्यापारियों ने रामलीला मैदान में संडे मार्केट की शुरूआत की। वहीं, इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी उपस्थित रहे।

प्राप्त सूचना के मुताबिक पौड़ी में व्यापार सभा ने पहली बार संडे मार्केट का आयोजन किया। वहीं, इस मौके पर पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी ने संडे मार्केट के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इससे ऑनलाइन शॉपिंग को रोका जा सकेगा। इस के साथ ही कहा कि पौड़ी के बाजारों में एक बार फिर रौनक लौटेगी। इस बारे में व्यापार सभा के अध्यक्ष विनय शर्मा का कहना है कि दिन प्रतिदिन लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ रहा है। लेकिन ऐसे में बाजारों में खरीदारों की चहल-पहल व रौनक कहीं गायब हो गई है। साथ ही बाजार में दुकानदारों को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच पौड़ी व्यापार सभा ने ऑनलाइन खरीदारी को रोकने के लिए संडे मार्केट की पहल का आयोजन किया गया है।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों में खंडहर जादूंग को आबाद करने में जुटे श्रमिक, बना रहे होम स्टे

उत्तरकाशी , एजेंसी। भारत-चीन युद्ध 1962 में जाड़-भोटिया समुदाय के सीमावर्ती नेलांग और जादूंग गांव को खाली करवाया गया था। वर्तमान में जादूंग में जहां आईटीबीपी तैनात है। वहीं, नेलांग में सेना काबिज है।

सीमावर्ती जादूंग गांव में वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत खंडहर घरों को होमस्टे में बदलने का काम तेजी से चल रहा है। यहां विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच 30 श्रमिक होमस्टे निर्माण के काम में जुटे हुए हैं। कार्यदायी संस्था गढ़वाल मंडल विकास निगम के अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ी शैली में बनने वाले ये सभी होमस्टे सौर ऊर्जा से रोशन होंगे, जिसके भूतल में होमस्टे मालिक रहे सकेंगे। वहीं, ऊपरी मंजिल में पर्यटकों के

ठहरने की उचित व्यवस्था होगी।

बता दें कि भारत-चीन युद्ध 1962 में जाड़-भोटिया समुदाय के सीमावर्ती नेलांग और जादूंग गांव को खाली करवाया गया था। वर्तमान में जादूंग में जहां आईटीबीपी तैनात है। वहीं, नेलांग में सेना काबिज है। केंद्र सरकार ने वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत सीमावर्ती जादूंग गांव को दोबारा आबाद की कवायद शुरू की है।

इसके तहत प्रथम चरण में जादूंग गांव में छह होमस्टे का निर्माण किया जा रहा है। जो कि पुराने भवनों के स्थान पर ही पहाड़ी शैली में तैयार किए जा रहे हैं। इन होमस्टे के निर्माण में पुराने भवनों के निर्माण प्रयुक्त पत्थर की ही चिनाई की जाएगी। वर्तमान में कार्यदायी संस्था गढ़वाल मंडल विकास निगम की देखरेख में 30 श्रमिक होमस्टे के निर्माण में जुटे हुए हैं।

हालांकि इनके लिए विकट भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस क्षेत्र में निर्माण आसान नहीं है। यहां दिन का तापमान जहां 2 से 3 डिग्री सेल्सियस रहता है। वहीं, रात में यह माइनस में चला जाता है।

एसओजी और पुलिस के हत्थे चढ़े हथियार बेचने वाले दो तस्कर

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड में हल्द्वानी पुलिस के हाथ कामयाबी लगी है। इसमें एसओजी और पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने तस्करों के पास से एक अवैध देसी तमंचा और एक देसी अवैध बंदूक सहित चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। वहीं, पुलिस द्वारा पूछताछ में इन अभियुक्तों के द्वारा उधम सिंह नगर और उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार लाकर यहां नैनीताल में बेचना पाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वहीं, इस मामले में पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान अनिल सिंह और सर्वेश कुमार मुखानी थाना क्षेत्र के रूप में हुई हैं। दोनों आरोपियों को पुलिस ने फतेहपुर के पास से गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आर्म्स अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

वहीं एसएसपी नैनीताल ने कहा कि पुलिस को कुछ लोगों द्वारा अवैध हथियारों की तस्करी करने की सूचना मिली थी। इस के चलते पुलिस ने दो अवैध हथियारों समेत 2 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अतिरिक्त दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

त्योहार से पहले धमाके ने बढ़ाई दिल्लीवासियों की चिंता

बाजारों से लेकर बस टर्मिनल तक कैसा है सुरक्षा का हाल?

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

रोहिणी के प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुए विस्फोट से दिल्लीवासियों की चिंता को बढ़ा दिया है, लेकिन राजधानी के बाजारों से लेकर रेलवे स्टेशन और बस अड्डों के अलावा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा भगवान भरोसे दिखी। न तो बाजारों में बेरीकेडिंग नजर आई और न ही कोई मेटल डिडेक्टर लगे हुए हैं। बाजारों में अनियंत्रित भीड़ और न के बराबर सुरक्षा दिखी। विस्फोट की घटना होने के बाद भी पुलिस की सतर्कता दिल्ली में नहीं दिखी। मध्य दिल्ली से लेकर पूर्वी, बाहरी और पश्चिमी के साथ दक्षिणी दिल्ली के बाजरों की सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं दिखे। ऐसा ही हाल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन और कश्मीरी गेट बस अड्डे पर दिखा।

सदर बाजार में पुलिसकर्मियों नहीं पता चली धमाके की बात

हैरान करने वाली बात तो यह है कि सदर बाजार में तैनात पुलिसकर्मियों रोहिणी विस्फोट को लेकर अंजान बने रहे। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन न गाड़ियों की जांच हो रही थी और न ही कोई पुलिसकर्मी तैनात था। यही हाल कश्मीरी गेट बस अड्डे पर भी देखने को मिला।

प्रशांत विहार में उफ्छक्र स्कूल के बाहर रविवार को धमाका हुआ था। पश्चिमी दिल्ली की बात करें तो बस टर्मिनल, रेलवे स्टेशन व बाजारों में सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं दिखें। कहीं पर भी पुलिस कर्मी बैठे या गश्त करते नहीं दिखाई देते हैं। उत्तम नगर बस टर्मिनल के अंदर कोई भी आसानी से प्रवेश कर सकता है। न ही यहां टर्मिनल के प्रवेश पर कोई मेटल डिटेक्टर मशीन लगाई गई है और न ही कोई पुलिस कर्मी अंदर प्रवेश करने वाले किसी व्यक्ति की जांच करते हैं।

नाम के लिए प्रवेश द्वार पर बैरिकेड रखा हुआ है। बाजारों में भी पुलिस की सक्रियता नहीं दिखाई दे रही है। त्योहारी सीजन की वजह से लोगों ने फुटपाथ के साथ सड़कों पर भी अतिक्रमण कर लिया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि दुकान से ज्यादा बाहर फुटपाथ व सड़क पर अतिक्रमण है। अलग-अलग इलाके के रेहड़ी वाले भी रेहड़ी लेकर बाजारों में पहुंच रहे हैं।

दक्षिणी दिल्ली के बाजारों में सुरक्षा के अधूरे इंतजाम

दक्षिणी दिल्ली में भी मुख्य बाजारों में सुरक्षा के अधूरे इंतजाम नजर आए। ग्रेटर कैलाश पार्ट एक एम ब्लॉक मार्केट में कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं दिखा। यहां पर गेट के सामने पुलिस मचान पर भी पुलिस वाला तैनात नहीं मिला। लोग बिना रोक टोक के अंदर जा रहे थे। इसके अलावा मार्केट के अंदर भी पुलिस तैनात नहीं थी। हालांकि सरोजिनी नगर मार्केट में सुरक्षा जरूर थोड़ी पुख्ता दिखी। यहां पर मचान पर भी पुलिस को हथियार के साथ तैनात किया गया।

इसके अलावा पुलिस ने गहन जांच के बाद ही ग्राहकों को अंदर जाने दिया। बाजार के अंदर भी पुलिस सक्रिय रही। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार और शाहदरा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखे। प्रवेश करते वक्त यात्रियों की जांच की जा रही थी।

परिसर में भी आरपीएफ के जवान गश्त लगाते दिखे, लेकिन, आनंद विहार बस अड्डे पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। इसी तरह कृष्णा नगर, लाल क्वार्टर, लक्ष्मी नगर और रोहताश नगर के बाजार में पुलिस मौजूद नहीं थी। व्यापारियों की शिकायत है कि पुलिस गश्त लगाने नहीं आती।

आप सरकार का बड़ा फैसला- दिल्ली में दिव्यांगों के लिए बनेंगी विशेष अदालतें :आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिव्यांगों के लिए समय पर और सुगम न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस दिशा में दिल्ली सरकार दिव्यांगों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करेगी। सीएम आतिशी द्वारा इसे मंजूरी मिल चुकी है।

इस बाबत साझा करते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि, दिल्ली सरकार द्वारा दिव्यांगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में ये ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि, दिल्ली सरकार ने न्यायिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव की ओर कदम बढ़ाते हुए दिव्यांगों के हित में स्पेशल कोर्ट की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से दिव्यांगों को न्याय तक पहुंचने में आने वाली समस्याओं को कम किया जाएगा और उन्हें जल्द व सुगम न्याय प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री आतिशी ने इस पहल को दिल्ली के न्यायिक सुधारों में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, दिव्यांग लोग समाज का अभिन्न हिस्सा हैं, और उनके अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। ऐसे में स्पेशल कोर्ट की स्थापना से उन्हें न्यायिक प्रक्रिया में आने वाली किसी भी दिक्कतों से राहत मिलेगी और उनका विश्वास न्याय प्रणाली की ओर और भी ज्यादा मजबूत होगा। बता दे कि, स्पेशल कोर्ट के गठन से दिव्यांगों के लिए केस निपटाने की प्रक्रिया तेज होगी, जिससे अनावश्यक देरी और जटिलताओं से बचा जा सकेगा। कोर्ट को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि यह दिव्यांग व्यक्तियों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए न्यायिक कार्यवाही संचालित कर सके।

सीएम आतिशी ने कहा कि, स्पेशल कोर्ट के जरिये हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी दिव्यांग व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। उनके लिए न्यायिक प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने इस निर्णय को न्यायिक सुधारों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उनका कहना है कि यह स्पेशल कोर्ट न केवल दिव्यांगों के हितों की रक्षा करेगा, बल्कि समाज में उनके लिए समानता और न्याय के नए रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि, दिल्ली सरकार दिव्यांगों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और यह स्पेशल कोर्ट उस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने कहा-दिल्ली में प्रदूषण रोकने में आआपा सरकार विफल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण रोकने में आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार विफल है। उन्होंने राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और यमुना नदी की जहरीली झाग पर दिल्ली सरकार और आआपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी सवाल किया। सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की समस्या बढ़ रही है। अरविंद केजरीवाल के शासन में दिल्ली की हालत खराब हो गई है। पिछले 10 साल में उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया। दिल्ली के प्रदूषण को नियंत्रित करने की भी आआपा सरकार ने भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट काम नहीं कर रहे हैं। इस कारण यमुना नदी का जल विषाक्त हो रहा है। दिल्ली में 3100 टन सी और डी कचरा अनुपचारित छोड़ दिया जा रहा है। वह लोग दिल्ली में प्रदूषण वृद्धि के लिए पंजाब से पराली जलाने को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं और पंजाब सरकार की अक्षमताओं को छिपा रहे हैं।

लूटपाट के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने डीआरडीओ साइंटिस्ट के घर लूट मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान जसमीन सिंह उर्फ गिफ्टी और गौरव कवात्रा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से लूटपाट का सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक घटना 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 12.50 बजे प्रशांत विहार इलाके में हुई थी। घटना के वक्त पांच लोग खुद को कूरियर कर्मी बताकर साइंटिस्ट के घर जबरन घुसे। अधिकारियों के मुताबिक जसमीन सिंह उर्फ गिफ्टी (42) और लुटेरों को जानकारी मुहैया कराने वाले डीआरडीओ साइंटिस्ट के पूर्व कर्मचारी गौरव कवात्रा (36) को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि बाकी आरोपितों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक आरोपितों ने मोटरसाइकिल का नंबर छुपाया था, लेकिन फुटेज के माध्यम से उनके रास्तों का पीछा कर सामने की नंबर प्लेट की पहचान की गई। उन्होंने कहा कि एक फुटेज में उनके चेहरे भी कैद हुए है। जिससे पुलिस टीम को उनकी पहचान करने और करोल बाग तक ट्रैक करने में मदद मिली। पुलिस के मुताबिक टीम ने 10.15 लाख रुपये नकद, बैंक खाते में जमा 2.89 लाख रुपये और 1.38 लाख रुपये का नया खरीदा गया मोबाइल फोन भी बरामद किया।

चोरी की दो कारों समेत वाहनचोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिला एटीएस ने रविवार को दिल्ली से 250 से ज्यादा कारें चुराकर बेचने वाले गिरोह के एक गुर्गे को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने चोरी की दो कारें बरामद की हैं और पुलिस का दावा है कि वाहनचोरी के तीन बड़े मामले सुलझे हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि 17 अक्तूबर को पुलिस को इसके बारे में गुप्त सूचना मिली। पता चला कि आरोपी कार से डियर पार्क, सीमापुरी के पास आया है। पुलिस ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए मौके पर छापा मारा और आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान इटावा, उत्तर प्रदेश स्थित नगल गौर निवासी केशव उर्फ भानु के रूप में हुई है। बाद में पुलिस ने इसकी निशानदेही पर एक अन्य कार बरामद कर ली। पूछताछ में पता चला कि आरोपी पर गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास जैसे कुल 12 मामले दर्ज हैं और एक बार यूपी पुलिस से मुठभेड़ में इसे गोली भी लग गई थी।

हिंदी अब जल्द ही बनेगी विश्व भाषा: डॉ विपिन कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

18 और 19 अक्टूबर, 2024 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा आयोजित 43वें हिंदी महाधिवेशन में साहित्य प्रेमियों और समाज के विभिन्न तबकों के विचारकों को एकत्र किया इस महाधिवेशन को हिंदी साहित्य की दो महान विभूतियों, पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और कलम के जादूगर श्री रामवृक्ष बेनीपुरी को समर्पित किया गया है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विपिन कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा, आज हमारे समाज में जातिवाद, संप्रदायिकता और क्षेत्रीयता जैसी संकीर्णताएं गहरी हो गई हैं। ये विचारधाराएं न केवल हमारे सामाजिक ताने-बाने को खंडित कर रही हैं, बल्कि विश्व-बंधुत्व की अवधारणा को भी कमजोर कर रही हैं। उन्होंने समाज में बंधुत्व की भावना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। हम सभी को यह समझना होगा कि जाति और संप्रदाय की दीवारें केवल विभाजन का काम करती हैं। साहित्य का कार्य इन संकीर्णताओं को खत्म करना है। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के अध्यक्ष प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित को विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से विभूषित किया। यह सम्मान उनके साहित्यिक कार्यों और योगदान के लिए प्रदान किया। महाधिवेशन का उद्घाटन करते हुए डॉ. सी.पी ठाकुर ने हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में बिहार के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, हिंदी साहित्य केवल एक भाषा का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि यह हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास का भी दर्पण है। उन्होंने साहित्य के माध्यम से समाज में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मिहिर कुमार सिंह ने भी अपने संबोधन में कहा, इस महाधिवेशन का उद्देश्य न केवल साहित्य को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज में सामंजस्य और एकता की भावना को भी मजबूत करना है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस प्रकार के आयोजनों को प्रोत्साहित करेगी, ताकि साहित्य का विकास हो सके। महाधिवेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। विभिन्न कलाकारों ने नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से समाज में एकता का संदेश दिया। डॉ. कुमार ने कहा, कला और संस्कृति हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। यह हमें जोड़ने का काम करती हैं और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती हैं। महाधिवेशन का समापन समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया गया। डॉ. विपिन कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम जातिवाद, संप्रदायिकता और क्षेत्रीयता के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम विश्व-बंधुत्व की अवधारणा को मजबूती प्रदान करें। इस समापन समारोह में एक महत्वपूर्ण संकल्प लिया गया, जिसमें सभी साहित्यकार और समाजसेवी मिलकर समाज में व्याप्त संकीर्णताओं को समाप्त करने के लिए प्रयास करेंगे।

43वें हिंदी महाधिवेशन ने सभी को एक नई दिशा दी है। यह सम्मेलन न केवल साहित्यिक चर्चाओं का मंच बना, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। डॉ. विपिन कुमार के विचारों ने सभी उपस्थित लोगों को एक नए दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रकार, बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन का यह महाधिवेशन न केवल साहित्य की समृद्धि का प्रतीक है, बल्कि समाज में व्याप्त संकीर्णताओं के खिलाफ एक सशक्त आवाज उठाने का भी माध्यम बन गया। सभी प्रतिभागियों ने इस महाधिवेशन को सफल और सार्थक बताया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि साहित्य और विचारों का संगम समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

अरविंद केजरीवाल माता वैष्णों देवी जायेंगे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पत्नी के साथ माता वैष्णो देवी दर्शन करने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट कर अपनी इस यात्रा की जानकारी दी। दिल्ली में शराब नीति घोटाले के आरोप में जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने के लिए गए थे। अब अरविंद केजरीवाल पत्नी सुनीता के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए कटरा जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है। आप और आपका परिवार खुश रहे, सुखी रहे। माता का आशीर्वाद लेने के लिए पत्नी के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जा रहा हूं।

वाहन चालकों को फूल देकर लालबत्ती पर इंजन बंद कराया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के बीच सोमवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने लालबत्ती ऑन-इंजन ऑफ अभियान की शुरूआत की। आईटीओ पर वाहन चालकों को फूल देकर उन्होंने लालबत्ती होने पर वाहन का इंजन बंद करने के फायदों की जानकारी दी। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि 24 तारीख को बाराखंबा रोड और 26 को दिल्ली गेट चौराहे पर यह अभियान चलाया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में इस समय बढ़ते प्रदूषण का बड़ा कारण बायोमास बर्निंग और धूल से होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ वाहनों से होने वाला प्रदूषण भी है। इसी को देखते हुए सरकार ने यह अभियान शुरू किया है। राय ने कहा कि एक व्यक्ति आमतौर पर हर दिन आठ से दस लालबत्ती पर रुकता है। अगर वह दो मिनट एक चौराहे पर रुकता है और गाड़ी का इंजन बंद नहीं करता है तो वह 25 से 30 मिनट गाड़ी का ईंधन व्यर्थ में जलाता है। यह अभियान इसी बात को लेकर है कि लालबत्ती पर इंजन को बंद करने को हम अपनी आदत में शामिल करें। पिछले वर्षों में दिल्लीवालों और संबंधित विभागों की मेहनत से प्रदूषण के स्तर में लगभग 34.6 फीसदी की कमी आई है। मंत्री ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ जंग में एक बार फिर दिल्ली तैयार है। सरकार ने इसके लिए ग्रीन वार रूम शुरू किया है और धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए धूल रोधी अभियान चलाया हुआ है। पराली गलाने के लिए पांच हजार एकड़ खेत में बायो डी-कंपोजर घोल का छिड़काव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर से वाले प्रदूषण के साथ-साथ लोगों को बाहर से आने वाले प्रदूषण को भी झेलना पड़ता है। दिल्ली में तो वाहन सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं, लेकिन आनंद विहार में उत्तर प्रदेश से आने वाली हजारों डीजल बसें प्रदूषण फैला रही हैं। उन्होंने पराली जलाने के मामलों में रोकथाम के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा समुचित कदम नहीं उठाने का भी आरोप लगाया।

टेलीग्राम ऐप पर जस्टिस लीग इंडियाने ली ब्लास्ट की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार को हुए ब्लास्ट मामले में दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम से एक ग्रुप के संबंध में जानकारी मांगी है। दरअसल, रविवार को हुए ब्लास्ट के बाद टेलीग्राम ऐप पर जस्टिस लीग इंडिया नामक एक ग्रुप ने जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि ये काम खालिस्तानी संगठन का है और भारत के लिए चेतावनी है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने अभी ये पुष्टि नहीं की है कि इस धमाके में खालिस्तानी एंगल है या नहीं। इस ग्रुप ने टेलीग्राम पर विस्फोट की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी डाला है।

विस्फोट की घटना के बाद सोमवार सुबह सीआरपीएफ की एक टीम मौके पर पहुंचीं और कुछ देर तक जांच के बाद वहां से चली गई। जिस जगह ब्लास्ट हुआ वह जमीन सीआरपीएफ की है और वहां स्कूल चलता है। सोमवार को स्कूल सामान्य दिनों की तरह खुला। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी का कहना है कि सभी एजेंसियों के एक्सपर्ट नमूने को अपने साथ लेकर गए हैं, जिनकी वह अपनी-अपनी लैब में विस्तृत जांच करेंगे। इसके बाद ही इस्तेमाल किए गए केमिकल व विस्फोटक के बारे में सही पता चल पाएगा। जांच एजेंसियों का कहना है कि धमाके में काफी केमिकल का इस्तेमाल किया गया। यह देशी यानी क्रूड बम जैसा भी नहीं लग रहा है। अभी इस विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जांच एजेंसी में शामिल एनडीआरएफ को इसलिए मौके पर बुलाया गया था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कही मौके पर रिडियोएक्टिव पदार्थ तो मौजून नहीं था। हालांकि जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला। एजेंसियों का मानना है कि हो सकता है कि त्योहारों पर दहशत फैलाने के लिए किसी ने इस तरह की हरकत की हो। धमाके की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ देखा गया कि सुबह 7:02 बजे स्कूल के सामने वाली सड़कों से लोग अपने वाहनों से आवाजाही कर रहे हैं। तभी स्कूल की साथ चिंगारी उठी और दो-तीन सेकेंड में जोर का धमाका हुआ। इसके बाद हर तरफ धुआं ही धुआं हो गया।

इन चीजों का हुआ इस्तेमाल घटना के बाद रविवार शाम को प्रशांत विहार पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। अब इस मामले को स्पेशल सेल या एनआईए में ट्रांसफर किया जा सकता है। जांच में ब्लास्ट में फिलहाल नाइट्रेट व क्लोराइड का इस्तेमाल किए जाने का पता चला है

उद्यमी छात्रों को सिखाएंगे व्यापार के गुर

नई दिल्ली। बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के तहत स्कूली छात्रों के विचार को जमीनी स्तर पर लागू करने में मदद के लिए कोच के तौर पर उद्यमियों को आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय की नोडल शाखा (ईएमसी) ने सर्कुलर जारी किया है। इसके तहत छात्रों की टीम को काम करने का अनुभव प्रदान करने, व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने, बिजनेस योजना तैयार करने और बिजनेस विचार को लागू करने का अनुभव कोच उपलब्ध कराएंगे।

चोरी की दो कारों समेत वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (वेब वार्ता)। शाहदरा जिला एएटीएस ने रविवार को दिल्ली से 250 से ज्यादा कारें चुराकर बेचने वाले गिरोह के एक गुर्गे को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने चोरी की दो कारें बरामद की है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि 17 अक्तूबर को पुलिस को इसके बारे में सूचना मिली। सीमापुरी से आरोपी केशव उर्फ भानु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसपर पहले से ही 12 मामले दर्ज हैं।

लूट, यौन उत्पीड़न में शामिल चार भगोड़े धरे

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की गीता कॉलोनी पुलिस ने एक दिन में चार घोषित भगोड़ों को दबोचा है। आरोपियों पर लूट, यौन उत्पीड़न, चोरी और झपटमारी के मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों पर यमुनापार के विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ गौतम उर्फ मोनू, सोनू उर्फ गौरव, अमन और राजू के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को गत छह महीने के भीतर भगोड़ा घोषित किया गया था।

लूट, यौन उत्पीड़न में शामिल चार भगोड़े धरे

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की गीता कॉलोनी पुलिस ने एक दिन में चार घोषित भगोड़ों को ढूंढकर दबोचा है। इन आरोपियों पर लूट, यौन उत्पीड़न, चोरी व झपटमारी के मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों पर यमुनापार के विभिन्न थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ गौतम उर्फ मोनू, सोनू उर्फ गौरव, अमन और राजू के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को गत छह महीनों के भीतर ही भगोड़ा घोषित किया गया था क्योंकि ये अदालत में पेश होने व गिरफ्तारी के बचने के लिए छिप कर रह रहे थे।

सोनम वांगचुक ने तोड़ा अनशन, गृह मंत्रालय से मिला आश्वासन

नई दिल्ली। लद्दाख को छठी अनुसूची शामिल सहित कई मांगों को लेकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को अनशन समाप्त कर दिया है। इस बीच गृह मंत्रालय ने उन्हें आश्वासन दिया कि लद्दाख की मांगों पर बातचीत दिसंबर में फिर से शुरू की जाएगी। गृह मंत्रालय में 3 दिसंबर को होगी चर्चा संयुक्त सचिव (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) प्रशांत लोखंडे ने कार्यकताओं से मुलाकात की और उन्हें गृह मंत्रालय का एक पत्र सौंपा। कार्यकर्ता छह अक्टूबर से दिल्ली के लद्दाख भवन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। पत्र में कहा गया कि लद्दाख के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति अगली बैठक तीन दिसंबर को करेगी। इसके बाद वांगचुक और उनके समर्थकों ने अपना अनशन तोड़ने का फैसला किया।

हत्या के मामले में फरार आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में फरार एक आरोपी को नेहरू प्लेस से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सिद्धार्थ (21) के तौर पर हुई है। वह सरिता विहार स्थित मदनपुर खादर का रहने वाला है। पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सैन ने बताया कि आरोपी ने इलाके में दहशत पैदा करने के लिए 20-25 साथियों के साथ मिलकर अमन पर हमला किया। उस पर चाकू से कई वार किए। इस घटना को अंजाम देने के लिए उसने अपने बड़े भाई सौरभ उर्फ लेफ्टी की मदद ली। सौरभ एक कुख्यात अपराधी है और कालिंदी कुंज थाने में सूचीबद्ध बदमाश (बीसी) है। पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त 2024 को उन्हें घटना की सूचना मिली थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो अमन घायल अवस्था में पड़ा था। उस पर चाकू से कई वार किए गए थे। इलाज के लिए उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई। सौरभ उर्फ लेफ्टी सहित कई संदिग्धों को पहले ही पकड़ लिया गया था, जबकि सिद्धार्थ फरार था। दक्षिणी रेंज क्राइम ब्रांच के एएसआई कृष्ण कुमार पांडे को सूचना मिली कि फरार संदिग्ध सिद्धार्थ नेहरू प्लेस स्थित पारस सिनेमा के पास आने वाला है। इस सूचना पर एक टीम का गठन किया गया जिसकी निगरानी में सिद्धार्थ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। आरोपी सिद्धार्थ एक निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता है और उसने 10वीं तक पढ़ाई की है। वह अपने तीन भाइयों और एक विवाहित बहन में सबसे छोटा है। वह नेहरू प्लेस इलाके में मोबाइल फोन रिपेयर का काम करता था और घटना के बाद से फरार था।

भारतीय संस्कृति और एकता के परिचायक फूल वालों की सैर उत्सव का हुआ शुभारंभ

फूलवालों की सैर सिर्फ.एक उत्सव नहीं, ये दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब का हिस्सा-आतिशी

- आयोजकों द्वारा सीएम आतिशी को उत्सव का प्रतीक पारंपरिक फूलों का पंखा भेंट कर की गई फूल वालों की सैर 2024 की शुरूआत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

संस्कृति और एकता के परिचायक फूल वालों की सैर उत्सव का शुभारंभ हो चुका है। सोमवार की आयोजकों द्वारा सीएम आतिशी को उत्सव का प्रतीक पारंपरिक पंखा भेंट कर सात दिवसीय फूल वालों की सैर 202 उत्सव की शुरूआत की गई।

इस मौके पर आयोजक शहनाईवादकों के साथ दिल्ली सचिवालय पहुंचे और सीएम आतिशी को फूलों का पंखा भेंट किया।

मुख्यमंत्री आतिशी ने फूलवालों की सैर की शुरूआत के मौके पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि, फूलवालों की सैर सिर्फ.एक सात दिन त्यौहार नहीं बल्कि हमारी गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। और आज के दौर में सभी को इन प्रतीकों की बहुत जरूरत है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में देश के हर हिस्से के लोग, हर धर्म संप्रदाय,मान्यता के लोग रहते है और इस प्रकार के उत्सव सभी को साथ लाने का काम करते है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, आज के समय में जब इंसान को इंसानियत से दूर किया जा रहा है, एक दूसरे से लड़ाया जा रहा है। धर्म-जाति, भाषा के नाम पर अलग-अलग दीवारें खड़ी की जा रही है। ऐसे में ह्यफूलवालों की सैर लोगों को साथ लाने का त्यौहार है। जो आपसी भेदभाव की भुलाकर प्रेम और सौहार्द को बढ़ाता है।

उन्होंने कहा कि, हमें अपनी इन परंपराओं को संजोना और उनका जश्न मनाना जारी रखना चाहिए, क्योंकि ये ऐसे पुल हैं जो हमें हमारी जड़ों से, एक-दूसरे से और उस भविष्य से जोड़ते हैं।

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने की राज्य के सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिवाली के आगामी त्योहारों की सीरीज में चाँदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में बाजारों एवं रिहायशी क्षेत्रों में सुरक्षा, सफाई एवं अतिक्रमण के मुद्दों को लेकर सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने राज्य के सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें दिल्ली पुलिस मध्य जिला, उत्तरी जिला एवं उत्तर पश्चिम जिला, डीसीपी ट्रैफिक, नगर निगम के सिटी जोन, सिविल लाइन जोन तथा केशवपुरम जोन, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी), उत्तरी दिल्ली पावर लिमिटेड (एनडीपीएल) और बीएसईएस सहित अन्य सरकारी विभाग के करीब 80 से ज्यादा सीनियर अधिकारी मौजूद रहें। सांसद ने कई मुद्दों पर की चर्चा इस दौरान सांसद खंडेलवाल ने बताया की बैठक में चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र में अतिक्रमण, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, सीवरेज और पुलिस सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें आगामी दिवाली उत्सव की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार चांदनी चौक,खारी बावली, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, कमला नगर, अशोक विहार, मॉडल टाउन, शालीमार बाग एवं पीतमपुरा सहित विभिन्न इलाकों के बाजारों में कल से अतिक्रमण एवं सफाई व्यवस्था को लेकर सभी विभाग आपस में समन्वय करते हुए तुरंत एक विशेष अभियान चला कर सभी क्षेत्रों को साफ रखेंगे।

सुरक्षा और अतिक्रमण दिए ये सुझाव वहीं सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पुलिस विभाग तुरंत मार्केट एसोसिएशनों के साथ संपर्क करते हुए सभी बाजारों की सुरक्षा को मजबूत करें। इस संबंध में कल शाम 5 बजे खंडेलवाल डीसीपी नार्थ एवं नगर निगम की शहरी क्षेत्र की उपायुक्त सहित अन्य विभागों के अफसरों के साथ लाल किले से बारा टूटी चौक तक एक राउंड भी रखेंगे। अतिक्रमण को लेकर खंडेलवाल ने कहा कि एमसीडी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली पुलिस एवं अन्य विभागों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास से सड़कों, फुटपाथों और बाजारों में अतिक्रमण की पहचान कर उसको दूर किया जाए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

प्रदूषण के विरुद्ध आप सरकार का रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ अभियान शुरू

24 अक्टूबर को बाराखंभा रोड और 26 को दिल्ली गेट चौराहा पर चलाया जायेगा अभियान- गोपाल राय

- दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आईटीओ से अभियान की शुरूआत कर वाहन चालकों को किया जागरूक
- पंजाब में पराली जलने की घटना में कमी आई है, जबकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में पराली जलने की घटनाएं बढ़ी हैं- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली की आप सरकार बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। इसी क्रम में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को रेड लाइट ऑन - गाड़ी ऑफ अभियान शुरू किया है। पर्यावरण मंत्री ने आईटीओ चौराहे से अभियान की शुरूआत करते हुए वाहन चालकों से रेड लाइट होने पर गाड़ी का इंजन बंद करके प्रदूषण कम करने में अपना योगदान देने की अपील की। इस दौरान गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में इस समय के बढ़ते प्रदूषण का बड़ा कारण बायोमास बर्निंग और धूल से होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ वाहनों से होने वाला प्रदूषण है। इसी को देखते हुए रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ कैंपेन शुरू किया गया है। दिल्लीवासियों को दिल्ली के बाहर से आने वाले प्रदूषण की मार झेलनी पड़ती है। पंजाब सरकार के प्रयासों के कारण पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, वहीं हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है और वहाँ पर पराली जलाने की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले सालों में दिल्लीवासियों और संबंधित विभागों की मेहनत से प्रदूषण के स्तर में करीब 34.6 प्रतिशत की कमी आई है। प्रदूषण के खिलाफ इस जंग में इस बार फिर से दिल्ली तैयार है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के विरुद्ध ग्रीन वॉर रूम शुरू किया है, धूल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एंटी डस्ट कैंपेन चला रखा है और पराली गलाने के लिए 5 हजार एकड़ में बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करवाया जा रहा है। इसी क्रम में अब रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ कैंपेन की शुरूआत की जा रही है।

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के लोगों को दिल्ली के अंदर होने वाले प्रदूषण के साथ-साथ दिल्ली के बाहर से आने वाले प्रदूषण को भी झेलना पड़ता है, जो कि दिल्ली के प्रदूषण से दोगुना होता है। दिल्ली में तो वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए हम सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें चला रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आनंद विहार में उत्तर प्रदेश से आने वाली हजारों डीजल की बसें प्रदूषण फैला रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध है कि वह प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए। पंजाब में सरकार के प्रयासों के कारण पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, वहीं हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकार इस दिशा में आवश्यक प्रयास नहीं कर रही है और वहाँ पर पराली जलाने की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

मंत्री गोपाल राय ने बताया कि यह देखा गया है कि यदि कोई व्यक्ति दिल्ली में अपनी गाड़ी लेकर निकलता है तो वापस घर पहुँचने तक लगभग 8 से 10 रेड लाइट पर रुकता है। यदि वह 2 मिनट एक चौराहे पर रुकता है और अपनी गाड़ी को ऑफ नहीं करता है तो वह 25 से 30 मिनट अपने गाड़ी के ईंधन को व्यर्थ में जलाता है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए इस नजरिए को बदलने की जरूरत है। हमारा यह पूरा अभियान इसी बात को लेकर है कि हम रेड लाइट पर अपने वाहन को बंद करना अपनी आदत में ले आएं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस अभियान में पर्यावरण मित्र, आरडब्ल्यूए और पर्यावरण से संबंधित लोगों को भी जोड़ा गया है। यह अभियान दिल्ली के नागरिकों का है। सरकार प्रदूषण को दूर करने के लिए अपने प्रयास तो कर ही रही है, इसमें लोगों की जनभागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है।

केजरीवाल को दीवाली पर यमुना में डुबकी लगाने के लिए पंचायत संघ की चिट्ठी: थान सिंह यादव

- प्रदुषित दिल्ली मैली यमुना दिल्ली देहात की साहिबी नदी के लिए लड़ेंगे। पंचायत संघ
- प्रदूषण कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दे सरकार। थान सिंह यादव
- दिल्ली के खेल परिसरों से शुल्क हटाएं। पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ की गांव मादीपुर में पंचायत प्रमुखों की बैठक में गांवो की जमीन पर बने खेल परिसरों को दिल्ली देहात गांव ग्रामीणों के लिए निशुल्क करने की मांग के साथ प्रदूषित दिल्ली, मैली यमुना,दिल्ली देहात की साहिबी नदी के लिए लड़ने का निर्णय लिया।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने दिल्ली सरकार से कहा की दिल्ली देहात गांवों व शहरीकृत गांवों में पार्क,जोहड,मैदान तक नहीं है। जो खेलों में बच्चों की कम होती संख्या का कारण भी है। ऐसे में खेल-कूद के लिए खेल परिसरों में प्रवेश शुल्क

ना लगाएं।

ग्रामीण पहले खेतों, खाली जमीन पर समय-समय पर खेल स्पर्धा करते ओर त्योहारों पर भी खेलों का आयोजन होता था। जिससे बच्चों में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ता था। आज दिल्ली प्रदुषित व गैस चैम्बर बन रही है। जिससे बच्चों की शारीरिक क्षमता कम हो रही है।

पंचायत संघ ने कहा गांवों ग्रामीणों के बच्चें जोहड़ नहरों नदियों में ही तैरना सीख जाते थे। वहीं यमुना पिछले 12 सालों से सांस लेने के लिए तड़प रही है उसका पानी पीना तो दूर डुबकी लगाना मुश्किल है।

थान सिंह यादव ने कहा की दिल्ली का दम घुटने लगा है इसके लिए शासन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने के कारण इस साल भी गैस चैम्बर में रहने को मजबूर कर दिया दिल्ली सरकार ने।

पंचायत संघ सह प्रमुख सुनील शर्मा व पंच प्रमुख अधिवक्ता यमन यादव ने कहा की हम दिल्ली में 10वर्षो से सरकार के मुखिया रहे प्रिय केजरीवाल को दीवाली पर सुबह स्नान के लिए पवित्र यमुना नदी में डुबकी लगाने के लिए चिट्ठी भेज रहें है। उस दिन यमुना के घाट पर डुबकी के लिए केजरीवाल जी का इंतजार करेंगे।

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर 30% सब्सिडी देकर खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अवैध पार्किंग, जगह-जगह सड़को किनारे मलबा, फुटपाथों पर कब्जें, ट्रैफिक जाम आदि शासन प्रशासन की नजरों के सामने है।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की दिल्ली, गांव देहात को बचाने के लिए आगामी चुनावों में

तिहाड़ में किस गुनाह की सजा काट रहा इंजीनियर रशीद?

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

कश्मीर की बारामूला संसदीय सीट से सांसद इंजीनियर रशीद को अंतिम जमानत मिल गई है। रशीद आतंकी फंडिंग मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। उसे दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 2 अक्टूबर तक के लिए अंतरिम जमानत दी है।

दिल्ली में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने रशीद को राहत दी। रशीद ने आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था। जज ने कहा कि मैं 2 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दे रहा हूं। 3 अक्टूबर को आत्मसमर्पण करना होगा। अदालत ने रशीद को 2 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर राहत दी।

रशीद को क्यों मिली जमानत

इंजीनियर रशीद ने पटियाला हाउस कोर्ट में जमानत के लिए विशेष आवेदन दिया था। उसने तर्क दिया कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों को देखते हुए अपनी अवामी इतिहाद पार्टी (एआईपी) के उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर सकें इसके लिए उसे जमानत दी जाए। जिसके बाद अदालत ने उसे 2 अक्टूबर तक के लिए जमानत दी। हालांकि, 3 तारीख को उसे सरेंडर करना होगा।

क्यों हुई थी रशीद को जेल

तिहाड़ जेल में बंद रशीद शेख उर्फ इंजीनियर रशीद को साल 2019 में एनआईए ने आतंकी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उस पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत केस दर्ज है और वह पिछले पांच साल से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है।

साल 2017 के आतंकी फंडिंग मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से रशीद 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। रशीद का नाम कश्मीरी व्यवसायी जहूर वटाली की जांच के दौरान सामने आया था, जिसे एनआईए ने कश्मीर घाटी में आतंकवादी समूहों और अलगाववादियों को कथित रूप से फंडिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआईए ने इस मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन सहित कई लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। मलिक को आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2022 में एक ट्रायल कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

उमर अब्दुल्ला को चुनाव में हराया

हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान इंजीनियर रशीद ने कश्मीर की बारामूला सीट से जेल में ही रहकर लोकसभा चुनाव लड़ा। उस दौरान उनके बेटे और समर्थकों ने बारामूला लोकसभा क्षेत्र में रशीद के लिए प्रचार किया था। रशीद ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को 2.05 लाख वोटों के अंतर से हराया था। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन बारामूला लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले, इंजीनियर रशीद को पैरोल दी गई थी ताकि वह लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ले सकें। रशीद ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में दो बार कुपवाड़ा जिले के लंगेट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

फाउंडेशन ने 500 से ज्यादा फेस्टिव हैम्पर्स बांटें, जिनमें मिठाईयां, पटाखे, कैंडल्स, दिये, एलईडी लाइट्स और कपड़े थे

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

18 अक्टूबर 2024 : कारदेखो ग्रुप की सीएसआर शाखा गिरनार फाउंडेशन ने रौशनी के त्योहार का जश्न मनाने के लिये जयपुर और गुरुग्राम में दीवाली : बॉक्स ऑफ जॉय डिस्ट्रिब्यूशन ड्राइव का आयोजन किया। फाउंडेशन ने 500 दीवाली हैम्पर्स बांटे, जिसमें दोनों शहरों के लिये 250-250 हैम्पर्स रखे गये थे। इन हैम्पर्स में मिठाईयां, पटाखे, कैंडल्स, दिये, एलईडी लाइट्स और कपड़े थे, जिन्हें सुविधा से वंचित लोगों की दीवाली को खास बनाने के लिये तैयार किया गया था।

जयपुर में यह अभियान आईआईएस स्कूल, मानसरोवर, प्रतापनगर, जगतपुरा और बंबाला गवर्नमेंट स्कूल के सामने की झुग्गियों जैसी सुविधा से वंचित बस्तियों तक पहुंचा। वहीं, गुरुग्राम में हैम्पर्स का वितरण ड्रीम गर्ल फाउंडेशन एनजीओ के छात्रों और अन्य झुग्गी क्षेत्रों में किया गया, जिससे उनकी दीवाली की खुशियां और भी बढ़ गईं।

इस अवसर पर गिरनार फाउंडेशन की हेड पीहू जैन ने कहा, ह्यदिवाली एक ऐसा त्योहार है जिसमें लोग रोशनी, खुशी और एक-दूसरे के साथ मिलकर जश्न मनाते हैं। हमारा मानना है कि सच्ची खुशी तभी मिलती है जब हम दूसरों के साथ अपनी खुशियाँ बाँटते हैं और उनकी मदद करते हैं। हमने बच्चों और परिवारों के चेहरे पर जो खुशी देखी, उससे हमें यह पता चला कि छोटे-छोटे प्रयास भी लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यह अभियान सिर्फ उपहार देने के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों से जुड़ने और उन्हें यह महसूस कराने के बारे में है कि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। हम सिर्फ त्योहार मनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम उन लोगों की भी मदद करना चाहते हैं जिनके पास ज़िंदगी की बहुत सारी सुविधाएं नहीं हैं। गिरनार फाउंडेशन में हम चाहते हैं कि सब लोग बराबर हों और सभी को त्योहारों में बराबर से हिस्सा लेने का मौका मिले। हम इसी दिशा में काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हर कोई, खासकर त्योहारों जैसे खास मौकों पर खुश रहे और साथ में जश्न मनाएं। हमारी ओर से सभी लोगों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनायें। दीवाली पहल गिरनार फाउंडेशन की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो कारदेखो समूह द्वारा अपनाए गए यूएनएसडीजी 11 के तहत शहरों और बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लचीला और स्थायी बनाने की दिशा में काम कर रही है। इस फाउंडेशन का उद्देश्य भारत के एक सबसे प्रिय त्योहार दीवाली के अवसर पर खुशियाँ फैलाना है। इस पहल के जरिए, फाउंडेशन सुविधा से वंचित लोगों और परिवारों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला रहा है और एक ऐसा समाज बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जहाँ सभी लोग एकसाथ मिलकर उत्सव का आनंद ले सकें।

सात माह में एक कर्मचारी को दो बार लूटने वाले पांच आरोपी धरे

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली में सात माह के दौरान एक निजी कंपनी में पैसे का कलेक्शन करने वाले शख्स से दो बार लूटपाट करने वाले पांच आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मास्टरमाइंड चंदन सिंह, आसिफ, आमिर, हरि सिंह नागर और संजय अनुरागी शामिल हैं। कापसहेड़ा थाना पुलिस और एएटीएस की संयुक्त टीम ने इनके पास से 60.20 लाख रुपये नगद, एक स्कूटी, बाइक, पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि 16 अक्तूबर को एक निजी कंपनी में सुपर डिस्ट्रीब्यूटर के पद पर काम करने वाले भागवत प्रसाद ने पुलिस को लूट की सूचना दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह डूंडाहेड़ा, गुरुग्राम और कापसहेड़ा सहित दिल्ली के कई छोटे और बड़े विक्रेताओं से 62 लाख रुपये लेकर स्कूटी से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान समालखा के पास एक बाइक पर सवार तीन लोगों ने उसे जबरन रोका। इसके बाद पैसों से भरा बैग और स्कूटी लूट कर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि बैग में एक लाख रुपये जबकि स्कूटी की डिक्की में 61 लाख रुपये थे। इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की एक टीम ने घटनास्थल से लगभग 15 किलोमीटर के दायरे में लगे सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इससे पता चला कि आरोपी पीड़ित की स्कूटी लेकर गुरुग्राम की ओर गए हैं। इसके बाद सगे भाई आसिफ और आमिर को दबोच लिया। आमिर ने पीड़ित को अप्रैल में भी लूटा था, जबकि इस बार आसिफ ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। इनकी निशानदेही पर अन्य बदमाशों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कंपनी का एक दूसरा डिस्ट्रीब्यूटर चंदन सिंह दोनों लूट का मास्टरमाइंड है। चंदन का काम खुदरा विक्रेताओं से पैसे जमा करने का है। वह पैसे जमा कर भागवत प्रसाद को देता है। चंदन ने पीड़ित के बारे में आमिर को सूचना दी। इसके बाद आमिर ने अपने भाई आसिफ को इसकी जानकारी दी। आसिफ ने हरि सिंह और संजय के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया।

लूट का विरोध करने पर युवक की जमकर पिटाई

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके में शनिवार को लूट का विरोध करने पर जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। वारदात को आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने अंजाम दिया है। पीड़ित की पहचान 21 वर्षीय सौरभ के रूप में हुई है। पुलिस को मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत मिली है। जानकारी के अनुसार, सौरभ सीलमपुर इलाके में परिवार के साथ रहता है। विक्रांत ने बताया कि उसका भाई सौरभ रैपिडो से जुड़कर बाइक चलाता है। शनिवार रात वह खाना खाने के बाद टहलने निकला था। करीब 10.30 बजे अचानक आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने उसे रोक लिया और जेब से 900 रुपये निकाल लिए। इसके बाद बदमाश बाइक की चाबी और मोबाइल फोन मांगने लगे। पीड़ित ने जब विरोध किया तो आरोपियों ने मिलकर जमकर पिटाई की। इस दौरान स्थानीय लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित का एम्स ट्रॉमा सेंटर में उपचार किया जा रहा है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

आधा दर्जन बदमाशों ने लूट के विरोध पर जमकर पीटा

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके में शनिवार को युवक से लूट व विरोध करने पर जमकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। वारदात को अचानक आए आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया है। पीड़ित की पहचान 21 वर्षीय सौरभ के रूप में हुई है। उन्होंने मामले में तीन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित सौरभ सीलमपुर इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में माता-पिता, बड़ा भाई व अन्य हैं। सौरभ के बड़े भाई विक्रांत ने बताया कि उनका भाई सौरभ रैपिडो ऐप से जुड़कर बाइक चलाने का काम करता है। शनिवार रात वह खाना खाने के बाद टहलने निकले थे। करीब 10.30 बजे अचानक आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और पीड़ित को पकड़कर उनकी जेब से करीब 900 रुपये लूट लिए। इसके बाद आरोपी पीड़ित से उनके बाइक की चाभी व मोबाइल फोन भी मांगने लगे। पीड़ित ने देने से मना किया और उनका विरोध किया तो आरोपियों ने मिलकर पीड़ित को जमकर पीट दिया। बुरी तरह पिटाई के बाद स्थानीय लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद मामले की सूचना पीड़ित के बड़े भाई विक्रांत को मिली। उन्होंने तत्काल पुलिस को मामले की सूचना दी और पीड़ित को एलबीएस अस्पताल पहुंचाया। वहां से पीड़ित को जीटीबी और जीटीबी से एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां उनका उपचार किया गया। पुलिस पीड़ित के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए दो विशेष अदालतें बनाने का फैसला किया है। सरकार की तरफ से इसके गठन का प्रस्ताव उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भेज दिया है। इनके लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने पहले ही विशेष रूप से दो न्यायाधीशों को नामित किया। सरकार के अधिकारियों के मुताबिक, फाइल पहले एलजी को सीधे कानून मंत्री की ओर से भेज दी गई थी, जिसे उपराज्यपाल ने यह कहकर लौटा दिया कि यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की ओर से आना चाहिए। बीते सप्ताह हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने यह फाइल दोबारा एलजी को मंजूरी के लिए भेजी है। बताते चलें कि दिव्यांगों के लिए विशेष अदालत के गठन का प्रावधान दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 84 के तहत किया जा रहा है।

गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नेब सराय इलाके से 19 अक्तूबर को एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभिषेक के पास से पुलिस ने 7.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि इंस्पेक्टर लोकेंद्र, एएसआई प्रकाश और हेडकांस्टेबल धर्मेंद्र की टीम को आरोपी के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने खानपुर, नेब सराय में ट्रैप लगाकर आरोपी अभिषेक को दबोच लिया।

पांच मोबाइल फोन के साथ बदमाश धरा

नई दिल्ली। रघुबीर नगर पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने कुख्यात झपटमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी चिंकू चोरी के मोबाइल बेचने के लिए जा रहा था। उसके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। चिंकू पर झपटमारी, डकैती, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस और चोरी के 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। आरोपी को एसएचओ संदीप पुनिया की टीम ने रघुबीर नगर से गिरफ्तार कर लिया।

लाखों की ज्वैलरी के साथ सेंधमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी-बर्गलरी सेल ने बड़ी मात्रा में चोरी की ज्वैलरी के साथ एक सेंधमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी तोहिद के पास से लाखों की ज्वैलरी, दो मोबाइल फोन और बाइक बरामद हुई है। इसपर 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 16 अक्तूबर को सीमा देवी ने चोरी की शिकायत दी थी। इसके बाद आरोपी को नजफगढ़ साईं बाबा मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

जुआ रैकेट चला रहे पांच आरोपी पकड़े

नई दिल्ली। वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने 16 अक्तूबर को महिपालपुर स्थित यूरो स्टार होटल में अवैध रूप से जुआ रैकेट चला रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों नजीर आलम, मोहम्मद अजीम आलम, मोहम्मद इमरान, इफ्तखार हुसैन और रिजवान अहमद के पास से 42 हजार रुपये और ताश के दो पैकेट बरामद हुए हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे कि इनके अन्य साथियों के बारे में जानकारी मिल सके।

दिल्ली हिंसा के आरोपी को जमानत मिली

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा अदालत ने दिल्ली हिंसा की साजिश के एक आरोपी को आठ दिनों की अंतरिम जमानत दी है। आरोपी शादाब अहमद ने दो नवंबर को उत्तर प्रदेश के बिजनौर में अपनी छोटी बहन की शादी को लेकर 20 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने कहा कि अदालत यह उचित समझती है कि आवेदक को वांछित राहत दी जाए। इसलिए आवेदन को स्वीकार किया जा रहा है। अदालत ने आरोपी शादाब अहमद को 29 अक्तूबर से पांच नवंबर तक 20 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती के आधार पर अंतरिम जमानत दी है।

जामिया शोधार्थी को निबंध प्रतियोगिता में दूसरा स्थान

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी शाहिद जमाल ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वार्षिक सर सैयद दिवस समारोह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता में अंग्रेजी, उर्दू और हिंदी में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं, जिसका विषय, समुदायों को जोड़नाः भारत में धार्मिक सद्भाव की वृद्धि के लिए सर सैयद के प्रयास था।

निगम ने ड्रोन से मच्छर रोधी दवा का छिड़काव किया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर सोमवार को ड्रोन के जरिए मच्छर रोधी दवा का छिड़काव किया। नरेला जोन के वार्ड संख्या 33 रानी खेड़ा वार्ड में मच्छर रोधी दवा का छिड़काव किया गया। इस दौरान महापौर डॉ. शैली ओबरॉय शामिल रहीं। महापौर ने कहा कि दिल्ली में पहली बार ड्रोन के माध्यम से मच्छर रोधी दवा का छिड़काव किया जा रहा है। इस वर्ष दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण कई जगह जलजमाव की स्थिति का सामना करना पड़ा। बारिश के पानी की निकासी न होने की वजह से मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। पांच दिनों तक होगा दवा का छिड़काव अधिकारियों ने बताया कि रानी खेड़ा वार्ड में सोमवार को ड्रोन के जरिए लगभग 15 हेक्टेयर में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। ड्रोन के जरिए चार से पांच दिनों तक इसी इलाके में दवा का छिड़काव करेंगे। डेंगू के मामलों की साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करें : कई आरडब्ल्यूए ने निगम से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के मामलों की साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करने की मांग की है। दिल्ली की एक आरडब्ल्यूए के सदस्य नितिन ने कहा कि बीते वर्ष अगस्त से निगम ने मच्छर जनित बीमारियों के मामलों की साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं की है। कई आरडब्ल्यूए निगम को हर सप्ताह अपनी वेबसाइट में इस रिपोर्ट को जारी करने की लगातार मांग कर रहे हैं।

सदर बाजार में आठ घंटे लोडिंग-अनलोडिंग पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली के सबसे व्यस्त सदर बाजार में भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा के चलते अब मालवाहक वाहनों में लोडिंग- अनलोडिंग का समय तय कर दिया गया है। सदर बाजार के कुतुब रोड समेत कई अन्य रोड पर दोपहर 12 से रात आठ बजे तक न तो सामान की लोडिंग होगी और न ही अनलोडिंग करा सकेंगे। इसके लिए पुलिस ने सोमवार को सभी दुकानदारों को जानकारी दे दी है। पुलिस के मुताबिक, कुतुब रोड और एमसीडी पार्किंग, नाला रोड पर भीड़ ज्यादा रहती है। कुतुब रोड पर ही मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण का काम भी चल रहा है। इसकी वजह से सबसे ज्यादा जाम भी इन्हीं मार्गों पर लगता है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इससे पहले बीते शुक्रवार को डीसीपी नॉर्थ राजा बंठिया और विशेष आयुक्त रविंद्र यादव ने सदर बाजार के व्यापारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा के लिए प्लान तैयार किया है। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने बताया कि सदर बाजार के कई मार्गों पर वन-वे ट्रैफिक किया गया है। सिर्फ बुजुर्ग दुकानदारों को दुकान तक पहुंचाने के लिए रिक्शा जा सकेगा।

आर.जे. रेखा के दूसरे काव्य संग्रह कोशिश करके देख का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राजू बोहरा @ नई दिल्ली नई दिल्ली,19 अक्टूबर 2024 , सुप्रसिद्ध रेडियो जॉकी, वॉइस ओवर आर्टिस्ट और टीवी एंकर आर.जे.रेखा के दूसरे काव्य संग्रह कोशिश करके देख का लोकार्पण दि रॉयल बैंक्वेट, द्वारका सैक्टर-21, दिल्ली में भव्यता से संपन्न हुआ। विभिन्न विषयों पर केंद्रित 80 महत्वपूर्ण कविताओं से सजे दूसरे संकलन के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य कवि और लेखक, हिंदी अकादमी दिल्ली के उपाध्यक्ष पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर बाजपेई, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद्-कवि एवं उद्भव संस्था के चेयरमैन डॉ. विवेक गौतम, पत्रकार एवं कवयित्री ममता किरण, कवि चंद्रमणि ब्रह्मदत्त, पूर्व मेंबर आयुष मंत्रालय दिनेश उपाध्याय, पद्मभूषण कवि स्वर्गीय गोपाल दास नीरज के सुपुत्र मृगांक प्रभाकर सहित कई प्रतिष्ठित हस्तिया लोकार्पण के मौके मंच पर उपस्थित थे। वॉयस आर्टिस्ट मनीष त्रिपाठी और रेडियो उद्घोषक-टीवी एंकर रविन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया किया। इस अवसर पर आर.जे.रेखा के स्कूल टीचर्स, माता-पिता एवं परिवार के सदस्य, रंगोली श्रीवास्तव, अवधेश आर्या सहित आकाशवाणी रेडियो के कई जाने माने अतिथियों, दूरदर्शन के लिए अनेक धारावाहिको का निर्माण कर चुके निमार्ता-निर्देशक आनंद गहलोत, फिल्म और टेलीविजन अभिनेता कुलदीप शर्मा जी भी शामिल रहे इस आयोजन में। और साथ ही देश के अलग अलग कोनों से आकर आर.जे.रेखा के कई फैंस ने भी शिरकत की।

एफ.एम.गोल्ड और बीबीसी से जुड़ी आर.जे. रेखा ने अपनी आवाज और उपस्थिति दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों और उत्पादों के प्रचार-प्रसार में दी है। उनका प्रथम काव्य संग्रह मुझसे कहते तो भी काफी चर्चित रहा है। आर.जे. रेखा ने अपने दूसरे काव्य संग्रह कोशिश करके देखह्व के लोकार्पण के मौके पर अभी उपस्थित अतिथियो का आभार व्यक्त किया और कहा की मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण भरोसा है की मेरे दूसरे काव्य संग्रह को भी पहले काव्य संग्रह की तरह पाठको का भरपूर प्यार और सम्मान मिलेगा।

डीडीए की जमीन पर किया कब्जा, तीन भू-माफिया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस डीआईयू यूनिट ने फर्जी दस्तावेज बनाकर डीडीए की जमीन पर कब्जा करने वाले तीन भू माफियाओं को गिरफ्तार किया। आरोपी मदन मोहन शर्मा, दीपक और अनिल कुमार के पास से फर्जी ई-स्टांप प्रमाण पत्र की प्रति, डीडीए फार्म सहित अधिकारियों के स्टांप बरामद किए हैं। वे खुद को डीडीए अधिकारी बताकर फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इनमें एक शातिर सराय रोहिल्ला थाने से भगौड़ा घोषित है और 38 मामलों में संलिप्त रह चुका है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 15 जुलाई को सरोजिनी नगर के सब रजिस्ट्रार ने सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि सरकारी जमीन की फर्जी डीड संजय माथुर नाम के व्यक्ति के पक्ष में बनाई गई है। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि अनिल कुमार, दीपक, मदन मोहन और प्रदीप ने उनसे मुलाकात की थी। आरोपियों ने खुद को डीडीए का अधिकारी बताया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को झांसे में लिया कि वह उसे डीडीए का प्लॉट कम दामों पर दिला देंगे। इसके बाद वह प्लॉट उसको 85 लाख रुपये में बेच दिया और डीड सौंप दी। जब वह प्लॉट के पंजीकरण के लिए उप-पंजीयक कार्यालय गया तो फजीर्वाड़े का पता चला। इसकी जानकारी उसने सब रजिस्ट्रार कार्यालय को दी। पुलिस पूछताछ में अनिल ने बताया कि वह खाली पड़ी डीडीए जमीन की रेकी करते थे। फिर उस जमीन के जाली दस्तावेज बनवाते थे। इसके बाद जालसाज खुद को डीडीए का अधिकारी बताकर खरीदारों से मिलते थे। खरीदार को झांसे में लेने के बाद जालसाज उन्हें फर्जी दस्तावेज सौंपकर लाखों रुपये हड़पकर फरार हो जाते थे। इस मामले में प्रदीप नाम का आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

जमुई काउंसेलर ने झाझा में समाज कल्याण विभाग की सेवाओं की जानकारी साझा की

जमुई [झाझा] उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं प्लस टू उच्च विद्यालय सुंदरीटांड़ में चाइल्ड हेल्प लाइन जमुई की काउंसलर पूजा भारती ने बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सेवाओं की आवश्यक जानकारियां स्कूली बच्चों के बीच साझा किया। उन्हें यथासंभव 60 मिनट के भीतर सहायता मिलेगी। कोई भी व्यक्ति कॉल कर सकते हैं। मुसीबत में फंसे, बाल अत्याचार या अन्य किसी भी तरह से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से जिले में चाइल्ड लाइन सेवा शुरू की गई है।उन्होंने स्कूली बच्चो को बताया कि घर से भागे हुए बच्चे, वैसे बच्चे जिन्हें आश्रय की जरूरत है, ईलाज की जरूरत है, ऐसे सभी बच्चे जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत है, कोई बच्चा किसी मुसीबत में हो तो सहायता के लिए बिना किसी डर के 1098 कॉल करें। 1098 पर कॉल के बाद चाइल्ड लाईन की टीम बच्चे तक पहुंचती है।

डीएम ने शक्तिपीठ चंडिका स्थान में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने सोमवार को शक्ति पीठ चंडिका स्थान में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किये। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए फरवरी 2025 तक संवेदक को समूचे निर्माण कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निरीक्षण के क्रम में निमार्णाधीन पूरे कार्य की गुणवत्ता को भी देखा गया जो संतोषजनक पाया गया। मंदिर के मंडप और गेट का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, जिसे छठ तक पूर्ण करते हुए शुभारंभ करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के पीछे तीन मंजिला डोरमेट्री का भी निर्माण कार्य किया जाना है, इसके लिए पुराने जर्जर भवन को तोड़ कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मंदिर परिसर में प्रवेश के लिए इस ओर से भी छह फीट के द्वार का निर्माण किया जा रहा है, ताकि भक्त एवं श्रद्धालुओं को प्रवेश मिल सके। जिलाधिकारी द्वारा संवेदक को फरवरी 2025 तक इसके निर्माण कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि शक्तिपीठ चंडिका स्थान अब एक नए एवं आकर्षक रूप में श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा। मंदिर निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जो फरवरी 2025 तक अपने नए रूप में श्रद्धालुओं को समर्पित होगा। मंदिर में जहां वाहन पड़ाव की समुचित व्यवस्था होगी वहीं श्रद्धालुओं के लिए कई प्रकार की नई सुविधाएं भी होंगी। प्रवेश एवं निकास द्वार के साथ ही मंडप को भी काफी आकर्षक बनाया जा रहा है। आगामी चार माह में निर्माण कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है।

प्रमंडल के सभी जिलों के अस्पतालों में हमेशा दवा की उपलब्धता पर रखें ध्यान : आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । आयुक्त मुंगेर प्रमंडल मुंगेर संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई है। बैठक में विशेष कार्य पदाधिकारी कुमार देवव्रत मिश्र, क्षेत्रीय अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, क्षेत्रीय अनुसंधान एवं मूल्यांकन पदाधिकारी, सभी सिविल सर्जन एवं डीपीएम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के क्रम में मुंगेर प्रमंडल से संबंधित स्वास्थ्य विभाग की अधिकतम जानकारी दी गई। आयुक्त ने सभी सिविल सर्जन को अपना टीम बनाकर नेशनल सर्टिफिकेट सुविधा का निरीक्षण करते हुए गैप को निष्पादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी जिला अस्पतालों में फामेर्सी सेवाएं अनिवार्य रूप से खुली रहे, ताकि मरीजों को हमेशा दवा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। जननी बाल सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पीएमएसएमए एवं अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। साथ ही साथ संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिला अस्पताल से लेकर हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर तक सभी सुविधाओं को सक्षम पोर्टल पर शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन कराने का आयुक्त ने निर्देश दिया।

जमीन विवाद को लेकर मारपीट में चार घायल

जमुई [झाझा] थाना क्षेत्र के रहमानडीह गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में एक पक्ष से चार लोग घायल हो गए। जिसमें दो लोगों को गंभीर चोट लगी है। चारों घायल एक ही परिवार के सदस्य है।घायल की पहचान नजीर अंसारी, कलीम अंसारी, लाडो खातुन, अलीम अंसारी के रूप में हुई है। परिजनों द्वारा सभी घायलों को इलाज के लिए झाझा रेफर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सभी घायलों का इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया।घायल के परिजन मोहम्मद अलीम अंसारी ने बताया कि मारपीट की घटना के सूचना के बाद मौके पर पहुंचे। जहां देखे कि मेरे भाई भतीजी और दो अन्य को लाठी डंडे से पीट कर जख्मी कर दिया। मेरा भाई बेहोश पड़ा था। मेरे भाई पर लगभग 20 लोगों द्वारा लाठी डंडे से हमला किया गया। इस घटना में मेरे भाई, भतीजी सहित परिवार के दो लोग घायल हुए है।पीड़ित परिवार से बताया कि इस घटना की सूचना झाझा पुलिस को दिया गया है। पुलिस ने पहले इलाज कराने की बात कही। इलाज के बाद मामले को लेकर लिखित आवेदन देकर पूरी घटना की जानकारी देंगे। झाझा पुलिस ने इस मामले में बताया कि अभी आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लेट्स इंस्पायर बिहार के जिला मुख्य समन्वयक बने डॉ. विभूति भूषण

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:जिले के खैरा प्रखंड के निजुआरा निवासी डा.विभूति भूषण को लेट्स इंस्पायर बिहार के मुख्य कर्ताधर्ता आईपीएस विकास वैभव के निदेर्शानुसार जिला मुख्य समन्वयक (डिस्ट्रिक्ट चीफ कॉर्डिनेटर) की जवाबदेही सौंपी गई है। जानकारी देते हुए जिला समन्वयक विकास कुमार ने बताया कि इस अभियान के सिद्धांतों को द्रुत गति से लोगों के बीच प्रसारित करने को लेकर झाझा नगर क्षेत्र के सोहजाना में कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। इस दौरान कार्यालय में जिला कोर कमेटी की बैठक की गई। 13 अप्रैल 2025 को एलआईबी और रत्नम के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तर पर वृहद युवा संवाद कार्यक्रम करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। आईपीएस विकास वैभव के इस अभियान से जुड़ी परिकल्पना शिक्षा ,समता और उद्यमिता को युवाओं के समर्थन से ही मूर्त रूप दिया जा सकता है। इस अभियान में जिला के अधिक से अधिक युवाओं के अलावा अलग-अलग क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले लोगों को अभियान का हिस्सा बनाने को लेकर चर्चा किया गया। साथ ही साधन संपन्न कोचिंग संचालकों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने और शिक्षा का अधिकार अधिनियम का समुचित तरीके से पालन कराने को लेकर विचार विमर्श किया गया। दीपावली त्यौहार को लेकर महादलित टोलों के बच्चों के बीच मिठाई,मोमबत्ती, दिया आदि सामग्री का वितरण करने को लेकर सहमति जताई गई। उद्यमिता सृजन में सहयोग करके युवाओं को जोड़ने को लेकर चर्चा किया गया। इस मौके पर जिला समन्वयक विवेक कुमार सिंह, अभिषेक कुमार झा, जलज राय, लव किशोर मिश्रा, विकास रंजन, रुकमणी कुमारी, कुमार हर्ष, अनुज सूर्या, पीयूष राज आदि मौजूद थे।

दुर्गापूजा व लक्ष्मीपुजा समाप्ति के बाद पुरा मेला परिसर में पड़ा है कचरा,नही हुई सफाई

विसर्जन के बाद कूड़े की सफाई चुनौती,दुर्गामंदिर व पंचमंदिर के आसपास पसरी है गंदगी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर।दशहरा व लक्ष्मीपुजा मेला व प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने के उपरांत पतसंडा पंचायत में नियुक्त सफाई कर्मी के लिए सफाई करना चुनौती बन गया है।सोमवार को दुगार्मंदिर,पंचमंदिर व उलाय नदी के आस पास व बाजार के प्रमुरव चौक चौराहा पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है।गिद्धौर बजार में गंदगी से लोग पहले से ही परेशान है। दूसरी तरफ दुगार्पूजा व लक्ष्मीपुजा को लेकर मेला परिसर,पंचमंदिर,दुगार्मंदिर बाजार में बढ़े कचरे की सफाई न होने से पॉलीथिन,पत्तल के दोने,थमोकोल के प्लेट व पेपर के टुकड़ो का ढेर लगा है।बाजार के मिंटो टावर,सब्जी मार्केट,बंदरछाप रड़,पंचमंदिर परिसर के आस पास व दुगार्मंदिर के सामने उलाय नदी का पानी दूषित हो रहा है।इससे आसपास के घरों में लगे चापाकल और मोटर के पानी से दुर्गंध आने लगी है। दरअसल,प्रतिमा विसर्जन से लेकर आसपास के कचरे भी अब लोग नदी व तलाब में डालने लगे है।वही स्थानीये जनप्रतिनिधियों द्वारा भी साफ-सफाई को लेकर पूरी तरह लाहपरवाह है।स्थानीये निवासी प्रभाकर रावत बताते है कि पहले शाम में दुगार्मंदिर,पंचमंदिर व उलाय नदी किनारे बड़ी संख्या में लोग बैठते थे। साथ ही सुबह स्नान कर मंदिर में पूजा करते थे। अब पानी इतना दूषित हो गया है कि यहां खड़ा होना भी मुश्किल है।

पवन बने विकासशील इंसान पार्टी के जिलाध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई: सदर प्रखंड क्षेत्र के हरला निवासी पवन बिंद को विकासशील इंसान पार्टी का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी ने बताया कि उन्हें यह जिम्मेदारी पार्टी के संरक्षक सह पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के निर्देश पर दी गई है। वह विगत 10 वर्षों से अधिक समय से लोगों के बीच सामाजिक रूप से काफी सजग हैं।

संगठन के प्रति उनके लगाव, जुझारूपन और कर्मठता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौपा गया है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि नवमनोनीत जिलाध्यक्ष संगठन के नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़कर उसे मजबूत बनाने का काम करेंगे। जिलाध्यक्ष पवन बिंद ने कहा कि हर हाल में संगठन को लोगों तक पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाया जाएगा। बधाई देने वालों में सतीश बिंद,श्रवण बिंद, नवल बिंद, डमरू केवट, गीता बिंद, अरुण चौहान, सुरेंद्र चौहान, मृत्युंजय बिंद, मुनीलाल बिंद समेत दर्जनों लोग शामिल हैं।

अभियान बसेरा 2 के लिए भूमि की भौतिक सत्यापन की गई

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। अभियान बसेरा दो के तहत भूमिहीन परिवारों को अपने घर के निर्माण के लिए सरकार के द्वारा भूमि उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना के तहत अधिकतम पांच डिसमल जमीन लाभुकों को उपलब्ध कराई जाता है। इसी योजना के तहत सोमवार को विभिन्न पंचायत के 35 लाभुकों को उपलब्ध कराने वाली भूमि का भौतिक सत्यापन अंचल अधिकारी निशीथ नंदन एवं उनकी टीम के द्वारा किया गया। इसके तहत दुगार्पुर पंचायत के 23 एवं बड़ौनियाँ पंचायत के 12 लाभुकों को उपलब्ध की जाने वाली जमीन का भौतिक सत्यापन किया गया। दुगार्पुर पंचायत की दुगार्पुर, ललिया, रांगा पाताल, मौजमा एवं बड़ौनियाँ पंचायत के सरौना के लाभुकों की भूमि को चिन्हित की गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए अंचल अधिकारी निशीथ नंदन ने बताया कि पूरे अंचल क्षेत्र में सभी पंचायत में संबंधित कर्मचारियों के द्वारा सर्वे कराकर कल 217 अभियान बसेरा के लाभुकों को चिन्हित किया गया है। इनमें से पूर्व में 35 लोगों के भूमि का सत्यापन कर लिया गया था। आज दुगार्पुर एवं बढ़िया पंचायत के कुल 35 लाभुकों की भूमि का भी भौतिक सत्यापन किया गया। सभी 217 चिन्हित लाभुकों के भूमि सत्यापन के उपरांत बाकी प्रक्रिया पूरी कर सभी परिवारों को पर्चा उपलब्ध करा दिया जाएगा।

त्योहार- सुहागिनों ने पति की दीर्घायु और सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए की पूजा-अर्चना

- सुहागिनों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया करवा चौथ

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:- रविवार को प्रखंड के शहरी और ग्रामीण इलाकों में करवा चौथ का त्योहार काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुहागिन महिलाओं द्वारा सोलहों श्रृंगार कर अपने पति के दीर्घायु और सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए यह निर्जला व्रत रखा। व्रतधारी महिलाओं ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष चतुर्थी के दिन अहले सुबह से ही निर्जला उपवास रखते हुए संध्या समय दुल्हन की तरह सुजज्जित होकर पूजा-अर्चना की तथा अपने पति की लंबी उम्र एवं सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए भगवान शंकर,माता पार्वती,श्री गणेश एवं करवा माता से मंगल कामनाएं की। व्रतधारी सुहागिन महिलाओं ने पूरे भक्ति भाव के साथ भगवान श्री गणेश,शंकर भोलेनाथ और माता पार्वती के साथ-साथ करवा माता चांद की पूजा-अर्चना की। इसके बाद चांद अर्ध देकर अपने पति की आरती कर तिलक लगाया। तत्पश्चात पतियों द्वारा अपनी-अपनी पत्नियों को शरबत एवं जूस इत्यादि पिलाकर उपवास तुड़वाया गया। इसके बाद व्रतियों ने फल,मेवा और मिष्ठान ग्रहण कर पारण किया। इस त्यौहार को लेकर प्रत्येक घरों में काफी उत्साह रहा। बाजार में भी इस त्यौहार की खरीदारी के लिए रविवार की शाम काफी भीड़ देखी गई। चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व करवा चौथ का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारतीय समाज में पति-पत्नी के रिश्ते को और भी मजबूत करता है। यह व्रत के माध्यम से महिलाएं अपने पति के प्रति अपनी निष्ठा,प्रेम और समर्पण को प्रदर्शित करती है।यह प्रेम और समर्पण किसी भी दांपत्य जीवन के लिए आवश्यक आधारभूत तत्व है। करवा चौथ के व्रत के माध्यम से महिलाएं अपने पति के करवा चौथ भारतीय धार्मिक और संस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। इस व्रत में महिलाएं श्री गणेश जी की पूजा करती है,जो मंगल और सिद्धि के देवता माने जाते हैं। गणेश जी की पूजा करने की से उनके पति के जीवन में सभी बाधाओं का नाश होता है और समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व है,क्योंकि चंद्रमा को शीतलता,शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। चंद्रमा को अर्ध्य देने से पति-पत्नी के जीवन में चंद्रमा जैसी शीतलता और संतुलन की प्राप्ति होती है।

नगर पंचायत संग्रामपुर के विभिन्न छठ घाटों का कार्यपालक पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी प्रखंड सहित नगर पंचायत में जोर-जोर से की जा रही है। जिसको लेकर अलग-अलग सामाजिक संगठनों के साथ-साथ प्रशासनिक पदाधिकारी के द्वारा छठ घाट की साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। जिसको लेकर सोमवार को नगर पंचायत के मुख्य पार्षद नीलम देवी, उपमुख्य पार्षद मनोज शाह, कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज सहित नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों ने नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाट का निरीक्षण किया और घाटों की साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा बेलहरणी नदी के विभिन्न छठ घाटों पर पसरी गंदगी एवं गड्ढे युक्त घाटों पर मिट्टी भराई के साथ-साथ छठ व्रतियों को घाट तक जाने के लिए रास्ते के साफ सफाई का निर्देश सफाई एजेंसी के संवेदक को दिया गया। इसके अलावा प्रत्येक छठ घाट पर जगह-जगह व्रतियों के कपड़ा बदलने के लिए सीलिंग एवं पर्दा से घेराबंदी करने की बात भी कही गई। कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज ने कहा सोमवार से छठ घाट के साफ सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है साथ ही उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से छठ घाटों पर ज्वलनशील सामग्री जैसे पटाखा, फुलझड़ी, रॉकेट आदि जलने पर रोक लगाई जानी चाहिए। जिससे कि किसी भी प्रकार की अनहोनी ना हो सके उन्होंने कहा कि नगर पंचायत अंतर्गत जितने भी छठ घाट है वहां लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। ताकि छठ घाट पर आने वाले व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को छठ घाट तक आने वाले रास्ते एवं घाट तक किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। निरीक्षण के क्रम में विभिन्न छठ घाटों पर मौजूद नगर पंचायत वासियों ने छठ घाटों पर होने वाले समस्याओं से कार्यपालक पदाधिकारी को अवगत कराया गया जिस पर उन्होंने कहा कि छठ पर्व तक छठ घाट के साफ सफाई के साथ-साथ सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुदृढ़ कर दी जाएगी। मौके पर वार्ड पार्षद राजेश केसरी, कुमारी दीपिका, मुकेश कुमार, वंदना कुमारी, सहित अन्य मौजूद थे।

युवा लोजपा आर संगठन का किया विस्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर जिला के शंकरपुर सदर प्रखंड मुंगेर युवा लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता युवा लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने किया एवं बैठक का संचालन नव मनोनीत जिला उपाध्यक्ष प्रभात कुमार ने किया बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुंगेर लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान उपस्थित थे कार्यक्रम की शुरूआत लोक जन शक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर शुरूआत किया गया मुंगेर जिला युवा लोक जनशक्ति पार्टी का संगठन विस्तार करते हुए युवा जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रखंड कमेटी का विस्तार किया एवं सभी पदों पर नव मनोनीत पदाधिकारी गण को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया मौके पर उपस्थित अतिथि प्रमोद पासवान ने कहा की मुंगेर जिला में युवा लोजपा रामविलास के संगठन मजबूत होने से पार्टी में एक मजबूती मिली है और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा हृदय सम्राट केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी के हाथों को मजबूती मिलेगी और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का विजन जन-जन तक पहुंचेगी और आने वाले दिनों में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी बिहार में मजबूती के साथ उपस्थिति दर्ज कराएगी युवा जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने कहा कि जिस तरह से पूरे बिहार में चिराग पासवान के प्रति युवाओं की दीवानगी है वह दिन दूर नहीं की आगामी बिहार के मुख्यमंत्री के रूप जनता विशेष कर युवा चिराग पासवान जी को मुख्य मंत्री के रूप में सिरमौर देंगे संगठन का विस्तार करते हुए मुंगेर के नगर अध्यक्ष चंदन कुमार पासवान खड़कपुर प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष गणेश पासवान जमालपुर प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष शम्मी कुमार जमालपुर के नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार धरहारा के प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार टेटिया बम्बर के प्रखंड अध्यक्ष कुमार गौरव तारापुर के प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक कुमार असरगंज के प्रखंड अध्यक्ष मिथुन पासवान बरियारपुर के प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार रामपुर के प्रखंड अध्यक्ष समरजीत प्रसाद सिंह युवा जिला प्रधान महासचिव गौरव शर्मा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर कुमार जिला उपाध्यक्ष आयुष कुमार जिला सचिव संजीव कुमार महासचिव आनंद राज जिला सचिव करण कुमार जिला मीडिया प्रभारी शुभम कुमार को मनोनीत किया गया मौके पर जिला महासचिव राजेश शाह सहित दर्जनों युवा लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कारखाना के अस्तित्व की लड़ाई के लिए संघर्ष मोर्चा ने लिया महा रेल चक्का जाम का निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। रेल नगरी जमालपुर में स्थित रेल कारखाना डीजल शेड एवं अन्य रेलवे इकाइयों के विकास के लिए प्रतिबद्ध जमालपुर रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा की एक अति आवश्यक बैठक जन सुराज के वरिष्ठ नेता दिनेश सिंह की अध्यक्षता में जुबली वेल स्थित कन्हैया सिंह के आवास पर आयोजित की गई जिसमें विभिन्न राजनीतिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए और एक निर्णायक लड़ाई की रूपरेखा तय की,जिसका संचालन मोर्चा के संयोजक सह सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव कर रहे थे। बैठक को संबोधित करते हुए दिनेश सिंह ने कहा की जमालपुर में स्थापित रेलवे इकाइयों के लिए संघर्षरत संघर्ष मोर्चा कारखाना डीजल शेड के विकास के लिए संघर्ष कर रही है लेकिन सरकार की अपेक्षा के कारण इस क्षेत्र का विकास ठहर गया है मोर्चा को ऐसी ओछी मानसिकता वाले सरकार को ठोस जबाब देने की जरूरत है। वही संचालन करते हुए मोर्चा के संयोजक सह सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि मोर्चा के संघर्ष से घबराएं सरकार विकास के नाम पर जमालपुर कारखाना को झुनझुना पकड़ा कर अपनी पीठ थपथपा रही है मोर्चा रेल नगरी के भविष्य से खिलबाड़ करने वाले ऐसे मौकापरस्त को माकुल जवाब देगी बैठक में मौजूद मोर्चा के सह संयोजक जदयू तकनीकी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा की इसमें कोई दो मत नहीं की जमालपुर कारखाना इस प्रक्षेत्र के आर्थिक स्त्रोत की रीढ है और संघर्ष मोर्चा किसी भी कीमत पर इसके भविष्य से खिलवाड़ करने वाले को नहीं वख्शेगी।वहीं बैठक में मौजूद बसपा के जिला प्रभारी एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता कामरेड दिलीप कुमार ने कहा कि संघर्ष मोर्चा एक ऐसा संगठन है जो पूरी संवेदना और मुस्तैदी से कारखाना के अंदर और बाहर की समस्या को लेकर संघर्ष कर रही है जिससे भयभीत रेलवे अधिकारी कुछ दलाल पैदा कर मोर्चा की लड़ाई को कमजोर करने का षड्यंत्र करती है जिसका ठोस जवाब देने के लिए मोर्चा तैयार है।बैठक में सर्वसम्मति से दिसंबर के दूसरे सप्ताह में महा रेल चक्का जाम का निर्णय लिया गया एवं इसकी तैयारी के लिए 17 नवंबर से मोर्चा ने सड़क पर उतरने का फैसला लिया वहीं दीपावली व छठ महाव्रत को देखते हुए मोर्चा ने रेलवे प्रशासन से अभिलंब छोटी पुल को खोलने की मांग की। बैठक में सपा नेता मिथलेश यादव पूर्व वार्ड आयुक्त अमर शक्ति डॉ सुधीर गुप्ता डॉ कृष्णानंद मनीष बेसरा दिनेश साहू अशोक शर्मा।

तीन दिवसीय पोषण पखवाड़ा किशोर किशोरियों के बीच चलाए गया जिसका हुआ समापन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] ममता हेल्थ इंस्टीटयूट फॉर मदर एंड चाइल्ड जमुई द्वारा चलाए जा रहे तीन दिवसीय पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम सोमवार को प्रखंड क्षेत्र स्थित सर्किल नंबर एक के बैजला उच्चतर विद्यालय में समाप्त हुआ। संस्था के समन्वयक अमन कुमा ने बताया कि 19 अक्टूबर से खैरा प्रखंड से यह कार्यक्रम प्रारंभ किया जिसमें नीमनवादा और विशनपुर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। उन्होनें बताया कि अलग अलग विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर किशोर एवं किशोरियों ने भाग लिया। प्रशिक्षक राम कुमार ने किशोर किशोरियों का उत्साहवर्धन करते हुए पोषण के संबंध में विशेष रूप से जानकारी दिया। प्रशिक्षक ने किशोर किशोरियों को खाद्य पदार्थो का समूह, खाद्य पदार्थ का सेवन कैसे किया जाना चाहिए इनसभी बिंदुओ पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होनें बताया कि पौष्टिक आहार का लेना जीवन में अत्यावश्यक है। इसके अलावे खेलकूद पर भी ध्यान देने पर विशेष जोर दिया। किशोर- किशोरियों के बीच रंगोली एवं खेलकूद कार्यक्रम भी आयोजित करवाया गया और बच्चों के बीच ममता संस्था के द्वारा उपहार दिया गया। पोषण पखवाड़ा को सफल बनाने में जिला समन्वयक अमन कुमार, वरूण कुमार, मैराज खान, पूजा कुमारी, राजेश, सुखेदव, नीतीश आदि थे।

प्रदूषण की सफेद झाग

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण इस पराकाष्ठा तक पहुंच गया है कि यमुना नदी में पानी के स्थान पर ह्यसफेद झागह्ल उभर आई है। यह प्रदूषित और जहरीली झाग है। यमुना नदी इतिहास के पन्नों में खो गई है। वह अब या तो गंदा नाला है अथवा सफेद झाग का कोई गहरा। यमुना किनारे औद्योगिक इकाइयों के कचरे का अपशिष्ट नदी में गिर रहा है। आखिर इन इकाइयों को वहां से हटाया क्यों नहीं गया? प्रदूषण के कणों से मिलकर कचरा सफेद झाग में तबदील हो रहा है। कई बार ऐसा एहसास होता है मानो यमुना नदी की सतह पर सफेद बादल बन गए हों, लेकिन यह झाग दिल्ली के खतरनाक और जानलेवा पर्यावरण का प्रतीक है। यमुना भी एक राजनीतिक जुमला बन कर रह गई है। बीते 8 सालों के दौरान यमुना की सफाई पर करीब 6856 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि केंद्र सरकार ने बजट के तौर पर दिल्ली सरकार को दी है। अर्द्धराज्य सरकार ने 1000 करोड़ रुपए से अधिक का उपकर ह्यप्रदूषण सेसह्ल भी दिल्लीवालों पर थोपा है। यह पूरी राशि कहां खर्च की गई, यमुना अब भी प्रदूषित और जहरीली क्यों है, तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सरेआम कहा था कि यमुना में डुबकी मारने की स्थिति न हो जाए, तो दिल्ली आम आदमी पार्टी को वोट मत देना, करदाता का पैसा कहां फूंक दिया गया, इन तमाम सवालों के जवाब केजरीवाल एंड कंपनी को देने ही होंगे। दिल्ली के गैस चैंबर में अदालतें भी मौजूद हैं। न्यायाधीश भी बसे रहने को अभिशप्त हैं। क्या वे आप सरकार को तलब करके ये सवाल नहीं पूछेंगे? यह सफेद झाग जानलेवा भी साबित हो सकता है। छठ पर्व की पूजा और स्नान के दिन बहुत दूर नहीं हैं। धार्मिक आस्था के लोग अब भी सफेद झाग की यमुना में अपने बच्चों का स्नान करवा रहे हैं। ऐसी तस्वीरें मीडिया में छपी हैं। या तो उन्हें सफेद झाग के जहरीले प्रभावों की जानकारी नहीं है अथवा वे धार्मिक तौर पर विवश हैं, लिहाजा उस सफेद झाग के संपर्क में हैं! ईश्वर न करे कि वे बच्चे बीमार हों, लेकिन कोई अनहोनी हो गई, तो क्या उसका अपराध दिल्ली सरकार पर चस्पा किया जाएगा? दरअसल यह राजनीतिक जमात इतनी बेशर्म क्यों है कि यमुना की सफाई तक नहीं कराई जा सकी, जबकि सरकार को पर्याप्त बजट दिया गया था? करीब 10 साल तक केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने रहे और यमुना की निर्मलता और विरलता के जुमले उछालते रहे, अंततः यमुना में जहरीली झाग पैदा हो गई। क्या लोकतंत्र में जवाबदेही की कोई गुंजाइश नहीं होती? चूंकि राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब और गंभीर स्थिति में पहुंच चुका है। एक दर्जन से अधिक हॉट स्पॉट ऐसे हैं, जहां वायु का स्तर 300-400 या उससे अधिक हो गया है। देश की राजधानी की ह्यहवाह्ल इतनी विषाक्त हो चुकी है कि आश्चर्य होता है। सांस घुटने लगा है, खांसी लगातार हो रही है, निमोनिया के केस भी आ रहे हैं, हार्ट अटैक अचानक होने लगे हैं। दिमागी बीमारियां भी उभर सकती हैं। जन्म लेने वाले शिशुओं के वजन कम हो सकते हैं। कुछ दीर्घकालीन बीमारियां भी पैदा हो सकती हैं। क्या राजधानी में जिंदगी जीना इतना दूभर होता है? चिकित्सक आगाह कर रहे हैं कि सांस से जुड़ी बीमारियां और उनके मरीज 30-40 फीसदी बढ़ चुके हैं, लेकिन सरकार फिर भी चिंतित नहीं है। राजनीतिक जमात बीमार नहीं पड़ती! बेशक इस मुद्दे पर ह्यराजनीतिह्ल जरूर होनी चाहिए, क्योंकि नए जनादेश की तारीख भी बहुत दूर नहीं है।

रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
लेखक

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है।

इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखतः राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना। दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सैंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की। ऐसा होने पर ही सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा।

गठबंधन धर्म की लाज फिर खतरे में

करवा प्रधान महिलाओं के देश में गठबंधन की लम्बी उम्र के लिए कोई व्रत करने वाला नजर नहीं आ रहा है। केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के लिए एकजुट हुए तमाम राजनीतिक दल एक बार फिर अपनी-अपनी ढपली बजाते नजर आ रहे है। महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के साथ ही तमाम विधानसभाओं और लोकसभा के उपचुनावों को लेकर गठबंधन की गांठें शिथिल होती दिखाई दे रहीं हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन ने अपनी तमाम सीटों का न सिर्फ बँटवारा कर लिया है बल्कि उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है, जबकि आईएनडीआईए गठबंधन अभी बैठकों से ही फारिग नहीं हो पाया है। महाराष्ट्र में भी कमोवेश यही हालात हैं। सीटों के बंटवारे और प्रत्याशियों कोई घोषणा में हो रही देर इंडिया गठबंधन को भारी पड़ सकती है, ये जानते हुए भी हर क्षेत्रीय दल कांग्रेस से सौदेबाजी करने में लगा है। हकीकत ये है कि देश में आज ऐसा कोई क्षेत्रीय दल नहीं है जो कांग्रेस को साथ लिए बिना भाजपा को चुनौती दे सके। सौदेबाजी में कांग्रेस का कम लेकिन क्षेत्रीय दलों का ज्यादा नुक्सान होने वाला है। देश की राजनीति में अब भाजपा कोई किंवदंती नहीं बल्कि एक हकीकत है। भाजपा का एजेंडा भले ही आपको या मुझे रास न आये किन्तु ये सच है कि उसने बीते एक दशक में सत्ता में टिके रहना सीख लिया है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन अब भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है और सत्ता के दरबार में भाजपा ने जिस तरह से अपने आपको अंगद के पैर की तरह स्थापित किया है, उसे कोई चुनौती नहीं दे पा रहा है। अलबत्ता आम चुनावों में सबने मिलकर भाजपा की सत्ता को हिलाने की अभिनव कोशिश की थी। गनीमत है कि बिहार विधानसभा की 4 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन के बीच सीटों का बँटवारा सौहार्दपूर्ण तरीके से हो गया। यहां 3 सीटें राजद और एक सीट माकपा (माले) को मिली है। कांग्रेस के लिए मप्र में कोई समस्या पहले से ही नहीं थी, लेकिन महाराष्ट्र में सीटों का बंटवारा अभी तक अधर में है। महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अगाडी की गाडी सीटों के बंटवारे को लेकर आगे ही नहीं बढ़ रही है। शिवसेना (ठाकरे) गुट और कांग्रेस में बात बन नहीं रही है और ऐसा लगता है कि ये गठबंधन बिखर जाएगा, लेकिन यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस को तो कोई नुक्सान नहीं होने वाला लेकिन उद्धव ठाकरे की फजीहत हो जाएगी। शरद पंवार साहब की एनसीपी भी अकेले दम पर भाजपा को रोकने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में इन तीनों प्रमुख घटकों को हिकमत अमली से फैसला करना पडेगा। अब ये महाराष्ट्र विकास अगाडी को तय करना है की वे अपने और महाराष्ट्र के हित में झुकते हैं या नहीं? महाराष्ट्र जैसी ही दशा उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों को लेकर है। यहां कांग्रेस कम से कम 5 सीटें चाहती है और समाजवादी पार्टी शायद इसके लिए राजी नहीं है /आपको याद है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के चलते ही आम चुनावों के दौरान भाजपा के अश्वमेद्ध को उत्तर प्रदेश में रोका जा सका था, अन्यथा न सिर्फ खुद के लिए 370 सीटें हासिल करती अपितु 400 पार भी कर लेती तो कोई हैरानी न होती।

नेट पर बढ़ती निर्भरता शोध के दायरे को सीमित कर सकती है...

शिक्षा और अनुसंधान में भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए पीएचडी प्रवेश के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है-जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अकादमिक अनुसंधान में योगदान करने की क्षमता को महत्त्व देता है। व्यापक प्रवेश प्रक्रिया को अपनाकर, भारत अपने प्रतिभाषाली दिमागों को बरकरार रख सकता है, उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है और अकादमिक अनुसंधान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रह सकता है। वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, भारत को एक समग्र प्रवेश प्रक्रिया अपनानी होगी जो अनुसंधान में नवाचार, रचनात्मकता और विविध दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

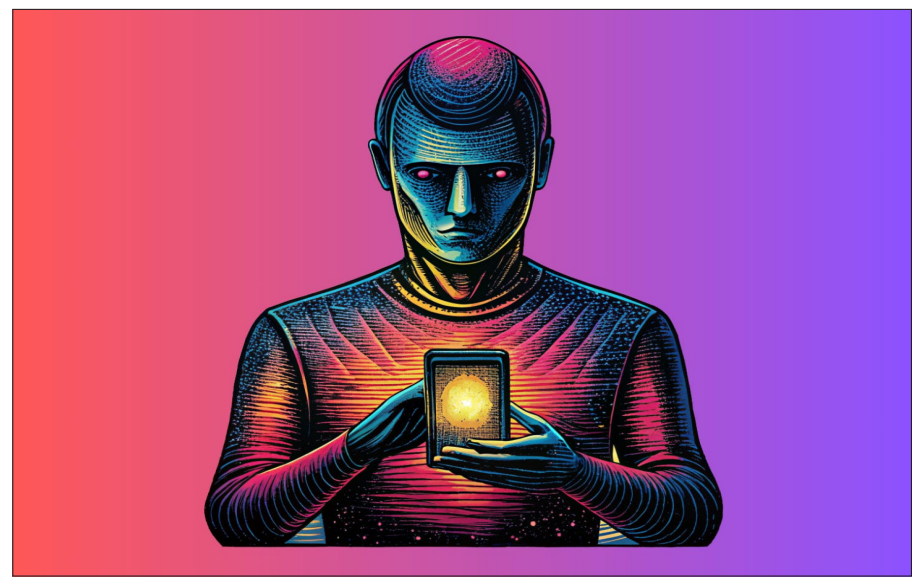

प्रियंका सौरभ
लेखक

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं। पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाषाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है। नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को खतरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है। नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाषाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर जोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। इसमें उम्मीदवार के शोध प्रस्ताव, व्यक्तिगत बयान, अनुशंसा पत्र और अकादमिक इतिहास की विस्तृत समीक्षा शामिल है, जर्मनी में छात्र स्नातक अध्ययन से सीधे पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं, बशर्ते वे असाधारण शोध क्षमता और अकादमिक प्रदर्शन प्रदर्शित करें)) विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना। आवेदकों का मूल्यांकन अनुसंधान में विभिन्न दृष्टिकोण लाने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है, जिसे अंतःविषय अध्ययन के लिए मूल्यवान माना जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं कि पीएचडी उम्मीदवार वास्तविक दुनिया के साथ अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एप्लिकेशन।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के मौके

डॉ जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल ही में वर्ल्ड बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर 2024 में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घटकर 4.0 फीसदी होगी। जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसदी से अधिक रहेगी। वस्तुतः भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढे की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैश्विक संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नए अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडाप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीज जैसी वैश्विक एजेंसियां वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ-साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ वैश्विक उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में दुनिया की ख्याति प्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितंबर 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट 2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है। अमेरिका चैंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की वैश्विक निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं, अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रुपए निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 23 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बहुआयामी क्षेत्रों में दुनिया के लिए अपार आर्थिक मौके हैं। साथ ही भारत के प्रति अपार आशावाद भी भारत को प्रगति की डगर पर आगे बढ़ा रहा है। बौद्धिक संपदा की सुरक्षा, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी तथा विनिर्माण क्षेत्र को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। भारत पिछले तीन लगातार वर्षों से 7 प्रतिशत से अधिक की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब उनके तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

महिला के खिलाफ पति को जहर देकर मारने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

कौशांबी,। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कड़ा धाम क्षेत्र में एक व्यक्ति को जहर देकर मारने के आरोप में उसकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिराथू के पुलिस क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि इस्माइलपुर गांव निवासी शैलेश (32) की रविवार की रात खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शैलेश के परिजनों ने उसकी पत्नी सविता (30) पर खाने में जहर मिलाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी जिसके आधार पर सविता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और 123 (जहर देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सुचारू पेयजलापूर्ति की माँग को लेकर किया प्रर्दशन

अमरोहा।पानी की टंकी के निर्माण संग सुचारू पेयजलापूर्ति की मांग को लेकर कस्बा निवासियों ने प्रदर्शन किया। पालिकाध्यक्ष चौधरी राहत हसन को ज्ञापन सौंपते हुए कस्बे में एक और पेयजल टंकी का निर्माण कराने की मांग की। गौरतलब है कि कस्बे में मात्र एक पेयजलापूर्ति टैंक है। इसी से पूरे कस्बे को पेयजल की आपूर्ति की जाती है। वहीं, मौजूदा वक्त में कस्बे की आबादी चारों तरफ फैलने की वजह से सुचारू पेयजलापूर्ति का संकट बना है। सबसे ज्यादा परेशानी रामलीला ग्राउंड और मोहल्ला कानूनगोयान में बनी है। स्थानीय निवासियों ने सोमवार को इस बाबत नगर पालिकाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। कस्बे में सुचारू पेयजलापूर्ति के लिए एक और टैंक का निर्माण कराने की मांग की। इस दौरान निगम, अनीस, राजेंद्र, मुकेश,मनु, पप्पू, राजीव आदि रहे।

एसकेएम इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों ने मण्डलस्तरीय प्रतियोगिता में मारी बाजी

अमरोहा/कु.आं खेड़ा।क्षेत्र के गांव घंसूरपुर में संचालित एसकेएम इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों ने रामपुर में आयोजित मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चार गोल्ड, दो कांस्य व सिल्वर मेडल जीते। छात्रा छाया ने लंबी कूद, ऊंची कूद, बाधा व रिले दौड़ में चार गोल्ड मेडल जीते। छात्रा वंशिका ने 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। विजयलक्ष्मी ने 100 मीटर दौड़, रिले व बाधा दौड़ में सिल्वर मेडल जीता। विद्यालय प्रबंध समिति ने छात्राओं को सम्मानित किया। इस दौरान प्रबंधक मौहम्मद हसन, प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह चौहान आदि रहे।

दस माह के मासूम बच्चे को अपहरण कर बेचने का आरोप

गजरौला।महिला ने पति पर अपने दस माह के मासूम बेटे का अपहरण कर बेचने का आरोप लगाया। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव कांकाठेर निवासी मिथलेश देवी व उनके पति धर्मेंद्र के बीच बीती 13 अक्तूबर को झगड़ा हो गया था। रात में दस माह का बेटा विवेक पिता के पास सोया था। आरोप है कि 14 अक्तूबर की सुबह मिथलेश उठीं तो धर्मेंद्र अपने बिस्तर से गायब था। बेटा विवेक भी वहां नहीं मिला। मिथलेश ने धर्मेंद्र से संपर्क करने की कोशिश की तो उसका फोन बंद आया। परेशान मिथलेश ने सभी संभावित स्थानों पर तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चल सका। इस बीच शनिवार को मिथलेश गांव लठीरा में अपनी बहन के घर पहुंची। आरोप है कि धर्मेंद्र भी वहां पहुंच गया। मिथलेश व अन्य लोगों ने जब धर्मेंद्र से विवेक की बाबत जानकारी की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। कभी ब्रजघाट गंगा में विवेक के बह जाने तो कभी उसे कांकाठेर छोड़कर आने की बात कही। परेशान मिथलेश ने इस बाबत जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने धर्मेंद्र के साथ मारपीट भी की लेकिन विवेक का कुछ पता नहीं चल सका। अब मामले में प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने मिथलेश की तहरीर पर उसके पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

गाजियाबाद में उपचुनाव को लेकर भाजपा पदाधिकारियों की बैठक

गाजियाबाद, ।भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व ने महानगर संगठन द्वारा उपचुनाव के बाबत पूर्व से तैयार संगठनात्मक तैयारियों को लेकर चर्चा वार्ता शुरू कर दी है। बैठक में पश्चिम उत्तर प्रदेश के महामंत्री एवं शहर विधानसभा के प्रभारी हरिओम शर्मा भाजपा के नेहरू नगर स्थित महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा एवं महामंत्री पप्पू पहलवान सुशील गौतम के साथ उपचुनाव की पूरी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता हातम सिंह नागर, सुभाष शर्मा, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, ललित कश्यप, संजय कांत शर्मा, राजेश शर्मा, कामेश्वर त्यागी, पंकज भारद्वाज, लोकेश गर्ग , जोगेंद्र जाटव, सुनील गौतम आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ-2025 : योगी सरकार बना रही सुरक्षित स्नान की ठोस कार्ययोजना

प्रात: किरण, संवाददाता

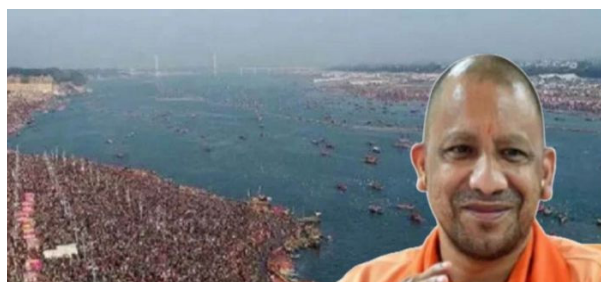

प्रयागराज,। महाकुंभ-2025 में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा को योगी सरकार सुनिश्चित करने जा रही है। विशेषकर संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने आने वाले एक भी श्रद्धालु के साथ अनहोनी न हो, इसके लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ठोस योजना पर काम कर रहे हैं। इन एजेंसियों के प्रशिक्षित जवान अत्याधुनिक उपकरणों के साथ गंगा, यमुना और संगम के घाटों व जल में तैनात रहेंगे। इस बार महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। विशेष तिथियों के अलावा भी महाकुंभ में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने आएंगे। देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की जल में सुरक्षा की कार्ययोजना पर काम जारी है। यूपी एसडीआरएफ के कमांडेंट सतीश कुमार के अनुसार महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कार्ययोजना बनाई जा रही है। कहां, कितनी बटालियन और जवान काम करेंगे, उस पर मंथन जारी है। महाकुंभ में घाटों और जल में जवानों को तैनात किया जाएगा। एसडीआरएफ से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जवानों को अंडर वाटर कैमरों व ड्रोन, स्पीड बोट्स, रेस्क्यू बोट्स, स्कूटर बोट्स, एंबुलेंस बोट्स, ड्रैगन लाइट के साथ तैनात किया जाएगा। सोनार सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। फ्लोटिंग जेटी की व्यवस्था की जाएगी। हर समय घाटों और जल में लाइफ ब्वाय रेस्क्यू ट्यूब और थ्रो बैग के साथ तैनात रहेंगे। अधिकारी ने बताया कि वाटर ड्रोन वहां तक भी पहुंच सकेंगे, जहां प्रशिक्षित गोताखोर नहीं पहुंच पाते हैं।

नावों से संगम में भ्रमण करने वाले श्रद्धालुओं के लिए लाइफ सेविंग जैकेट पहनना अभी से अनिवार्य किया जा चुका है। जल पर तैरता कंट्रोल रूम स्थापित होगा, जिसमें क्विक रेस्क्यू टीम 24 घंटे तैनात रहेंगी।

किसी भी हादसे या दुर्घटना की स्थिति से निपटने के लिए फ्लोटिंग स्टेशन्स पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहेंगे। स्नान घाटों की संख्या बढ़ने और उनके विस्तार को देखते हुए डीप वॉटर बैरिकेडिंग भी की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस-प्रशासन को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के विशेष निर्देश दिए हैं। सुरक्षित महाकुंभ का संकल्प लेकर योगी सरकार प्रत्येक योजना बना रही है, ताकि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु श्रेष्ठ अनुभव के साथ घरों को लौटें।

विधायक के भाई और भतीजों पर अस्पताल के कर्मचारियों से मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

मथुरा,। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में रविवार को मांट क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक राजेश चौधरी के भाई और भतीजों के खिलाफ एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में घुसने से मना करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। अस्पताल के सीसीटीवी में कैद घटना का वीडियो देखने के बाद पुलिस ने संचालक की शिकायत पर विधायक के भाई और भतीजों सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, इस मामले में विधायक के भाई के पक्ष की ओर से उनके साथ मारपीट तथा अभद्रता किए जाने की तहरीर दी गई थी लेकिन वीडियो में उनकी शिकायत की पुष्टि में न होने पर पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। हाईवे पुलिस थाना प्रभारी आनंद कुमार शाही ने सोमवार को बताया कि विधायक राजेश चौधरी की मां प्रेमवती महोली रोड स्थित डीएस अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल संचालक डॉ. ललित वार्ष्णेय ने शिकायत दर्ज कराई कि रविवार सुबह विधायक के भाई जितेंद्र सिंह, भतीजे देव चौधरी तथा संजय चौधरी और विधायक प्रतिनिधि जसवंत ने आईसीयू में जबरन घुसने की कोशिश की जब कर्मचारी प्रताप और सत्यपाल ने उन्हें रोका तो इन सभी ने मिलकर दोनों से मारपीट की तथा अस्पताल में तोड़फोड़ भी की। दूसरी ओर, विधायक के प्रतिनिधि जसवंत ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह विधायक की मां को चाय पिलाने के लिए अस्पताल गए थे तभी आईसीयू में भर्ती मरीज का फोटो खींचने पर प्रताप समेत अन्य स्टाफ ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से कैंची और लोहे की रॉड से हमला किया। शिकायत में कहा गया कि कर्मचारियों ने अपने साथियों को बुलाया और उन्हें कमरे में बंद करके पीटा। इसमें कहा गया कि 700 रुपये और सोने की एक चेन भी वार्ड में गिर गई। थाना प्रभारी ने बताया, पुलिस अस्पताल पहुंची और सीसीटीवी फुटेज देखी जिसमें विधायक के भाई के पक्ष के आरोप गलत साबित हुआ, जबकि आरोपी अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मारपीट करते साफ नजर आये। इस पर विधायक के भाई और उनके भतीजों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता ने अस्पताल के कर्मचारियों से मारपीट की घटना की निंदा की है।

दिल्ली पुलिस ने डकैती के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के हेड कांस्टेबल के घर पर छापा

प्रात: किरण, संवाददाता

मेरठ (उप्र), ।दिल्ली में हुई डकैती के एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के घर पर छापेमारी की गई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हेड कांस्टेबल वीर सिंह उत्तर प्रदेश के शामली जिले में तैनात है। डकैती की घटना कुछ दिन पहले दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में हुई थी। मेरठ के जानी थाना के प्रभारी पंकज सिंह ने सोमवार को बताया, दिल्ली पुलिस ने जानी क्षेत्र में एक हेड कांस्टेबल के घर पर छापेमारी की। हालांकि मैं इसके बारे में अधिक जानकारी देने में असमर्थ हूं। मुझे केवल इतना पता है कि दिल्ली पुलिस कल दोपहर एक मामले में छापेमारी के लिए आयी थी। उन्होंने हमारे थाने में अपनी हाजिरी दर्ज कराई थी लेकिन उन्होंने छापेमारी के बाद ऐसा किया। उन्होंने कहा, छापेमारी में क्या बरामद हुआ या नहीं, यह सिर्फ दिल्ली पुलिस ही स्पष्ट कर सकती है। सिंह ने कहा, जिस हेड कांस्टेबल के घर पर छापा मारा गया वह वर्तमान में शामली जिले में तैनात है और जानी (मेरठ) का निवासी है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में ज्यादा जानकारी न देते हुए इसे दिल्ली पुलिस का मामला बताया।

2027 के चुनाव से पहले सेमीफाइनल है उपचुनाव : तेज प्रताप यादव

प्रात: किरण, संवाददाता

करहल (उत्तर प्रदेश),। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में मैनपुरी डीएम कार्यालय में करहल विधानसभा सीट से तेज प्रताप यादव ने अपना नामांकन भरा। इस दौरान सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं। नामांकन कार्यक्रम से पहले तेज प्रताप यादव ने सैफई स्थित आवास पर हवन पूजन किया और सैफई मेला ग्राउंड में बने नेताजी मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन कर भाजपा को हराने का काम किया था। इस उपचुनाव में समाजवादी पार्टी जीतेगी तो 2027 की तस्वीर भी साफ हो जाएगी। 2027 में सरकार बनाने का बड़ा दावा समाजवादी पार्टी करेगी। उन्होंने इस उपचुनाव को सेमीफाइनल करार दिया है। उपचुनाव में भाजपा भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। इस संबंध में पूछे जाने पर तेज प्रताप यादव ने कहा, जनता के बीच भाजपा विश्वास खो चुकी है। जनता भाजपा की नीतियों और उनके एजेंडे को समझ चुकी है। कई साल उन्होंने झूठ के आधार पर सरकार चलाई। लेकिन, जनता का भाजपा से मोहभंग हो चुका है और जनता ने तय कर लिया है कि उन्हें सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि करहल की जनता का समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ाव हमेशा से रहा है। इस उपचुनाव में भी हमें जनता की ओर से भारी समर्थन मिलेगा और हम करहल सहित सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करेंगे। बहराइच में बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाए जाने पर उन्होंने कहा, भाजपा ने बुलडोजर के माध्यम से लोगों को डराने का काम किया है। अच्छी बात है कि कोर्ट इस पूरे मामले का संज्ञान ले रहा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। हालांकि, मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर अब भी संशय बरकरार है।

गाजियाबाद में रुपयों के विवाद में फल विक्रेता की गोली मारकर हत्या,आरोपी फरार

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद,। लोनी के बॉर्डर थाना क्षेत्र के नाईपुरा आर्य नगर कॉलोनी में रुपये के विवाद में पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने साथी के साथ मिलकर फल विक्रेता की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वारदात से 15 मिनट पहले दोनों में झगड़ा भी हुआ था। सूचना पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मूलरूप से हापुड़ के पुरानी चुंगी रहने वाले मुशर्रफ लोनी के नाईपुरा आर्य नगर कॉलोनी में रहते थे। वह दिल्ली में फल बेचने का काम करते थे। कॉलोनी में रहने वाले मोहम्मद शाहनवाज ने बताया कि मुशर्रफ के साथ कॉलोनी में रहने वाले दबंग मारपीट कर रहे थे। आरोपी ने मुशर्रफ को दो हजार रुपये उधार दे रखे थे। दोनों के बीच इसको लेकर विवाद चल रहा था। मारपीट होने पर आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया। दबंग मौके से वापस चले गए। 15 मिनट बाद दबंग अपने भाई के साथ बाइक पर आया। मुशर्रफ अपने घर से कुछ दूरी पर खड़ा था। तभी बाइक सवार आरोपी ने उन पर गोली चला दी। गोली मुशर्रफ के सीने में लगी। गोली मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

ट्रैक्टर पर सवार होकर मेला स्थल का जायजा लेने निकलीं डीएम साहिबा, तैयारियों पर जताई नाराजगी

प्रात: किरण संवाददाता,

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स जी ने आगामी गंगा मेला की तैयारी का मौके पर जाकर जायजा लिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने ट्रैक्टर में बैठकर पूरे मेला परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की स्थिति को जाना। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला भव्य और दिव्य होगा सभी अधिकारी हर हाल में 2 नंबर तक सभी तैयारियां कर लें। श्रद्धालुओं के आने पर कोई भी अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए ।श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं दी जाएगी इसके लिए सभी अधिकारी गंभीरता के साथ लगकर काम करें । रोड निर्माण टिन फेंसिंग मचान वैरिकेडिंग की धीमी प्रगति पर अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 2 नम्बर तक अधिक से अधिक मजदूर लगाकर कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा की 30 नम्बर को पुनः निरीक्षण किया जाएगा अधिक से अधिक काम दिखना चाहिए सभी प्रभारी अधिकारी विशेष रूप से ध्यान दें ।जिलाधिकारी ने गहराई वाले स्थलों में वल्लियॉ को लगाए जाने शौचालय पेयजल मचान प्रकाश घाट निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में एक-एक करके सभी प्रभारी अधिकारियों से जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिया। कहा कि रोड का निर्माण और टिन फेंसिंग हो जाने के बाद ही बहुत सी व्यवस्थाएं की जा सकेंगी इसलिए अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी कार्य मे तेजी लाएं। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मेले में अधिक से अधिक शौचालय बनाए जाएं मेले में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए।अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि मेले में जल की व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए इसके लिए अधिक से अधिक नल लगाया जाए जल निगम के कार्य में धीमी प्रगति पर कार्य में तेजी लाए जाने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि घाटों में प्रकाश की व्यवस्था अच्छी हो साथ ही प्रत्येक घाट का नाम अलग-अलग हो। घाट अधिक से अधिक बनाया जाए ताकि किसी भी श्रद्धालु को स्नान करने में परेशानी ना हो ।और वहां पर रेडियम युक्त प्रत्येक घाट पर अलग अलग साइनेज लगाया जाए। इसी प्रकार प्रत्येक सेक्टर में भी साइनेज लगे होना चाहिए ताकि लोगों को आने-जाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत ना। अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड को निर्देशित करते हुए कहा कि बोट की व्यवस्था अधिक से अधिक कर लिया। गहरे स्थल वाले जगह पर बल्लियां गाड़कर वहां साइनेज लगाया जाए।जो गहराई वाले स्थल हैं व कटान वाले स्थलों पर उनको पहले से चिन्हित कर लें। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर जल्द से जल्द व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिया। सभी अधिकारी गंभीरता के साथ लगकर हर हाल में मेला की पूरी तैयारी को अंतिम रूप दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, अपर जिलधिकारी न्यायिक श्रीमाशंकर यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश त्रिपाठी, उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य मेले से संबंधित सभी प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

कानपुर में महिला हेड कांस्टेबल से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर,। उत्तर प्रदेश के कानपुर में करवा चौथ मनाने के लिए घर जा रही एक महिला हेड कांस्टेबल के साथ उसके एक परिचित व्यक्ति ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) हरीश चंदर ने सोमवार को बताया कि अयोध्या में रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात एक महिला कांस्टेबल शनिवार रात करवा चौथ का त्योहार मनाने कानपुर आई थी। उन्होंने बताया कि जब वह अपने गांव जा रही थी तभी सेन-पश्चिम पारा इलाके उसने मोटरसाइकिल सवार अपने पड़ोसी धर्मेंद्र पासवान से लिफ्ट मांगी। चंदर ने बताया कि पासवान उसे गंतव्य पर छोड़ने के बजाय कथित तौर पर सुनसान इलाके में स्थित एक खेत में ले गया और उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया। सहायक पुलिस आयुक्त (घाटमपुर) रंजीत कुमार ने बताया, महिला कांस्टेबल ने शोर मचाया लेकिन मदद के लिए आसपास कोई नहीं था। वह किसी तरह चंगुल से छूटकर निकली और पास की ही पुलिस चौकी में जाकर घटना की जानकारी दी। कुमार ने बताया, पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पासवान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (दुष्कर्म), 76 (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 117 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

भदोही में इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की गोली मारकर हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

भदोही (उप्र), ।भदोही जिले में एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की सोमवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल चौराहे पर स्थित इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेंद्र बहादुर सिंह (56), अमिलौरी गांव स्थित अपने घर से कार में सवार होकर निकले थे तभी घर से दो सौ मीटर की दूरी पर पूर्वाह्न करीब 10 बजे मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने कार के टायर पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने कार के पास पहुंचकर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं और हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंह को पास के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरों को पकड़ने के लिए टीम ने घेराबंदी की है। कॉलेज के प्रबंधक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काशी प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह बघेल ने बताया कि योगेंद्र 1994 से कॉलेज में बतौर शिक्षक तैनात थे और इसी वर्ष एक जुलाई को उन्हें कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति दी गई थी।

गाजियाबाद में सिविल सोसाइटी ने की नगर निगम को मिलने वाली परफॉर्मेंस ग्रांट रोकनी की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद, ।एक रेस्टोरेंट में गाजियाबाद सिविल सोसाइटी पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। जिसमें गाजियाबाद सिविल सोसाइटी के प्रमुख कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने कहा कि 15 वें फाइनेंस कमीशन ने गाजियाबाद नगर निगम को करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपए 2022 से 2026 तक के लिए आवंटित किए हैं। इस राशि का 80 प्रतिशत मूल अनुदान कहलाता है। जबकि शेष 20 प्रतिशत प्रदर्शन अनुदान के रूप में है। प्रदर्शन अनुदान खातों की नियमित लेखा परीक्षा और ह्रसेवा स्तर के बेंचमार्कह्र प्रकाशित करने पर मिलेगा। प्रदर्शन अनुदान के दावों पर विचार करते समय यूएलबी,नगर निगम द्वारा ह्रसेवा स्तर के बेंचमार्कह्र के प्रकाशन को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा अभी तक सेवा स्तर बेंचमार्क होते नहीं देखा है। जिसमें यह वादा किया गया हो कि वे ये सेवाएँ अवश्य प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर जमीनी स्तर पर सेवाएँ प्रदान किए बिना प्रदर्शन अनुदान का दावा किया जाता है ये गलत है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कौन कौन सी सुविधाएं पूर्ण रूप से अपने शहरवासियों को दे रहे हैं ये जानकारी देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सिविल सोसाइटी मांग करती है कि नगर निगम अविलंब एकाउंट्स और सुविधाओं की जानकारी जल्द प्रकाशित कराए। इस दौरान लाइन पार आरडब्लूए अध्यक्ष डॉ. आरके आर्या, ट्रांस हिंडन के अध्यक्ष कैलाश चन्द शर्मा, फ्लेट आनर फेडरेशन वैशाली से एमएल वर्मा, राय नगर एक्सटेंशन के अध्यक्ष राज कुमार त्यागी, न्यू आर्य नगर से संध्या त्यागी और विजय नगर से नेम पाल चौधरी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद, ।साहिबाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर विमान को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। एयरपोर्ट की सुरक्षा अधिकारी पिंकी कुमारी की तहरीर पर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के यूजर के खिलाफ टीला मोड़ थाने में केस दर्ज किया। बता दें शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर धमकी दी गई थी। पुलिस अब जांच कर रही है कि आरोपी कौन है और कहां रहता है। पिंकी कुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि शनिवार सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर धमकी भरा मैसेज पोस्ट किया गया था। जिसमें लिखा था कि चार विमानों, एस-5431, एस-5222, एस-5225 और एस-5234 में बम रखे हैं। चारों विमानों में कोई भी नहीं बच पाएगा। बचा सकते हो तो जल्दी करो। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि एक्स यूजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार एयरपोर्ट को 48 घंटे तक अलर्ट मोड पर रखा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी व एयरलाइंस से लगातार संपर्क बना हुआ है। आरोपी की पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं सोशल प्लेटफार्म एक्स से भी डिटेल मांगी गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

रोहतास एसपी व एसडीपीओ ने बाइक लूटकांड गिरोह का किया पर्दाफास

प्रातः किरण संवाददाता

नासरीगंज (रोहतास) बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के नासरीगंज थाना में सोमवार को रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि 11 अक्टूबर की रात्रि करीब 1.30 बजे काराकाट थानान्तर्गत एक व्यक्ति का मोटर साईकिल जिसका रजि० नं इफ03अक्-4672 अमौना से डिहरी ऑन सोन जाने के क्रम में काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदीपट्टी गांव के समीप इनका मोटरसाईकिल एवं मोबाईल अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा लूट लिया गया। जिस संबंध में काराकाट थाना कांड संख्या-525/24 दिनांक 11 अक्टूबर धारा 309 (4) भान्यास० दर्ज किया गया। उन्होंने ने बताया कि कांड को त्वरित संज्ञान में लेते हुए उद्भेदन हेतु बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें काराकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी,नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार एवं डीआइयू टीम को शामिल किया गया। गठित टीम द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान एवं त्वरित कार्रवाई के

क्रम में नासरीगंज थानाध्यक्ष पुलि. सह थानाध्यक्ष अमित कुमार को गुप्त सूचना मिली कि बाइकर्स गैंग के सदस्य नासरीगंज थानान्तर्गत किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए काराकाट थाना क्षेत्र के जमुआ निवासी विक्की यादव पिता उमेश सिंह,सियाराम प्रिय, पिता स्व० रविंद्र नाथ सिंह साकिम कायस्त बहुआरा,रोहित कुमार पिता विनोद कुमार साकिम चांदीपट्टी, नितीश कुमार,पिता कुंज बिहारी यादव साकिम गोड़ारी,दिपक कुमार पिता संजय सिंह साकिम देनरी एवं दावथ थाना क्षेत्र अंतर्गत डेढ़गांव निवासी चन्द्रशेखर कुमार पिता स्व० श्याम नारायण सिंह व रोहित कुमार पिता अशोक सिंह को नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दाऊदनगर मोड़ के समीप से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि इनलोगों के पास से काराकाट थाना कांड संख्या-525/24 जो 11 अक्टूबर धारा 309/4 भान्यास. में लूटी गई स्प्लेंडर मोटरसाईकिल रजि. नं. बीआरओ 3 एजी 4672 एवं मोबाईल बरामद किया गया। साथ ही चार मोटरसाईकिल एवं सात मोबाईल बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि पुछताछ के क्रम में इनलोगों ने अपना दोष स्वीकार किया है। साथ ही लूटा हुआ मोबाईल नीतीश कुमार,पिता कुंज बिहारी यादव साकिम गोड़ारी थाना काराकाट के पास से बरामद किया गया।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर नहीं लगवाने पर बिलिंग चक्र से छूट जाएंगे उपभोक्ता : एईई

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, बिक्रमगंज के अंतर्गत सभी उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर इंस्टॉल करवाना अनिवार्य है। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे तो वे बिलिंग साइकिल से छूट जाएंगे और उनका बिजली कनेक्शन स्वतः कट जाएगा। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद है और घर बैठे आसानी से उसे ऐप या फिर गूगल पे के जरिये रिचार्ज कर सकते हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर पूरी तरह से निःशुल्क इंस्टॉल किया जा रहा है। सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने अखबार के माध्यम से उपभोक्ताओं को यह भी जानकारी दी है की स्मार्ट प्रीपेड मीटर के जरिये बिजली बिल के लिए एकमुश्त जमा की जाने वाली राशि पर उन्हें ब्याज प्राप्त करने का भी अवसर प्राप्त हो रहा है और ब्याज दर बैंकों की ब्याज दर से कहीं ज्यादा है। 2000 रुपये से अधिक का रिचार्ज करने पर 6.75 प्रतिशत ब्याज दर प्राप्त होगा, इसी तरह तीन माह की खपत के बराबर एकमुश्त रिचार्ज करने पर 7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा और छह माह की अवधि का एकमुश्त रिचार्ज करने पर 7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। इतना ही नहीं ऑनलाइन रिचार्ज कराने पर 1 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। स्मार्ट प्रीपेड मीटर को रिचार्ज न कराने पर बिजली स्वतः कट जाएगी हालांकि, रात में बिजली नहीं काटी जाती है। बिजली कनेक्शन कार्य दिवस पर दिन में 10 बजे से 1 बजे के बीच काटा जाता है। पर्व त्योहार के दौरान भी बिजली नहीं काटी जाती है। बेहतर यही होगा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की राशि खत्म होने से पहले ही उसे रिचार्ज कर लें। उपभोक्ताओं को साइबर अपराधियों से बचाव करने के विषय में उन्हें सचेत किया गया।

किसान गोष्ठी मे विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। प्रखण्ड क्षेत्र के बराप पंचायत अन्तर्गत सिहार गांव मे कृषि विभाग की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन प्रखण्ड प्रमुख बिनोद सिंह एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक रत्नेश कुमार तिवारी द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।गोष्ठी को संबोधित करते हुए सहायक तकनीकी पदाधिकारी ने कृषको को जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर जलवायु अनूकुल कृषि के बारे मे जानकारी दिया एवं मोटा अनाज को वैकल्पिक फसल के रूप मे अपनाने की सलाह दी।वहीं उन्होंने कृषको को जैविक खेती एवं उद्यानिक फसलों सहित मोटा अनाज उगाने के फायदे से संबंधित खेती के विभिन्न तरीके की विस्तृत चर्चा की।इस दौरान उन्होंने कृषको को प्रखण्ड से अनुदानित दर पर मिलने वाली रवि फसल हेतू बीज यथा गेहूँ, चना, मसुर, दलहन आदि की ऑनलाइन आवेदन बीआरबीएन पोर्टल के माध्यम से करने की जानकारी उपलब्ध कराई साथ ही फसलो को नीलगाय से बचाव के बारे मे बताया।इस अवसर पर प्रखण्ड प्रमुख बिनोद सिंह ने पराली प्रबंधन के बारे मे बताया साथ ही खेतो मे पराली नही जलाने की सलाह दी।मौके पर कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार रविकान्त कुमार, समाजिक कार्यकर्ता अरूण सिंह, रमेश यादव, बासंती देवी, राजू यादव, चंद्रमा यादव, बीरेन्द्र सिंह सहित दर्जनो कृषक मौजूद थे।

रैपिड एक्शन फोर्स के मुख्यालय में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया

कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर स्थित 114 रैपिड एक्शन फोर्स के मुख्यालय में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 114 वीं बटालियन के कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने उपस्थित सभी कर्मियों को इस दिन के महत्व के बारे में बताया और 1959 में हॉट स्प्रिंग (लद्दाख) में हुए जवानों की वीरगति को याद किया। अश्वनी कुमार झा ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि 21 अक्टूबर 1959 का दिन भारतीय पुलिस के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। आज के दिन सीआरपीएफ के 10 जवानों ने लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में चीनी सेना का बहादुरी से सामना किया और अपने प्राणों की आहुति दी। उन बहादुर शहीदों की शहादत को याद करते हुए, हमें उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर देश सेवा के प्रति समर्पण का संकल्प लेना चाहिए। मालूम हो कि 1959 में 21 अक्टूबर के दिन सीआरपीएफ और इंटेलिजेंस ब्यूरो के बीस जवानों वाला एक गश्ती दल एक लापता टोही दल की तलाश में गया था और चीनी पीएलए द्वारा घात लगाकर हमला किया गया था।

भले ही चीनी सेना के जवान बड़ी संख्या में थे और भारी हथियारों से लैस थे, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने उनका डटकर मुकाबला किया था। इसी दौरान उनसे लोहा लेते अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सीआरपीएफ के दस जवान शहीद हो गए थे। युद्ध के दौरान सीआरपीएफ कर्मियों के बलिदान ने हॉट स्प्रिंग्स को पूरे देश के पुलिसकर्मियों के लिए तीर्थस्थल का पवित्र स्थान बना दिया। 21 अक्टूबर को सभी पुलिस इकाइयों द्वारा मातृभूमि के लिए पुलिस कर्मियों की वफादारी और सर्वोच्च बलिदान को याद करने के लिए पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में रैपिड एक्शन फोर्स के सभी अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

स्व० रामनाथ साह की 5वीं पुण्यतिथि पर किया जाएगा आठ नवंबर 2024 को फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । स्थानीय निजी होटल में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया तैयारी को लेकर किया बैठक जिसके अध्यक्षता शिव कुमार साह ने किया प्रेस को संबोधित करते हुए कहा इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि रामनाथ साह एक समाजिक व्यक्ति थे। और यूपी बिहार के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी उनके रहने और खाने की व्यवस्था पूरी हमारे ट्रस्ट की ओर से होगी इस कार्यक्रम में प्रदेश से भी लोग आएंगे शिव कुमार साह ने कहा कि स्व० रामनाथ साह एक सामाजसेवी थे उन्होंने गरीबों के लिए हमेशा तत्पर रहते थे इस बार उनका पांचवा पुण्यतिथि मनाई जाएगी उनके पुण्यतिथि के अवसर पर हम लोग खेल के प्रतियोगिता करते हैं और गरीबों के बीच भोजन एवं वस्त्र से भी हम लोग वितरण करते हैं इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों से लोग खेल देखने के लिए लोग हजारों की संख्या में पहुंचे ते है

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यवसायिक राजद प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिव कुमार साहु, प्रो. राजेन्द्र मनियारा, सुनील साह, बबलू राय, जर्नादन सिंह, भरत चौधरी, गुड्डु लाल, राजू रंजन, लवकुश लाल, प्रयास कुशवाहा, सुभाष यादव हां मुखिया प्रतिनिधि अखिलेश सिंह सरपंच प्रतिनिधि धीरज सिंह गुलाब सिंह शंभू यादव हरे कृष्णा सिंह पैक्स अध्यक्ष दयानंद सिंहसहित कई थे।

गैंगवार का हत्या के वांछित अभियुक्त अमरेश राय उर्फ बिदेशी राय गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। कोईलवर थाना अंतर्गत दिनांक-21.10.2024 को अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कोईलवर थाना कांड सं0-210/24 दिनांक-02.05.24 धारा-302, 34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट का वांछित अभियुक्त अमरेश राय उर्फ विदेशी राय पे०-स्व० रामपूजन राय, सा०-महादेवचक सेमरिया, थाना-कोईलवर,जिला-भोजपुर अपने पी० मेगा मार्ट के पास आया हुआ है।

भोजपुर पुलिस की कार्रवाईः-

इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त आसूचना का सत्यापन एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 के नेतृत्व में थानाध्यक्ष, कोईलवर एवं थाना के पदाधिकारी तथा थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त स्थल से कोईलवर थाना कांड सं0-210/24 दिनांक 02.05.24 धारा 302, 34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट का वांछित अभियुक्त अमरेश राय उर्फ विदेशी राय पे०-स्व० रामपूजन राय, सा०- महादेवचक सेमरिया, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी-विदेशी राय पे०-स्व० रामपूजन राय, सा०-महोदवचक सेमरिया, थाना-कोईलवर, जिला- भोजपुर।

भाजपा हराओ-बिहार बचाओ, उन्माद, उत्पात फैलाने वाली सामंती शक्तियों को परास्त करोः माले

प्रातः किरण संवाददाता

पीरो ।बिहार विधानसभा उपचुनाव के लिए आज इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा - माले उम्मीदवार राजू यादव ने पीरो अनुमंडल पदाधिकारी के समक्ष अपना नामाकंन दाखिल किया।

इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा माले तरारी विधानसभा उप चुनाव प्रत्याशी कॉ राजू यादव ने अपना नामांकन दाखिल करने से पहले भारतीय संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर का खैरा बाजार स्थित मूर्ति, पीरो में लोहिया जी के मूर्ति और सामाजिक बदलाव के नायक व सहार विधानसभा के पूर्व विधायक कॉ रामनरेश राम के सहार में स्थापित मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

नामांकन के बाद पीरो के राजकीय उच्च विद्यालय में एक विशाल चुनावी जनसभा हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में गरीब , किसान - मजदूर, छात्र - नौजवान, महिला, बुद्धिजीवी, व्यवसायियों म जनसैलाब उमड़ा। सभी लोग एक स्वर में इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा माले उम्मीदवार राजू यादव को विजयी बनाओ का नारा लगा रहे थे। सभा में भाकपा - माले, राजद, कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सभी दल के राज्य और जिला स्तरीय नेता शामिल थे।जिसमें मुख्य रूप से स्वदेश भट्टाचार्य- पोलित ब्यूरो सदस्य माले, कुणाल- राज्य सचिव बिहार माले, जवाहरलाल सिंह - जिला सचिव माले भोजपुर, सुदामा प्रसाद, सांसद आरा लोकसभा, रामेश्वर प्रसाद - पूर्व सांसद आरा, लालदास राय - पूर्व एमएलसी, मनोज मंजिल - केंद्रीय कमिटी सदस्य व पूर्व विधायक अगिआंव, शिवप्रकाश रंजन - विधायक अगिआंव, अजित कुशवाहा- विधायक डुमरांव, राहुल तिवारी- विधायक शाहपुर, रामबाबू पासवान - राजद महासचिव, मनोज सिंह - राजद महासचिव, बीरबल यादव - जिला अध्यक्ष, राजद, ओम प्रकाश बिंद वीआईपी, उत्तम प्रसाद गुप्ता - जिला सचिव सीपीआइ, इंदु सिंह - जिला अध्यक्ष ऐपवा, कयामुद्दीन अंसारी - राज्य सचिव इंसाफ मंच, भाई दिनेश - पूर्व विधायक जगदीशपुर, अरुण यादव - पूर्व विधायक, संदेश, अनवर आलम- पूर्व विधायक आरा, आशा देवी- जिला परिषद की अध्यक्ष, लाल बिहारी सिंह - उपाध्यक्ष जिला परिषद , भीम यादव - जिला परिषद सदस्य, सलाम कुरैशी - कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष पीरो, राजनाथ पासवान,सभा का अध्यक्षता लाल बाबू यादव - प्रखण्ड अध्यक्ष तरारी, राजद और संचालन चंद्रदीप सिंह पूर्व विधायक व प्रखण्ड अध्यक्ष ने किया।

सभा के मुख्यवक्ता पूर्व सासंद रामेश्वर प्रसाद ने कहा कि यह ऐसी जगह है जहां वोट देने का अधिकार नही था लवकिं आपने अपनी जान गवां कर यह अधिकार प्राप्त किया है । यह धरती लोकतंत्र को खत्म करने वालों को परास्त करेगी।

राजू यादव ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि तरारी में हमारे लिए कोई चुनौती नही है यह केवल लला झंडा जीतेगी। तरारी में गरीबों की लड़ाई लाल झंडा ने लड़ी है। हम लोग जीतेंगे विधानसभा में जातीय जनगणना, मंहगाई, बेरोजगारी, संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग, किसानों की आय दुगुनी करने, उन्माद-उत्पात की राजनीतिक पर रोक, दलित-गरीबों की आवास एवं खाधान्य योजना बंद करने की साजिश पर रोक, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा जैसे प्रमुख सवालों को लेकर जिला आरा के तरारी क्षेत्र के उपचुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी जनता जनार्दन की तमाम समस्याओं को दूर करने की दिशा मे मजबूती से आवाज उठाएंगे। तरारी हमारे लिए कोई नई नही है।मैं कोई यहां चुनाव लड़ने नही आएं है।

महागठबंधन के नेताओं ने कहा कि इस चुनाव में एक जननेता को चुने की बारी है। राजू यादव के पिता जनता के सेवा में अपना जीवन बिता दिया लेकिन सामने जो उम्मीदवार हैं उनके पूरे परिवार का इतिहास आपराधिक है।

बाबा नागार्जुन स्मृति सम्मान से नवाजे गए कुमार बिंदु

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के पटना में हुए 106 वें स्थापना दिवस समारोह एवं 43 वें महाधिवेशन में रोहतास जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रख्यात कवि कुमार बिंदु को हिंदी भाषा एवं साहित्य की उन्नति में मूल्यवान सेवाओं के लिए बाबा नागार्जुन स्मृति सम्मान से नवाजा गया। वहीं, रोहतास जिले के एक अन्य युवा साहित्यकार हरेराम सिंह को भी साहित्यिक योगदान के लिए रामदयाल पांडेय सम्मान प्रदान किया गया। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ.अनिल सुलभ ने साहित्यकार द्वय को अंग वस्त्र और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। डा. सुलभ ने समारोह में रोहतास जिले की बालिका अनुकृति सिंह को सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की सदस्यता भी प्रदान की।

विदित हो कि कुमार बिंदु अस्सी के दशक से पत्रकारिता के साथ-साथ काव्य सृजन भी करते रहे हैं। अस्सी के दशक में ही इनकी ह्यपेड़ह्ल कविता का लब्ध प्रतिष्ठ कवि प्रभाकर माचवे ने मराठी में अनुवाद किया था। इसके अलावा इनकी कई कविताएं अंग्रेजी में भी अनुदित हुई हैं। कुमार बिंदु का काव्य संग्रह ह्यसाझे का संसार बहुचर्चित रहा है। वहीं, हरेराम

सिंह कवि एवं समालोचक के रूप में चर्चित हैं। हिंदी की दो महान सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं रामवृक्ष बेनीपुरी जी की पुण्य स्मृति को समर्पित बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के स्थापना दिवस समारोह एवं महाधिवेशन का संयुक्त रूप से उद् घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. सीपी ठाकुर और बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने दीप प्रज्जवलित करके किया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य चितरंजन भारती, डा. सुषमा कुमारी एवं लता प्रासर ने संयुक्त रूप से यह जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में महाप्राण निराला की काव्य दृष्टि, रामवृक्ष बेनीपुरी एवं उनकी भाव भाषा, विश्व बंधुत्व की अवधारणा और भारत, साहित्य के नए प्रश्न, आदि विषयों पर संगोष्ठी हुई। इसके अलावा काव्य पाठ का भी आयोजन किया गया। सम्मेलन के सम्मान सत्र में बिहार समेत देश के विभिन्न प्रदेशों से आए साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

ट्रॉफी गौरव यात्रा का रोहतास जिला में स्वागत सह अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) जिला के सासाराम मुख्यालय स्थित फैजलगंज स्टेडियम में खेल विभाग बिहार,बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, बिहार व रोहतास जिला प्रशासन के तत्वाधान में ह्लहॉकी का पर्व बिहार का गर्वह्व सोमवार की रोहतास जिलान्तर्गत एशियन हॉकी चैम्पियनशिप महिला 2024 ट्रॉफी गौरव यात्रा कार्यक्रम के तहत रोहतास जिला में ट्रॉफी गौरव यात्रा का स्वागत व अभिनंदन किया गया। जिसमें जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ जन प्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने की। उनके द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलीत कर किया गया। साथ ही उनके द्वारा आये हुए सभी पदाधिकारियों,जन प्रतिनिधियों, प्रेस मीडिया बंधुओं व इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों व छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि हमे हर्ष है कि हम इस ट्रॉफी गौरव का हिस्सा है, जो ट्रॉफी टेलिविजन पर देखा जाता है, उसे आज प्रत्यक्ष रूप से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस यात्रा का उद्देश्य यही है कि बिहार के पहले अंतराष्ट्रीय टूनार्मेंट का जश्न मनाना व टूनार्मेंट के बारे में उत्साह पैदा करना है। इस मौके पर करहगर विधायक संतोष मिश्र,अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दण्डाधिकारी चन्द्रशेखर प्रसाद सिंह, उप विकास आयुक्त विजय कुमार पाण्डेय, वरीय उप समाहर्त्ता ओम प्रकाश लाल, जिला सूचना व जन सम्पर्क पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मध्याहन भोजन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यालय से आये हुए बच्चों व हॉकी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। उक्त सभी पदाधिकारियों व ब्रांडिग बस के साथ आये हुए कर्मियों का स्वागत विनय प्रताप, वरीय उप समाहर्त्ता-सह-उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा, रोहतास के द्वारा किया गया। शारीरिक शिक्षक, उच्च विद्यालय गढ़नोखा सचिव, जिला हॉकी संघ के नरेन्द्र प्रसाद सिन्हा द्वारा रोहतास जिले के बेलाढ़ी उच्च विद्यालय में अभ्यासरत खिलाडियों को अपने स्तर से 20 हॉकी स्टीक उपलब्ध कराया गया तथा उनके द्वारा बताया गया की आने वाले समय में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए उनके द्वारा निरंतर कार्य किया जायेगा। वरीय उप समाहर्त्ता-सह-उपाधीक्षक विनय प्रताप व शारीरिक शिक्षा, रोहतास के द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया गया कि इससे पूर्व बिहार में कभी भी एशियन चैम्पियनशिप ट्रॉफी का आयोजन नहीं कराया गया था।

यह बिहार का सबसे बड़ा आयोजन है, जिसमें भारत के साथ-साथ चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड व मलेशिया की टीमें हिस्सा ले रही है। हमे गर्व है कि अब हम अंतराष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराने में सक्षम है। इससे बिहार की प्रतिष्ठा के साथ-साथ आर्थिक प्रगति भी होगी तथा नये-नये खिलाड़ी भी मिलेंगे। आने वाला दिन ओलंपिक में मेडलो की संख्या बढ़ाएगा ऐसी मेरी आशा और विश्वास है। मैं धन्यवाद करना चाहता हूं महानिदेशक सह मुख्यकार्यकारी अधिकारी रविन्द्रन शंकरन, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, बिहार, पटना को जो हम सभी को इस पल का हिस्सा बनने का मौका दिया। अवसर पर सोनी कुमारी, प्रभात पाठक शशि प्रताप सिंह, मो. महताब आलम, निशांत कुमार, वरूण कुमार सिंह, जयशंकर कुमार, सुनील चंद्रवंशी, नरेन्द्र कुमार यादव, करण कुमार, दीपचंद तिवारी, मुकेश कुमार व एकलव्य प्रशिक्षणक केन्द्र के समस्त प्रशिक्षु उपस्थित थे। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक रजनीश कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

शिक्षकों को इस संघ से जोड़ कर हम उनके हित में लडाई लड़ते रहेंगेः जिलाध्यक्ष हरेन्द्र

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान सचिव नन्द जी सिंह की अगुवाई मे आरा सासाराम मुख्य मार्ग स्थित गडहनी बनास नदी पुल के समीप चन्द्रहंस मार्केट के सभागार मे जिला प्राथमिक शिक्षक संघ भोजपुर के सभी जिला प्रतिनिधियों एवं जिले के सभी अंचलों के अध्यक्ष, सचिवो का अभिनंदन समारोह सह शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ गडहनी के तत्वावधान मे आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ समारोह मे आये हुए गणमान्य अतिथियों के सम्मान के साथ किया गया।इस अवसर पर संघ के जिला एवं अंचलो के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों सहित अन्य कई गणमान्य शिक्षको को अंगवस्त्र एवं फूलमाला के साथ सम्मानित कर उन सभी का अभिनंदन स्वागत किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्राथमिक शिक्षक संघ भोजपुर के अध्यक्ष हरेन्द्र प्रसाद राय ने कहा कि यह कार्यक्रम निरंतर चलता रहेगा और अधिक से अधिक शिक्षकों को इस संघ से जोड़ कर हम शिक्षकों के हित में लडाई लड़ते रहेंगे। वहीं ए आइ पी टी एफ के काउंसलर श्रीराम भूषण उपाध्याय एवं राज्य कार्यसमिति सदस्य परमात्मा पाण्डेय ने कहा कि शिक्षक एकजुट रहें। सरकार से अब हमारी सीधी लड़ाई आर पार की शुरू होने वाली है। अभिनन्दन समारोह को संबोधित करते हुए नन्द जी सिंह प्रधान सचिव एवं सम्पत कुमार राय कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की मंशा शिक्षकों के प्रति सही नहीं है। हम शिक्षकों को एकजुट रहकर सरकार के बेतुकी फरमानों का विरोध करने का समय आ गया है।इस अवसर पर वरीय उपाध्यक्ष चनेश्वर सिंह, उपाध्यक्ष डॉ तारकेश्वर सिंह, राजेन्द्र ओझा, उप प्रधान सचिव मुकेश श्रीवास्तव, संजय देवांशु, कार्यालय सचिव चितरंजन कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने सभी शिक्षकों को एक जुट रहकर सरकार की शिक्षकों को प्रताड़ित करने की नीति का विरोध करने हेतु आह्वान किया।समारोह की अध्यक्षता नागेन्द्र कुमार सिंह के द्वारा किया गया जबकि मंच संचालन जिला सचिव अब्दुल फरीद बख्शी ने किया।

डालमियानगर में अभिनव कला संगम के तत्वधान में संवाद कार्यक्रम संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

डेहरी (रोहतास) बिहार को खोया हुआ पहचान वापस दिलाने और बिहार के परिवर्तन को लेकर सभी को आगे आना होगा, तब जाकर बिहार विकाश करेगा। उक्त बातें बिहार के चर्चित आईपीएस और लेट्स इंस्पायर बिहार के सृजनकर्ता विकास वैभव ने रविवार को डालमियानगर ड्रीम हाउस में अभिनव कला संगम द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान उन्होंने बिहार के स्वर्णिम इतिहास पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है, तो बिहार के गौरव को फिर से लौटाना होगा और यह तभी संभव है, जब बिहार के युवा जाति और धर्म से ऊपर उठकर आगे आएंगे। कहा कि लेट्स इंस्पायर बिहार का तृतीय बृहद संवाद सम्मेलन 1 दिसंबर 2024 को रोहतास के फैजलगंज स्टेडियम में आयोजित होने वाला है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी की सहभागिता है। कहा कि रोहतास की मिट्टी से उन्हें काफी लगाव है। जहां उन्होंने नक्सल क्षेत्र में लोगों को असली आजादी दिलाई। जिस कारण अब वहां अमन - चैन है। जिस प्रकार रोहतास में बदलाव हुआ, उसी प्रकार बिहार में भी बदलाव लाना है। वहीं लॉ इंस्टिट्यूट दिल्ली के संस्थापक अलोक रंजन व समाजसेवी लव सिंह ने कहा कि एक दिसंबर को सासाराम में नमस्ते बिहार समारोह आयोजित होगा।

देशी शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

दिनारा (रोहतास), प्रातः किरण। पुलिस ने देशी शराब के साथ दो कारोबारी को किया गिरफ्तार। इस संबंध में भानस थानाध्यक्ष गुड़िया कुमारी ने बताया कि अवैध शराब कारोबारी सुरेश राम पिता स्व. बंगाली राम व कलेक्टर राम पिता सुरेश राम दोनों साकिम बसडीहा थाना भानस को 09 लीटर देशी महुआ शराब के साथ ग्राम बसडीहा से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

तरारी विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन समर्थित भाकपा माले के प्रत्याशी राजू यादव ने पीरो अनुमंडल में नामांकन किया पर्चा दाखिल

प्रातः किरण संवाददाता

आरा : भोजपुर के तरारी विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन समर्थित भाकपा माले के प्रत्याशी राजू यादव ने पीरो अनुमंडल में नामांकन का पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर इंडिया गठबंधन के सभी नेता कार्यकर्ता और विधायक पूर्व विधायक मौजूद रहे। नामांकन के बाद संदेश के पूर्व विधायक अरुण यादव भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल जी, आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, प्रत्याशी राजू यादव, कांग्रेस के नेता, मुकेश सहनी के पार्टी के जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के नेता राजद के नेता माकपा, भाकपा के नेता सहित सभी महागठबंधन के नेताओं ने एकजूटता का प्रतीक देते हुए मार्च निकाला। जिसमें काफी संख्या में समर्थक और नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार विधानसभा उपचुनाव के लिए एनडीए

के बाद महागठबंधन की ओर से भी उम्मीदवार उतार दिए गए हैं। महागठबंधन में तरारी विधानसभा सीट भाकपा (माले) के हिस्से में आई थी और पार्टी ने यहां से कामरेड राजू यादव को खड़ा किया है। कामरेड राजू यादव किसी परिचय के मोहताज नहीं। वे 2019 के लोकसभा चुनाव में आरा लोकसभा सीट से महागठबंधन समर्थित भाकपा माले उम्मीदवार थे। इस चुनाव में तकरीबन चार लाख 20 हजार वोट लाकर उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को काफी कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, उन्हें हार सामना करना पड़ा था, लेकिन 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में आरा से भाकपा माले के सुदामा प्रसाद संसद पहुंचने में कामयाब हुए। सुदामा प्रसाद के चुनाव जीतने पर तरारी सीट खाली हो गई। इसी कारण से इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। इस बार यहां भाकपा माले ने कामरेड राजू यादव को महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार बनाया है। पीरो हाई स्कूल में एक सभा का आयोजन किया गया इस सभा में राजद जिलाध्यक्ष विरबल यादव शाहपुर विधायक राहुल तिवारी डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा रामेश्वर प्रसाद लालदासराय शिव कुमार साह शैलेंद्र कुमार हाकिम प्रसाद मनोज मंजिल दिलराज प्रीतम चंदन कुमार क्या मुद्दीन अंसारी मुकेश यादव लाल बिहारी सिंह आशा देवी उपस्थित थे

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ खेलकूद सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय मानपुर कझाई बिक्रमगंज रोहतास के प्रांगण में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम तहत खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई। यह कार्यक्रम उक्त विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनीष तिवारी की देखरेख में तथा सभी शिक्षक की उपस्थिति में शुभारंभ हुई। जिसमें शिक्षक आलोक सिंह तथा अजय कुमार ने भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत

की। कार्यक्रम में उक्त विद्यालय की छात्रा आभा कुमारी व निक्की कुमारी ने दहेज प्रथा तथा भ्रूण हत्या पर गीत प्रस्तुति किया। जिसकी गाना को सुन उपस्थित लोगों ने काफी उसे सराहा। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने की।

कंगना रनौत की तारीफ करने पर मजबूर हुईं सामंथा रुथ प्रभु

कंगना रनौत अपनी अगली फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा एक्टिव नजर आती हैं। कंगना को अपनी पोस्ट के जरिए बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई राज खोलते देखा जा चुका है। साथ ही कंगना सितारों पर कटाक्ष करने का भी कोई मौका हाथ से नहीं जाने देती हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री ने चुड़ैल का असल अर्थ समझाया है। उन्होंने एक्स पर एक लंबा नोट लिखा है, जो सोशल मीडिया पर आते ही छा गया है। जॉन कॉलिन्स नाम के एक यूजर ने एक्स पर लिखा, चुड़ैलों से मत डरो, उन लोगों से डरो जिन्होंने उन्हें जलाया। इस ट्वीट को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, चुड़ैलें वे महिलाएं होती हैं जो अपने उच्च स्व से जुड़ी होती हैं, उनकी अंतर्ज्ञान, संक्रामक मुक्त आत्मा, अदम्य इच्छा शक्ति और सभी सीमाओं को तोड़ने की अनियंत्रित इच्छा उन्हें रहस्यमय, भयावह और उन लोगों के लिए खतरनाक बनाती है जो पिंजरे में बंद हैं और शापित हैं। कंगना रनौत ने आगे लिखा, पिंजरे में बंद लोगों का मानना है कि प्रतिभाशाली लोगों में कुछ बुरी शक्तियां होती हैं और उन्हें जलाकर राख कर देना चाहिए, दुख कई रूपों में मौजूद होता है और ईर्ष्या उन सभी में सबसे दयनीय है। आप ईर्ष्या करना या प्रेरित होना चुन सकते हैं। एक स्मार्ट विकल्प चुनें, जो लोग प्रेरित होना चुनते हैं वे चुने हुए हैं, पिंजरे को तोड़ें और मुक्त हो जाएं। सामंथा रुथ प्रभु ने रविवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कंगना के ट्वीट का स्क्रीनशॉट साझा किया। उन्होंने शब्द लिखा और कंगना रनौत को टैग भी किया। काम के मोर्चे पर कंगना रनौत द्वारा लिखित, निर्देशित और सह-निर्मित राजनीतिक ड्रामा इमरजेंसी लगातार देरी के बाद 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, अब इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणित किया जा चुका है। कंगना ने बताया कि जल्द ही नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी।

नरगिस फाकरी ऐसे बनीं रॉकस्टार का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक नरगिस फाखरी अपना जन्मदिन मना रही हैं। अमेरिका में मॉडलिंग की शुरुआत से लेकर नरगिस के लिए बॉलीवुड में सफर काफी दिलचस्प रहा है। नरगिस सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। आइए उनके जन्मदिन पर बताते हैं, उनकी जिंदगी और फिल्मों से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें।

अमेरिका में की थी मॉडलिंग की शुरुआत

नरगिस ने छोटी उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत की। नरगिस ने बहुत ही कम उम्र में मॉडलिंग में करियर बनाने की ठान ली। खबरों की मानें तो नरगिस ने 16 साल की उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी। नरगिस को पाकिस्तान और अमेरिका की नागरिकता प्राप्त है, इसके कारण वह खुद को वैश्विक नागरिक कहती हैं।

नरगिस ऐसे बनी थीं रॉकस्टार का हिस्सा

नरगिस ने अमेरिका में कई मॉडलिंग की एजेंसियों के लिए काम किया। इसके बाद साल 2009 के एक कैलेंडर में नरगिस नजर आई थीं। कैलेंडर से ही भारतीय फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली ने नरगिस को देखा। इम्तियाज अली ने इसके बाद नरगिस को अपनी फिल्म में लेने के लिए सोचा और यहीं से शुरुआत हुई नरगिस की बॉलीवुड यात्रा की। नरगिस को अपनी पहली फिल्म रॉकस्टार मिली।

हिंदी बोलने में नरगिस को होती थी परेशानी

नरगिस फाखरी ने अपना बचपन अमेरिका में बिताया, जिसके कारण उन्हें फिल्मों के डायलॉग को हिंदी बोलने में काफी दिक्कत आती थी। नरगिस की पहली बॉलीवुड फिल्म रॉकस्टार में उनका अभिनय शानदार प्रशंसकों ने सराहा, लेकिन उसमें उनकी आवाज नहीं थी। हिंदी भाषा में कमजोर होने के कारण नरगिस को उनकी फिल्म रॉकस्टार में आवाज मोना घोष शेट्टी ने दी थी।

हाउसफुल 5 की शूटिंग में बिजी हैं नरगिस

बॉलीवुड में नगरिस का करियर शानदार रहा है। नरगिस फाकरी ने रॉकस्टार के अलावा मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, किक, अजहर, हाउसफुल 3, ढिशुम, फटा पोस्टर निकला हीरो जैसी फिल्मों में काम किया है।रॉकस्टार से नरगिस को बॉलीवुड की दुनिया में अलग ही पहचान हासिल हुई। वर्कफ्रंट की बात करें तो नरगिस इन दिनों हाउसफुल 5 की शूटिंग में बिजी हैं।

विक्की ने फौजी 2 में एक्टिंग डेब्यू के लिए पत्नी अंकिता को दिया श्रेय

शाहरुख खान का पहला शो फौजी 36 साल बाद सीक्वल के साथ वापसी कर रहा है। 1988 में लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार कपूर द्वारा निर्देशित इस शो ने शाहरुख को एक प्रमुख भूमिका में टेलीविजन पर लॉन्च किया और उन्हें एक घरेलू नाम बना दिया। अब फौजी 2 का सीक्वल बन रहा है, जिसमें अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन भी नजर आने वाले हैं। अब हाल ही में, विक्की ने बताया कि शो में उनके अभिनय को लेकर पत्नी अंकिता का कैसा रिएक्शन था। हाल ही में, एक इंटरव्यू में विक्की ने कहा, मैं अभिनय करने के मौके को लेकर काफी भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। अब मुझे कैमरे का सामना करने का थोड़ा अनुभव है। इसलिए, यह मुश्किल नहीं था, लेकिन मुझे कहना होगा कि अभिनय करना काफी कठिन। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ अंकिता हैं। वह मेरी मदद करती है और मुझे समझाती है, लेकिन फिर उन्होंने मुझसे कहा कि यह मेरा समय है बस जाकर मौज-मस्ती करूं। अपनी पत्नी को पूरा श्रेय देते हुए विक्की कहते हैं, अंकिता मेरे लिए चट्टान की तरह रही हैं। अगर वह मेरी जिंदगी में नहीं होती तो मैं आज यहां नहीं होता। वह मुझे यह भरोसा दिलाती है कि हां तुम यह कर सकते हो और मैं वहां जरूर रहूंगी। जब कोई लगातार आपके साथ होता है, जो आपको सही समय पर ये बातें बता सकता है, तो यह काफी मदद करता है। विक्की ने आगे कहा, जब कभी-कभी आपको नहीं पता होता कि आप क्या कर सकते हैं, तो आपके लिए किसी ऐसे व्यक्ति का होना जरूरी है, जो आपको बता सके और आपके लिए सब कुछ आसान बना सके और अंकिता हमेशा से ऐसी ही रही हैं। आगे जब उनसे पूछा गया कि शो ने दूरदर्शन पर आने का फैसला क्यों किया तो उन्होंने कहा, दूरदर्शन की टीआरपी किसी भी अन्य जीईसी से बहुत बड़ी है क्योंकि इसे दूरदराज के इलाकों में देखा जा रहा है, जहां केबल और डिश अभी भी नहीं हैं।

सिटाडेल हनी बन्नी का हिस्सा थीं प्रियंका चोपड़ा, फिर कैसे कटा सीरीज से पत्ता?

सिटाडेल इंडिया को अब सिटाडेल- हनी बन्नी के नाम से जाना जाता है। इसकी कहानी रिचर्ड मैडेन-प्रियंका चोपड़ा के मूल शो सिटाडेल (रूसो ब्रदर्स द्वारा समर्थित) से निकली है। राज और डीके का सिटाडेल- हनी बन्नी शो के इतालवी संस्करण सिटाडेल- डायना की कहानी का अनुसरण करेगा। इसमें प्रियंका के किरदार नादिया से एक लिंक है। प्रियंका वरुण धवन और सामंथा के साथ हनी बन्नी का हिस्सा बनने जा रही थीं, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सीरीज के निर्माता और निर्देशक राज और डीके ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि ऐसा क्या हुआ कि चीजें बदल गईं-

सिटाडेल- हनी बन्नी का हिस्सा थीं प्रियंका चोपड़ा

राज और डीके ने एक इंटरव्यू में बताया कि प्रियंका सिटाडेल- हनी बन्नी का हिस्सा बनने वाली थीं, जिसमें वरुण धवन और सामंथा मुख्य भूमिका में हैं। दिलचस्प बात यह है कि वरुण और सामंथा, प्रियंका के किरदार नादिया के माता-पिता की भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार, प्रियंका को भी इस शो का हिस्सा होना था। हालांकि, अंतिम स्क्रिप्ट से अभिनेत्री का नाम हटाना पड़ा। ऐसा क्यों हुआ इसका खुलासा भी राज और डीके ने कर दिया है।

राज और डीके ने बताया बदलाव का कारण

निर्देशकों ने उल्लेख किया कि प्रियंका सीरीज के तीन ड्राफ्ट में से एक में थीं और वह पहले ड्राफ्ट में सीरीज का हिस्सा थीं। इस तरह हमें एक दिलचस्प समानांतर कहानी देखने को मिलने वाली थी। हालांकि, कोविड 19 प्रतिबंधों के कारण इसे शूट नहीं किया जा सका। प्रियंका के सेगमेंट को यूरोप में शूट किया जाना था लेकिन यह संभव नहीं हो सका क्योंकि लॉकडाउन के दौरान यात्रा करना प्रतिबंधित था। आखिरकार, उन्हें नादिया को सीधे कहानी में शामिल किए बिना एक और मसौदा देखना पड़ा।

कब होगा सिटाडेल- हनी बन्नी का प्रीमियर

सिटाडेल- हनी बन्नी में वरुण धवन और सामंथा के अलावा के के मेनन और साकिब सलीम भी हैं। वरुण और सामंथा एक ऐसे जोड़े की भूमिका निभाते हैं जो संयोगवश एक जासूसी एजेंसी में शामिल हो जाते हैं। वे नादिया (प्रियंका चोपड़ा) के माता-पिता भी हैं। द फैमिली मैन के निर्माता राज और डीके द्वारा निर्देशित यह सीरीज 7 नवंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

गंदी बात ने बढ़ाईं एकता कपूर की मुश्किलें

ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज 'गंदी बात' में धड़ल्ले से बोल्ड कंटेंट परोसा गया। सीरीज को लेकर काफी विवाद भी हुआ। वहीं, अब इसकी निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर मुसीबतों में फंस गई हैं। दोनों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गंदी बात सीजन 6 के एक एपिसोड में नाबालिग लड़कियों के अश्लील सीन दिखाए गए। इसी कारण एप की पुरानी निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

मुंबई के बोरीवली स्थित एमएचबी पुलिस थाने में स्थानीय नागरिक ने ऑल्ट बालाजी की पूर्व निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसमें दावा किया गया है कि फरवरी 2021 से अप्रैल 2021 के बीच 'ऑल्ट बालाजी' पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'गंदी बात' में नाबालिग लड़कियों के आपत्तिजनक सीन दिखाए गए। जानकारी हो कि सीरीज की स्ट्रीमिंग के बाद से ही बवाल मचा हुआ था। यही कारण है कि यह विवादित एपिसोड अब एप पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध नहीं है। एकता कपूर की सीरीज को लेकर दर्ज हुई शिकायत में यह भी आरोप लगा है कि इसमें सिगरेट के विज्ञापन का इस्तेमाल करते हुए महापुरुषों और संतों का अपमान किया गया है। सीन को आपत्तिजनक और भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताने गया है। इतना ही नहीं सीरीज में कुछ ऐसे सीन के प्रदर्शन का भी आरोप लगा है, जो पोक्सो के नियमों का उल्लंघन करते हैं। दरअसल, मद्रास हाई की तरफ के कहा गया था इस तरह की एक्टिविटी को अपराध में शामिल नहीं जा सकता, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया था कि बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट को पब्लिश करना, डाउनलोड करना और देखना गुनाह के तहत आएगा।

स्त्री 3 को लेकर चरम पर श्रद्धा कपूर का उत्साह

श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री-2 ने भारत में 597.41 करोड़ की कमाई करते हुए बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। इस फिल्म की सफलता से श्रद्धा बहुत खुश हैं। वह इस फिल्म को अपने करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक मानती हैं। लेकिन स्त्री-2 के हिट होने के बाद से ही इस फिल्म के क्रेडिट को लेकर काफी कंट्रोवर्सी क्रिएट हुई थी। फिल्म स्त्री-2 के ही एक कलाकार अपारशक्ति खुराना ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि लोग अपने पीआर की मदद से फिल्म का सारा क्रेडिट लेना चाहते हैं। दरअसल, अपारशक्ति का इशारा श्रद्धा कपूर की तरफ था क्योंकि मीडिया में बार-बार स्त्री-2 को श्रद्धा की फिल्म कहा जा रहा था जबकि फिल्म में दूसरे कलाकारों का योगदान भी बराबर का था। अब क्रेडिट की इस बहस को श्रद्धा ने खत्म कर दिया है। साथ ही उन्होंने स्त्री-3 को लेकर भी उत्साह जताया है। श्रद्धा कपूर हाल ही में एक लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं, इसमें मीडिया ने एक बार फिर उनसे फिल्म स्त्री-2 के क्रेडिट को लेकर सवाल किया। जिस पर उनका कहना था मैं इस फिल्म की सफलता का श्रेय फिल्म से जुड़े सभी लोगों को देना चाहती हूं। श्रद्धा कहती हैं, फिल्म के डायरेक्टर, प्रोड्यूसर को मेरा सलाम है, जिन्होंने स्त्री के सीक्वल पर इतना बेहतरीन काम किया। इसके अलावा फिल्म के दूसरे एक्टर्स, डॉयलॉग राइटर और सभी डिपॉर्टमेंट्स को भी स्त्री-2 की सफलता का श्रेय जाता है। उन सबकी मेहनत के कारण ही दर्शक फिल्म को देखने के लिए थिएटर तक आए हैं।

फिल्म स्त्री-3 को लेकर भी हैं उत्साहित

फिल्म स्त्री-3 को लेकर भी श्रद्धा कपूर एक बड़ी खबर साझा करती हैं। वह कहती हैं, डायरेक्टर अमर कौशिक ने हाल ही में मुझे बताया है कि उनके पास स्त्री-3 को लेकर एक कहानी है। यह बात सुनकर तो मैं बहुत एक्साइटेड हो गई थी। मुझे पता है कि अगली फिल्म भी बहुत ही अमेजिंग होगी। इसलिए मैं तो बिल्कुल भी इंतजार नहीं कर सकती हूं और जल्द से जल्द ही स्त्री-3 की कहानी सुनना चाहती हूं।

सुमित व्यास ने वीरे दी वेडिंग सेट की याद की ताजा

अभिनेता सुमित व्यास को उनकी वेब सीरीज परमानेंट रूममेट्स के लिए जाना जाता है। उन्होंने टीवी शो के अलावा कुछ फिल्मों में भी काम किया है। फिल्मों में शामिल है करीना कपूर की फिल्म वीरे दी वेडिंग। इस फिल्म में सुमित ने करीना के साथ काम किया है। फिल्म में काम करने को लेकर करीना ने कहा कि करीना एक बड़ी अभिनेत्री के तौर पर कैसी हैं। एक इंटरव्यू के दौरान सुमित ने करीना के बारे में खुलकर बात की है। सुमित ने कहा, उस समय तो बहुत बड़ी स्टार थी करीना कपूर, इतनी फिल्में वो कर चुकी थी फिर भी मैं देखता था सेट पर धैर्य से काम करती थीं। कभी उनको मैंने परेशान होते नहीं देखा कि मेरा शॉट क्यों नहीं लग रहा है। मैं इंतजार कर रही हूं। ऐसा कुछ भी नहीं, चुपचाप बैठी रहती है।

करीना ने कहा कि हर फिल्म का अपना एक दर्शक वर्ग होता है, जो उस फिल्म को देखने आते हैं। अभिनेत्री ने फिल्मों के चुनाव को लेकर उनमें आई परिपक्वता को लेकर कहा कि उनके कम सफल शुक्रवार अब अतीत का हिस्सा हो गए हैं। इसका श्रेय वो उनकी उम्र, समझ और परिपक्वता को देती हैं। हाल में ही उन्होंने मिस मालिनी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान खुद को फिल्म को लेकर बुद्धिमान बताया है।

रतन टाटा के जाते ही टाटा ग्रुप में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन के बाद उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन बनाया गया है। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में करीब 66 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा संस 165 अरब डॉलर के टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। इससे टाटा ट्रस्ट्स की अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है। नोएल टाटा के टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन बनने के बाद इसमें एक अहम बदलाव हुआ है। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी अब स्थायी सदस्य बन गए हैं। इससे पहले नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिए होती थी। गुरुवार को दोनों ट्रस्टों की बोर्ड बैठक में यह फैसला लिया गया। 67 साल के नोएल टाटा को 11 अक्टूबर को चेयरमैन बनाए जाने के बाद ट्रस्ट्स की यह दूसरी बैठक थी। टाटा संस में सर रतन टाटा ट्रस्ट की 27.98 फीसदी और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की 23.56 फीसदी हिस्सेदारी है। यानी टाटा संस में इन दोनों ट्रस्टों की 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है।

अब फिरेंगे अनिल अंबानी के दिन! 6,000 करोड़ रुपये के प्लान को शेयरहोल्डर्स ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी के लिए गुड न्यूज है। उनकी कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरधारकों ने प्रीफेरेंशियल इश्यू के जरिए शेयर जारी करने और क्यूआईपी रूट के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की कंपनी की योजना को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दोनों प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। पोस्टल बैलट के जरिए से प्रस्तावों के पक्ष में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ने 19 सितंबर को 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी थी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयरों या परिवर्तनीय वारंट के तरजीही आवंटन के जरिए जुटाए जाने थे, जबकि 3,000 करोड़ रुपये क्यूआईपी के जरिए जुटाए जाएंगे। पहले चरण में, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर 240 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 12.56 करोड़ इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करके 3,014 करोड़ रुपये का तरजीही नियोजन शुरू कर रहा है। इसमें से 1,104 करोड़ रुपये रिलायंस इन्फ्रा के प्रमोटर अपनी कंपनी राइजी इनफिनिटी के जरिए निवेश करेंगा। राइजी कंपनी के 4.60 करोड़ शेयर खरीदेगी।

वाहनों का निर्यात 14 फीसदी बढ़ा, मारुति सुजुकी ने चालू वित्त वर्ष में शीर्ष पर जमाया है कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश से वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 25,28,248 इकाई पहुंच गया। यात्री और दोपहिया वाहनों में तेजी से निर्यात बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 22,11,457 वाहनों की निर्यात किया गया था।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-सितंबर में कुल 3,76,679 यात्री वाहनों का निर्यात किया गया। यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में 12 फीसदी अधिक है।

दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़कर 19,59,145 इकाई पहुंच गया। इनमें स्कूटर के निर्यात में 19 फीसदी और मोटरसाइकिल में 16 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 12 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 35,731 इकाई पहुंच गया। हालांकि, तिपहिया वाहनों का निर्यात एक फीसदी घटकर 1,53,199 इकाई रह गया।

2023-24 में 5.5 फीसदी की गिरावट

विभिन्न विदेशी बाजारों में मौद्रिक संकट के कारण 2023-24 के दौरान वाहन निर्यात में 5.5 फीसदी की गिरावट आई थी। इस दौरान कुल 45,00,492 वाहनों का निर्यात किया गया, जबकि 2022-23 में यह आंकड़ा 47,61,299 था।

शैलेश चंद्र ने दी जानकारी

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका जैसे बाजार जहां किसी न किसी वजह से सुस्ती थी, वहां अब स्थिति में सुधार हुआ है। इस वजह से निर्यात में उछाल आया है। इसके साथ ही बात अगर मारुति सुजुकी के इस साल के प्रदर्शन की करें तो चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में मारुति सुजुकी 1,47,063 वाहनों के निर्यात के साथ शीर्ष पर रही। कंपनी का निर्यात 12 फीसदी बढ़ा है। हालांकि, ह्युंडई मोटर इंडिया का निर्यात एक फीसदी घटकर 84,900 इकाई रह गया।

रेलवे हर साल गुटखे के दाग साफ करने पर खर्च करता है 1200 करोड़, अब लाया नया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वच्छ भारत अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद कुछ लोगों में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की आदत में बदलाव लाना कठिन साबित हो रहा है। लोग शायद यह नहीं समझते कि इससे कितना नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, भारतीय रेलवे हर साल पान-गुटखा के दाग साफ करने के लिए करीब 12,000 करोड़ रुपए खर्च करता है। अब रेलवे इससे निपटने के लिए नया प्लान लेकर आई है, जिससे खर्च में कमी आएगी। हालांकि, रेलवे इस समस्या से निपटने के लिए एक नया समाधान लेकर आया है। योजना के तहत स्टेशन परिसर में स्पिटर कियोस्क लगाए जाएंगे, जिन्हें आम जनता उपयोग कर सकेगी।

रेलवे देश भर के 42 स्टेशनों में ऐसे कियोस्क लगाने जा रहा है। इन कियोस्क में थूकने के लिए स्पिटून पाउच उपलब्ध होंगे, जिनकी कीमत 5 से 10 रुपए के बीच होगी। रेलवे को उम्मीद है कि लोग इन स्पिटून का उपयोग करेंगे

सरकारी बैंकों को रिकॉर्ड लाभ, अब पांच साल बाद मुख्य महाप्रबंधक पद बढ़ाने पर मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंकों (पीएसबी) के बढ़ते कारोबार और रिकॉर्ड लाभ को देखते हुए वित्त मंत्रालय इनमें मुख्य महाप्रबंधकों के पदों को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। मौजूदा सरकारी निर्देशों के मुताबिक, पीएसबी में चार महाप्रबंधकों के लिए एक मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) हो सकता है। सूत्रों ने बताया, ये निर्देश 2019 में जारी किए गए थे। इसके बाद से कोविड-19 महामारी के बावजूद सरकारी बैंकों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वित्त मंत्रालय के तहत कार्यरत वित्तीय सेवा विभाग सीजीएम पदों की समीक्षा कर रहा है। निर्देशों में ढील देने का फैसला गहन जांच और बैंकों के कारोबार को आगे बढ़ाने की जरूरत पर विचार के बाद लिया जाएगा। सीजीएम पद 2019 में 10 राष्ट्रीयकृत बैंकों के चार बड़े बैंकों में विलय के बाद बनाया गया था।

इसके अलावा, सरकारी बैंकों ने वित्तीय सेवा विभाग से यह अनुरोध किया है कि निदेशक मंडल को उनकी कारोबारी जरूरतों के अनुसार पदों की संख्या तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में करीब चार लाख अधिकारी कार्यरत हैं। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा, जीएम/ डीजीएम/एजीएम का मौजूदा अनुपात 1:3:9 है। यह 2016 की स्थिति पर आधारित है और बेहतर कार्यात्मक नियंत्रण के लिए इसकी समीक्षा होनी चाहिए। इससे वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति में सुधार करने में मदद मिलेगी।

बीते वित्त वर्ष में सरकारी बैंकों कुल संयुक्त मुनाफा 1.41 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 35 फीसदी अधिक है। 2022-23 में 12 सरकारी बैकों ने मिलकर 1,04,649 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। 2023-24 के दौरान सरकारी बैंकों के कुल मुनाफे में एसबीआई की हिस्सेदारी 40 फीसदी से अधिक रही थी। इस दौरान, एसबीआई को 61,077 करोड़ का लाभ हुआ था। पंजाब नेशनल बैंक का मुनाफा सर्वाधिक 228 फीसदी बढ़कर 8,245 करोड़ पहुंच गया था।

खटाखट चीन जा रहा है पैसा! महीना भी पूरा नहीं हुआ और 10 अरब निकाल चुके विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में बिकवाली का सारा रेकॉर्ड तोड़ दिया है। अक्टूबर के त्यौहारी महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों अब तक लगभग 10 अरब डॉलर का निवेश निकाल चुके हैं। यह मार्च 2020 में कोरोना महामारी के कारण बाजार में आई गिरावट के दौरान देखी गई 7.9 अरब डॉलर (58,632 करोड़ रुपये) की बिकवाली से भी अधिक है। तब घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 55,595 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी लेकिन इसके बावजूद निफ्टी में 23 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अक्टूबर में अब तक एफआइआइ ने 83,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जबकि डीआइआइ ने 74,200 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। डीआईआई में ज्यादातर म्यूचुअल फंड हैं। लेकिन इस बार अच्छी बात यह है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली से खुदरा निवेशक घबराए नहीं हैं और इस महीने में निफ्टी में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। एफआइआइ की बिकवाली के बीच डीआइआइ ने कैलेंडर वर्ष में अब तक 4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खरीदारी की है। एलारा सिक्योरिटीज के अनुसार भारत के समर्पित फंडों में प्रवाह की गति 2022 के बाद पहली बार धीमी हो गई है जबकि चीन में विदेशी फंड का प्रवाह लगातार चौथे सप्ताह जारी रहा।

उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सफलतापूर्वक आईपीओ की घोषणा की, इसका लक्ष्य भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में विस्तारित विकास है !

नई दिल्ली, एजेंसी। उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (यूएफएसएल), एक प्रमुख आरबीआई पंजीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), अपनी बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए तैयारी कर रही है। यह एमएसएमई ऋण के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की दिशा में यह एक मील का पत्थर है। हरित वित्त, और पूरे भारत में वंचित समुदायों का सशक्तिकरण। यूएफएसएल का आईपीओ 18 राज्यों और 280 जिले, जिनमें दिल्ली एनसीआर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य शामिल हैं, इनमें 20,000 से अधिक ग्राहकों को नवीन वित्तीय समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता को मजबूत करने में और कंपनी को अपना पूंजी आधार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह रणनीतिक कदम हरित वित्त, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) वित्तपोषण में कंपनी के नेतृत्व को मजबूत करेगा, जो इसकी विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ है। उषा फाइनेंशियल की सीईओ गीता गोस्वामी ने आगामी आईपीओ पर टिप्पणी करते हुए कहा कि - आईपीओ यूएफएसएल को वित्तीय अंतराल को पाटने और छोटे व्यवसायों, उद्यमियों को सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सक्षम करेगा। इस आय से हमें अपने परिचालन को बढ़ाने, अपने भौगोलिक पदचिह्न का विस्तार करने और प्रमुख बाजारों में अपनी ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ाने की अनुमति मिलेगी।

देश के बड़े उद्योग घरानों पर साइबर हमले का खतरा बढ़ गया है

इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर अडानी ग्रुप तक शामिल हैं

इस खतरे से निपटने के लिए अधिकारी स्तर तक तैयारी की जा रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की बड़े कॉर्पोरेट घराने जैसे मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप, अडानी ग्रुप, टाटा ग्रुप, वेदांता आदि पर एक खतरा मंडराने लगा है। सिर्फ ये बड़े कॉर्पोरेट घराने ही नहीं, कई और कंपनियों इसके निशाने पर हैं। इनमें मारुति सुजुकी इंडिया, आरपीजी आदि शामिल हैं। यह खतरा है साइबर अटैक का। हैकर्स इन कंपनियों में सेंध लगाने को तैयार बैठे हैं।

कई मामले आए सामने

साइबर अटैक के कई मामले सामने आए हैं। साल की शुरुआत में एक

बड़ी फाइनेंस कंपनी इसका शिकार हुई थी। इस कंपनी की काफी संवेदनशील वित्तीय जानकारी लीक हो गई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति बताया कि लीक के इस मामले को आंतरिक रूप से संभाल लिया गया था और इसे दबा दिया गया था। दूसरी घटना हाल ही में एक बड़ी इंजीनियरिंग कंपनी के साथ हुई। इस कंपनी ने कच्चे माल की आपूर्ति के लिए एक बैंक अकाउंट में काफी बड़ी रकम ट्रांसफर कर दी थी। जबकि यह रकम उस कंपनी के पास पहुंची ही नहीं, जिसके अकाउंट में इस इंजीनियरिंग कंपनी ने पैसा भेजा था। दरअसल, यह कंपनी फिशिंग अटैक का शिकार हुई थी। ग्रांट थॉर्नटन के साइबर पार्टनर अक्षय गार्केल ने कहा कि यह रकम सात अंकों में थी।

माइक्रोसॉफ्ट पर अटैक

साइबर अटैक से दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी अछूती नहीं रही है। कुछ महीने बड़े पैमाने पर माइक्रोसॉफ्ट आईटी आउटेज हुआ। इसमें दुनियाभर के सिस्टम को प्रभावित किया। कई फ्लाइट उड़ान नहीं भर पाई थीं। पेमेंट सिस्टम से लेकर इमरजेंसी सर्विस तक काम नहीं कर पाई थीं। एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ हो गई थी। इस गड़बड़ी को सही करने के बाद बोर्ड ने अपने मैनेजमेंट से यह समीक्षा करने को कहा कि उनके सिस्टम और डेटा कितने सुरक्षित हैं।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन शुरू करने की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत में एक लीडिंग स्टील ट्यूब्स और पाइप्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसने अपने रूफटॉप पर सोलर इंस्टालेशन और ओपन एक्सेस एग्रीमेंट्स से प्राप्त 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन शुरू करने की घोषणा की है। यह स्ट्रेटिजिक मूव स्थिरता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को बढ़ाता है और पर्यावरण की दृष्टि से ज़िम्मेदार मैन्युफैक्चरिंग में इसके नेतृत्व को मज़बूत करता है।

इस इनिशिएटिव में मुख्य रूप से ग्रुप कैप्टिव ओपन एक्सेस सोलर प्रोजेक्ट के माध्यम से 3 मेगावाट की आपूर्ति शामिल है, जो इसके साणंद यूनिट सेकंड फेज 1 में एक नए स्थापित 1 मेगावाट के रूफटॉप सोलर प्लांट द्वारा पूरक है, जो कंपनी को डायरेक्टर साइट पर रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। इस लेटेस्ट डेवलपमेंट के साथ, हाई-टेक पाइप्स की कुल सोलर एनर्जी खपत 13.5 मेगावाट तक पहुंच गई है, जिससे कंपनी अपने पर्यावरण, सामाजिक और शासन उद्देश्यों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए ऊर्जा लागत में महत्वपूर्ण कटौती हासिल कर सकी है। भारत सरकार ने 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए मिशन लिया है, जिसका लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन को 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक कम करना है। इस मिशन को प्राप्त करने के लिए, सरकार सोलर और विंड एनर्जी व अन्य एनवायरनमेंटल फ्रेंडली उपायों के साथ द्वारा ग्रीन पावर के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। हाई-टेक पाइप्स को इस राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ अपनी पहल को संरेखित करने पर गर्व है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन, अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन की शुरुआत के साथ अपनी ग्रीन एनर्जी पहल का विस्तार करने के लिए रोमांचित हैं। इस प्रगति से न केवल बिजली की लागत में महत्वपूर्ण बचत होती है, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं के प्रति हमारी चल रही प्रतिबद्धता और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी प्रदर्शित होती है। ग्रीन पावर का उपयोग करके, हाई-टेक नॉन-रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, जिससे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान मिल रहा है। इस कदम से महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे कंपनी को इनोवेटिव सॉल्यूशंस में और इन्वेस्ट करने और ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ाने में मदद मिलेगी। अपनी व्यापक सस्टेनेबिलिटी स्ट्रेटजी के हिस्से के रूप में, हाई-टेक एडिशनल रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशंस की खोज के लिए समर्पित है जो उसके ईएसजी लक्ष्यों के अनुरूप हैं, जो पर्यावरण और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले समुदायों दोनों पर सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करते हैं।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए अब तक की सबसे ज़्यादा सेल्स अनाउंस की

मुंबई, एजेंसी। कृषि उत्पाद एफएमसीजी सेक्टर में आईएसओ 22000:2018 और यूएसएफडीए प्रमाणित अग्रणी सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के दौरान बिक्री में 500 करोड़ रुपये को पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि एसएफएल की प्रीमियम पेशकशों, विशेष रूप से निंबार्क ब्रांड के तहत इसके ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करती है, जिसने गुणवत्ता के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण उल्लेखनीय प्रॉफिट ग्रोथ को प्रेरित किया है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए, फाइनेंशियल ईयर 24 की समान अवधि की तुलना में, कंपनी ने निम्नलिखित फाइनेंशियल रिजल्ट्स रिपोर्ट किए - कुल रेवेन्यू 504.36 करोड़ रुपये रहा, जो 392.90 करोड़ रुपये से 28.37 प्रतिशत की वृद्धि है। एबीटा 35.53 प्रतिशत बढ़कर 25.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 34.14 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध लाभ में 45.22 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7.74 करोड़ रुपये की तुलना में 11.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही बनाम फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी छमाही के लिए आधे की आधे तुलना में, कुल रेवेन्यू 5.80 प्रतिशत बढ़कर 476.69 करोड़ रुपये से 504.36 करोड़ रुपये हो गया। एबीटा 11.57 प्रतिशत बढ़कर 30.60 करोड़ रुपये से बढ़कर 34.14 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध लाभ में 24.34 प्रतिशत का सुधार हुआ और यह 9.04 करोड़ रुपये की तुलना में 11.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन, श्री रोहित गुप्ता ने कहा कि, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के दौरान बिक्री में 500 करोड़ रुपये को पार कर गई है - जो कंपनी के इतिहास में हमारी उच्चतम बिक्री है। यह शानदार परफॉर्मेंस प्रोडक्ट इनोवेशन के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता को दर्शाता है। विशेष रूप से निम्बार्क ब्रांड के तहत हाई-क्वॉलिटी पेशकश विकसित करने पर हमारा स्ट्रेटिजिक फोकस स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं को पसंद आया है जो अपने भोजन में प्रामाणिकता और स्वाद चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, हमारे उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता क्वॉलिटी और सस्टेनेबिलिटी के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। इसके अलावा, हम एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेस और इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के मिशन के साथ अपने किसानों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, जिससे हमारी सप्लाई चेन मज़बूत हो रही है। जैसे-जैसे हम विकसित हो रहे हैं और बाज़ार की मांगों के अनुरूप ढल रहे हैं, मुझे विश्वास है कि हमारी इनोवेटिव अप्रोच आगे विकास को बढ़ावा देगी और सभी हितधारकों के निरंतर समर्थन से कृषि-खाद्य क्षेत्र में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति मज़बूत होगी।

कैगिसो रबाडा ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट का कीर्तिमान हासिल किया, वकार यूनिस का रिकॉर्ड तोड़ा

ढाका (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने 12,000 से कम गेंदों में 300 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज गेंदबाज बन गए। तेज गेंदबाज ने मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। ??

दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम का विकेट लेने के साथ ही रबाडा ने दिग्गज तेज गेंदबाज वकार यूनिस (12,602 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने पूर्व प्रोटियाज तेज गेंदबाज डेल स्टेन (12,605 गेंद) को भी पीछे छोड़ दिया। रबाडा लाल गेंद के प्रारूप में 300 विकेट पूरे करने वाले छठे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बन गए। वह इस सूची में स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी,

एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गए।

मैचों के लिहाज से भारत के रविचंद्रन अश्विन 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। इस बीच रबाडा का 39.3 का स्ट्राइक रेट 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। अपना 65वां टेस्ट खेल रहे रबाडा ने 3-26 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट चटकाए और बांग्लादेश को पहली पारी में 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर फैसला उलटा कर दिया। बांग्लादेश शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रहा और 41 ओवर में ही ढेर हो गया।

बांग्लादेश पहली पारी में 106 रन पर ऑलआउट

बांग्लादेश की टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मीरपुर टेस्ट की पहली पारी में 106 रन पर ऑलआउट हो गई है। मुकाबले के पहले दिन सोमवार को बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी।टीम की ओर से ओपनर महमुदुल हसन जॉय ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। टीम के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। ओपनर शादमान इस्लाम 0, मोमिनुल हक 4, कप्तान नजमुल हसन शांतो 7, मुश्फिकुर रहीम 11, लिटन दास 1 और मेहदी हसन मिराज 13 रन बनाकर आउट हुए। कगिसो रबाडा, वियान मुल्डर और केशव महाराज को 3-3 विकेट मिले।

बाबर आजम, शाहीन अफरीदी जिम्बाब्वे सीरीज से होंगे बाहर; युवाओं को मौका देगा पीसीबी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी बाबर आजम और शाहीन अफरीदी ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बाद जिम्बाब्वे के व्हाइट-बॉल दौरे से बाहर होने वाले हैं। क्रिकेट पाकिस्तान डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जिम्बाब्वे सीरीज के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देने और युवा क्रिकेटरों को अवसर देने के इच्छुक हैं।

बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के साथ मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह जैसे खिलाड़ियों को भी सीरीज के लिए आराम दिया जा सकता है। हालांकि इन सभी को जिम्बाब्वे से पहले खेली जाने वाली ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने जाने की संभावना है। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे में तीन टी20 और तीन वनडे खेलने हैं, जिसमें पहला वनडे 24 नवंबर से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी पाकिस्तान तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा और यह दौरा 4 नवंबर से शुरू होगा तथा अंतिम टी20 मैच 18 नवंबर को खेला जाएगा, जो जिम्बाब्वे सीरीज की शुरुआत से कुछ दिन पहले होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट हाल ही में उथल-पुथल से गुजर रहा है, क्योंकि टी20 विश्व कप और टेस्ट क्रिकेट में नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे हैं। प्रबंधन, नेतृत्व में कई बदलाव हुए हैं और पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के साथ नसीम शाह और सरफराज अहमद को टीम से बाहर कर दिया गया।

नई चयन समिति ने अपने स्टार खिलाड़ियों को बाहर करने का साहसिक निर्णय लिया और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया, जिसमें पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट जीता। अब वे पाकिस्तान क्रिकेट में प्रतिभाओं की संख्या बढ़ाने के इच्छुक हैं और जिम्बाब्वे सीरीज कुछ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले घरेलू खिलाड़ियों को आजमाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करती है।

अमेरिकी गायक कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए विराट-अनुष्का

● पहला टेस्ट हारने के बाद बेंगलुरु से मुंबई पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा रविवार रात अमेरिकी गायक कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए। वे न्यूजीलैंड से बेंगलुरु टेस्ट हारने के बाद सीधे मुंबई के लिए रवाना हुए और समारोह में हिस्सा लिया।

इस समारोह के आयोजकों ने सोशल मीडिया में फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- विराट और अनुष्का मुंबई में कृष्णा दास लाइव में हमारे साथ शामिल हुए, आशीर्वाद लिया और शांत वातावरण का आनंद लिया। उनकी उपस्थिति ने सामूहिक भक्ति को और बढ़ा दिया, जिससे यह सभा और भी खास हो गई।

विराट कोहली ने बेंगलुरु टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में 70 रन बनाए थे। वे तीसरे दिन की आखिरी बॉल पर आउट हुए थे। पहली पारी में वे खाता भी नहीं खोल सके थे।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

टिलेक्सकला (मैक्सिको) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0.6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी। भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4.2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे। भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26 . 27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30.28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27.25 से जीत दर्ज की। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे।

महिला टी20 विश्व कप जीतकर मालामाल हुई न्यूजीलैंड टीम

खिलाड़ियों में बांटे जाएंगे 2.3 मिलियन डॉलर

वेलिंगटन (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा। इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे।

पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे। न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया। फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी मायेर ने कहा, 'इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, 'हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।

कप्तान के तौर पर सोफी डिवाइन का यह न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच था। उन्होंने बेट्स के साथ 2009 से अब तक आयोजित सभी नौ टी20 विश्व कप में खेले हैं। न्यूजीलैंड 2009 और 2010 में पहले दो टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचा था। दोनों मौकों पर उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

बेट्स ने कहा, ''हमारे लिये यह सब कुछ है। जब आप टीम मैच खेलते हैं, तो आप विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमने शीर्ष पर वापसी के लिए संघर्ष किया है। वह (डिवाइन) इस टीम का बहुत शानदार तरीके से नेतृत्व कर रही हैं। वह बहुत शांत स्वभाव की है और सभी खिलाड़ियों पर भरोसा करती है। हम शायद बाद में और भी लंबे समय तक गले मिलेंगे क्योंकि हमने एक साथ कुछ बुरे समय भी देखे हैं और यह बात सिर्फ हमारे ड्रेसिंग रूम के लोग ही समझ सकते हैं।

चेन्नई ग्रांडमास्टर्स शतरंज

अर्जुन होंगे टॉप सीड, फीडे सर्किट जीतकर कैंडिडैट में बना सकते है जगह

चेन्नई (एजेंसी)। पिछले वर्ष अपने पहले संसकरण से गुकेश के लिए फीडे कैंडिडैट का रास्ता खोलने वाला चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट इस बार फिर से 5 नवंबर से 11 नवंबर तक भारतीय खिलाड़ी विशेषकर अर्जुन के लिए एक बड़ा मौका लेकर आ रहा है । पिछले बार इसी टूर्नामेंट में गुकेश पहले और अर्जुन दूसरे स्थान पर थे और गुकेश नें फीडे सर्किट जीतकर फीडे कैंडिडैट में जगह बना ली थी और फिर उन्होने मार्च में कनाडा में कैंडिडैट जीतकर विश्व चैंपियनशिप खेलने की पात्रता हासिल कर ली ।

इस बार अभी तक दुनिया के वर्तमान नंबर 3 खिलाड़ी भारत के अर्जुन एरीगैसी फीडे सर्किट में 102 अंक लेकर सबसे आगे चल रहे है और अगर वह चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करते है तो उनके लिए कैंडिडैट में जगह पाने का सपना और करीब आ जाएगा ।

इस बार अर्जुन एरीगैसी (2797) के अलावा भारत से विदित गुजराती (2726) और अरविंद चितांबरम (2698) भी इसमें भाग ले रहे है जबकि दुनिया के अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में यूएसए के लेवोन अरोनियन (2738), फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (2735), और ईरान के परहम मघसूदलू (2719) जैसे नाम शामिल हैं।

इस बार टूर्नामेंट दो वर्गों में आयोजित हो रहा है , मास्टर्स वर्ग के अलावा चैलेंजर्स वर्ग इस साल का नया आकर्षण है। इसका उद्देश्य उभरती भारतीय प्रतिभाओं को मौका देना है। इसमें रौनक साधवानी (2659), अभिमन्यु पुराणिक (2639), कार्तिकेयन मुरली (2624), लियोन मेंडोंका (2622), प्रणव वी (2609), प्रणेश एम (2580), हरिका द्रोणावल्ली (2493), और आर. वैशाली (2486) जैसे खिलाड़ी भाग लेंगे। विजेता को अगले साल मास्टर्स वर्ग में खेलने का अवसर मिलेगा।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को वीरेंद्र सहवाग की सलाह

अब उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि बाबर आजम को फॉर्म हासिल करने के लिए पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में वापस जाना चाहिए। उनका यह बयान बाबर के इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपने फॉर्म में काफी गिरावट के कारण आया है जिसमें पिछले साल पांच टेस्ट में उनका औसत 22.66 और 2024 में चार टेस्ट में उनका औसत 18.50 रहा।

पाकिस्तान ने मुल्तान में इंग्लैंड पर 152 रनों की जीत के साथ घरेलू टेस्ट में अपनी हार का सिलसिला खत्म किया। मैच से पहले मेजबान टीम के बहुत से बदलाव किए जिसमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को टीम से बाहर करना शामिल था। सहायक कोच अजहर महमूद ने बाद में कहा कि इन तीनों को पाकिस्तान के आगामी व्हाइट-बॉल दौरे के लिए आराम दिया गया है। यह निर्णय सही साबित हुआ और इससे बाबर के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

सहवाग ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर आजम को अब घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करना चाहिए, परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहिए, फिर शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए।

2023 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बाबर को पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान के पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उन्हें शाहीन अफरीदी द्वारा पाकिस्तान के नए टी20 कप्तान के रूप में इस साल मार्च में कप्तान बनाए जाने के बाद सीमित ओवरों के कप्तान के रूप में बहाल किया गया, इससे पहले अक्टूबर में टी20 विश्व कप में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सहवाग ने कहा कि इन सभी कारकों ने बाबर को प्रभावित किया है, जिसका अर्थ है कि उनके खराब फॉर्म के पीछे का कारण उनकी मानसिक बनावट है न कि कोई तकनीकी कमी। सहवाग ने कहा, बाबर से उम्मीदें कम होने और कप्तानी से उनके इस्तीफे के साथ, ऐसा लगता है कि तकनीक के मामले में उन पर मानसिक रूप से अधिक प्रभाव पड़ा है। उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है।

चेन्नई के मैदान पर गेंदबाजी करते दिखे मोहम्मद शमी, क्या खेलेंगे दूसरा टेस्ट ?

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को बिना किसी परेशानी के नेट पर करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। शमी साल की शुरुआत में हुई टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं। शमी ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट के बाद नेट सत्र में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में गेंदबाजी की। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने देश के लिए अपना पिछला मुकाबला 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में खेला था। शमी ने अभ्यास के दौरान भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को गेंदबाजी की। शमी के बाएं पैर में पट्टी बंधी थी।

केएल राहुल बनाम सरफराज खान, रोहित शर्मा ने कहा- 'यह बहुत सरल है'

बेंगलूर (एजेंसी)। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि वे पुणे में गुरुवार 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए बदलाव कर सकते हैं। पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में रोहित और उनकी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड ने 1988 के बाद से भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जसप्रीत बुमराह (2/29) ने भारत के लिए प्रदर्शन किया लेकिन विल यंग (48*) और रचिन रवींद्र (39*) ने मेहमान टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी।

गर्दन में अकड़न के कारण सीरीज के पहले मैच के लिए शुभमन गिल को बाहर

करना पड़ा। उनकी जगह लेने वाले सरफराज अहमद पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 150 रन बनाकर लौटे। बेंगलुरू में हार के बाद रोहित ने पुष्टि की कि गिल पहले टेस्ट से चूकने के बाद ठीक हैं। उन्होंने संकेत दिया कि युवा बल्लेबाज दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में वापस आ सकते हैं। उस स्थिति में भारत सरफराज या अनुभवी केएल राहुल में से किसी एक को बाहर कर सकता है, जो एक बार फिर नंबर 6 स्थान पर अपना स्थान बनाने में विफल रहे।

केएल राहुल बनाम सरफराज खान बहस के बीच रोहित ने राहुल, गिल और सरफराज से जुड़ी स्थिति को संबोधित किया। भारतीय कप्तान ने जोर देकर कहा कि टीम में हर कोई जानता है कि वे अपने करियर में कहां खड़े हैं और उन्हें क्या करने की जरूरत है। भारतीय कप्तान ने कहा, देखिए, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो हर मैच के बाद लोगों से बात करता हो। उन्हें पता है कि वे अपने खेल में कहां खड़े हैं, अपने करियर में कहां खड़े हैं। हम एक मैच, एक सीरीज के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते। संदेश काफी पहले ही दिए जाते हैं और उन्हें पता होता है कि वे कहां खड़े हैं और टीम की स्थिति क्या है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनसे जो बात कर रहा हूं, उससे अलग कुछ बात करने जा रहा हूं।

उन्होंने कहा, यह बहुत सरल है, जिस किसी को भी अवसर मिलता है, उसे खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करनी चाहिए। यह एक सरल संदेश है जिसके बारे में हम बात करते रहते हैं और इस तरह के खिलाड़ियों का खेल खेलने के लिए इंतजार करना हमेशा अच्छा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि शुभमन इस खेल से चूक गए, सरफराज को अवसर मिला और उन्होंने बड़ा शतक बनाया। यह टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।

सुल्तान जोहोर कप : भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया जोहोर

बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के 2-2 गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (7वें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किए। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने 2-2 गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा।

भारत ने शनिवार को जापान को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने अपनी वही लय बनाए रखी। लेकिन वह ब्रिटेन था जिसने पहला गोल किया। उसकी तरफ से खेल के दूसरे मिनट में ही पेनरोज ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

युवाओं को हिमाचल सरकार देगी दिवाली गिफ्ट; छह पदों के घोषित होंगे नतीजे

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य चयन आयोग को दिवाली से पहले छह लंबित पदों के नतीजे घोषित करने के निर्देश दिए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इनमें पोस्ट कोड 939 (जेओए आईटी) के लिए 295 पद, पोस्ट कोड 903 (जेओए आईटी) के लिए 82 पद, कॉपी होल्डर पोस्ट कोड 982, वर्कशॉप इंस्ट्रक्टर पोस्ट कोड 992, साइकोलॉजिस्ट पोस्ट कोड 994 और वर्कशॉप इंस्ट्रक्टर पोस्ट कोड 997 शामिल हैं। राज्य चयन आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकारी क्षेत्र में युवाओं को पारदर्शी और योग्यता आधारित रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इन छह लंबित पोस्ट कोड के नतीजों की घोषणा सरकारी नौकरी चाहने वाले राज्य के युवाओं के लिए दिवाली गिफ्ट होगी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने अब तक लंबित 21 पोस्टकोड के नतीजे घोषित करने को मंजूरी दी है। इनमें पोस्टकोड 817, 999 और 969 के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। हमने नतीजे घोषित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। हमने कहा कि छह परीक्षाओं के परिणाम दिवाली से पहले घोषित कर दिए जाएं। बाकी 12 पोस्टकोड के परिणाम नवंबर माह में घोषित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पहले दिन से हिमाचल प्रदेश सरकार सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया था। इससे 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिला। हाल ही में सरकार ने महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की है। सभी कर्मचारियों को दिवाली से पहले 28 अक्टूबर तक वेतन और पेंशन का भुगतान कर दिया जाएगा।

केरल की वायनाड सीट से बेटी प्रियंका के लिए प्रचार करेंगी सोनिया गांधी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अपनी बेटी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के लिए केरल के वायनाड में प्रचार करेंगी, जो अपना पहला चुनावी मुकाबला लड़ रही हैं। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी चुने गए थे। बाद में उन्होंने वायनाड से इस्तीफा दे दयिा। इसके चलते यहां से उपचुनाव जरूरी हो गया है। वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा। इसके साथ ही पलक्कड़ और चेलाक्कारा विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा। 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। राज्य कांग्रेस नेताओं के अनुसार, सोनिया गांधी कई सालों के बाद केरल लौट रही हैं और मंगलवार को होने वाले रोड शो में उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी। राहुल गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की एनी राजा पर 3,64,422 वोटों के अंतर से वायनाड लोकसभा सीट बरकरार रखी थी। हालांकि, यह उनके 2019 के प्रदर्शन के मुकाबले थोड़ा कम है, जब उन्होंने सीपीआई के पीपी सुनीर पर 4,31,770 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी। राहुल गांधी के वायनाड लोकसभा सीट खाली करने के बाद, राज्य कांग्रेस इकाई ने प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ने के लिए आमंत्रित किया और उन्हें वायनाड से यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) उम्मीदवार घोषित किया।

त्रिशूल से दादी की हत्या कर खून शिवलिंग पर चढ़ाया, सुसाइड की कोशिश

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक खौफनाफ वारदात सामने आया है। एक आदमी ने त्रिशूल से अपनी दादी की हत्या कर उनका खून शिवलिंग चढ़ाया। उसके बाद खुद भी आत्महत्या करने की कोशिश की। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इसे मानव बलि का संदिग्ध मामला बता रही है। पुलिस ने रविवार को बताया कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मानव बलि का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी दादी की हत्या कर दी और आत्महत्या करने की कोशिश करने से पहले उनका खून शिवलिंग पर चढ़ाया।

कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार, बैठकें तक रद्द

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ठीक एक महीना बाकी है, लेकिन अब तक विपक्षी गठबंधन एमवीए ने सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी। अखबार से बातचीत में कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि

अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्ध ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। अखबार के अनुसार, पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है। उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

पराली जलाने पर हरियाणा सरकार का सख्त ऐक्शन, 38 किसानों के एमएसपी पर फसल बेचने पर लगी रोक

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में कृषि और किसान कल्याण विभाग ने 38 किसानों को अगले 2 खरीद सत्रों में एमएसपी पर फसल बेचने से रोक लगा दी है। पराली जलाने पर अंकुश लगाने के मकसद से ये कड़ा कदम उठाया गया है। विभाग के निदेशक की ओर से जारी सर्कुलर के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें फसल अवशेष जलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। इन किसानों के मेरी फसल, मेरा ब्योरा रिकॉर्ड में रेड एंट्री दर्ज की गई है। इससे ई-खरीद पोर्टल के जरिए फसल बेचने पर रोक लग जाएगी, जो रूस्क पर खरीद सुनिश्चित करती है। विभाग की ओर से जो सर्कुलर जारी किया गया, उसमें कड़ी कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसमें पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करना और 2 सत्रों के लिए खरीद प्रक्रिया से बाहर करने की खातिर चिह्नित करना शामिल है। ऐसी घटनाओं को रोकने में लापरवाही करने वाले सरकारी अधिकारियों को नतीजे भुगतने की भी चेतावनी दी गई। करनाल के उप कृषि निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने कहा, हमने पहले 9 एफआईआर दर्ज की थीं। ताजा निर्देशों के बाद दोषी किसानों के एमएफएमबी रिकॉर्ड में रेड एंट्री भी दर्ज कर ली गई। सैटेलाइट डेटा के अनुसार, पराली जलाने के नियमों का उल्लंघन करने पर 39 किसानों पर 1,07,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार को पराली जलाने के मामलों में किसानों पर कार्रवाई का फैसला वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को पराली का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करके किसानों से इसकी खरीद करनी चाहिए। पराली जलाने को लेकर सरकार की ओर से किसानों पर की गई कार्रवाई पूरी तरह निंदनीय है। सरकार को यह किसान विरोधी फैसला वापिस लेना चाहिए।

गुरुग्राम में हुई ठगी की एफआईआर, जयपुर से यूको बैंक के डिप्टी मैनेजर सहित 2 गिरफ्तार, क्या है मामला

गुरुग्राम एजेंसी। जालसाजों को ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए बैंक खाता मुहैया करवाने के आरोप में गुरुग्राम साइबर थाना पश्चिम की पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए इन आरोपियों में से एक यूको बैंक का डिप्टी मैनेजर है। आरोपी जालसाजों के साथ मिलीभगत कर फर्जी पते पर करंट अकाउंट खोलते थे। अकाउंट के बदले में दोनों आरोपी सात-सात हजार रुपये लेते थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह आरोपी ने अभी तक जालसाजों को सात बैंक खाते उपलब्ध करवा चुके हैं। साइबर पुलिस विभिन्न ठगी के मामलों की जांच करते हुए 21 बैंक अधिकारी और कर्मचारियों का गिरफ्तार कर चुकी है।

एसीपी साइबर प्रियांशु दीवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 जुलाई को गुरुग्राम साइबर थाना पश्चिम में 24 लाख 60 हजार रुपये की ठगी की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। जालसाज ने पीड़ित से शेयर बाजार में रुपये निवेश कराने के नाम पर ठगी को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 19 अक्टूबर को कनिष्क विजयवर्गीय और और राम अवतार को गिरफ्तार किया।

अब दरगाहों के भी दर्शन करवाएगी महाराष्ट्र सरकार, योजना में नई जगहें जोड़ीं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो गया है। आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ही महायुती सरकार ने कई योजनाओं की शुरुआत की थी। इनमें से ही एक तीर्थ दर्शन योजना में अब सरकार ने कई दरगाहों को भी शामिल कर लिया है। इसमें हाजी अली दरगाह, मुंबई, हाजी मलंग दरगाह कल्याण और दिवानशाह दरगाह भिवंडी शामिल हैं। मुस्लिमों के अलावा पारसियों, बौद्धों और जैन समुदाय के पवित्र स्थानों को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है।

तीर्थ दर्शन योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार 60 साल से ज्यादा के वरिष्ठ नागरिकों को किसी एक तीर्थ के दर्शन के लिए प्रति व्यक्ति 30 हजार रुपये की मदद देती है। हालांकि शर्त यह है कि व्यक्ति की पारिवारिक आय 2.5 लाख से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इस योनजा का प्रस्ताव 15 अक्टूबर को जारी किया गया था। इसके तहत महाराष्ट्र के 95 और महाराष्ट्र के बाहर के 15 पवित्र स्थलों को जोड़ा गया था। महायुती सरकार के इस कदम को चुनावी फायदे की योजना के तौर पर भी देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि चुनाव से पहले अल्पसंख्यकों के स्थलों को स्कीम में जोड़ना वोटबैंक तैयार कनरे का खेल है। समाजवादी विधायक रईस शेख ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह सब महायुति सरकार केवल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। उन्होंने कहा, जब जुलाई में स्कीम शुरू की गई थी तभी सवाल किया गया था कि इसमें एक भी मुस्लिमों के स्थल को क्यों नहीं शामिल किया गया। मैंने खुद सीएम शिंदे को पत्र लिखा था कि इसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों को भी शामिल किया जाए। मुझे खुशी है कि अब कई स्थानों को इसमें जगह दी गई है। शेख ने कहा कि चुनाव से पहले मुस्लिमों के स्थानों को शामिल करना, सरकार की मंशा दिखाता है। महाराष्ट्र संतों की भूमि है। इस राज्य में सूफी संतों की दरगाहें हैं और वहां हिंदू भी जाते हैं। राज्य में हाजी अली और हाजी मलंग की दरगाह है। इतिहास जानते हुए भी सरकार ने इन्हें योजना में शामिल नहीं किया था। इसे उसके स्वभाव के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है।

कनाडा की राजनीति में फिर पंजाबियों की बल्ले-बल्ले ! ब्रिटिश कोलंबिया चुनावों में 10 पंजाबी जीते

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की राजनीतिक में एक बार फिर पंजाबी सफलता के झंडे गाढ़ रहे हैं। एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, हाल ही में ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रांतीय चुनावों में 10 पंजाबी मूल के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है और एक आगे चल रहा है, जिससे कनाडाई राजनीति में समुदाय का प्रभाव और मजबूत हुआ है। यह जीत ऐसे समय में मिली है जब इंडो-कैनेडियन आबादी, विशेष रूप से पंजाबी समुदाय प्रमुखता से लगातार बढ़ रहा है, खासकर ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में। कांटे की टक्कर में एनडीपी और कंजर्वेटिव ने क्रमशः 46-45 सीटें जीती हैं, जबकि ग्रीन पार्टी 93 सीटों वाले बीसी हाउस में दो सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही। ये सफल उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक पृष्ठभूमि से हैं, जो न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे स्वास्थ्य सेवा सुधार, आर्थिक विकास, जलवायु कार्रवाई और अप्रवासी समुदायों के लिए अधिक समर्थन जैसे मुद्दों की वकालत करते हुए विविध मंचों पर चुनाव लड़े।

इस चुनावी जीत को कनाडा की राजनीति में दक्षिण एशियाई, विशेष रूप से पंजाबियों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम के रूप में देखा जाता है, जो एक ऐसे समुदाय को और सशक्त बनाता है जो कनाडा के सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का अभिन्न अंग रहा है।प्रमुख विजेताओं में मौजूदा आवास मंत्री रवि कहलोन भी शामिल थे, जिन्होंने डेल्टा नॉर्थ सीट को महत्वपूर्ण अंतर से बरकरार रखा। बीसी के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति कहलोन आवास और जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। एक अन्य उल्लेखनीय विजेता ब्रिटिश कोलंबिया की विधान सभा के निवर्तमान अध्यक्ष राज चौहान हैं। उन्होंने रिकॉर्ड छठी बार जीत हासिल की है और इससे पहले 2013 से 2017 तक विधान सभा के सहायक उपाध्यक्ष और 2017 से 2020 तक उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। विपक्ष में रहते हुए, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, मानवाधिकार, आव्रजन और बहुसंस्कृतिवाद और श्रम के आलोचक के रूप में कार्य किया।

वे पहली बार 2005 में विधायक चुने गए और फिर 2009, 2013, 2017, 2020 और 2024 में फिर से चुने गए। व्यापार राज्य मंत्री जगरूप बरार ने सर्रे फ्लीटवुड से सातवीं बार जीत हासिल की है। वे 2013 में सिर्फ़ एक बार हारे थे और उन्होंने जितने भी चुनाव लड़े, सभी जीते। बरार का जन्म बठिंडा में हुआ था और वे भारतीय पुरुषों की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा थे। वे पढ़ाई के लिए कनाडा चले गए और वहीं बस गए।

अमेरिकी चुनाव-मैकडॉनल्ड्स में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने बनाए फ्राइज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।
अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिलाडेल्फिया के मैकडॉनल्ड्स फ्रैंचाइज में लोगों को सर्व करते दिखे. वहीं, उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अटलांटा में समर्थन जुटाने के लिए पूजा-अर्चना में भाग लिया.

शर्ट और टाई के ऊपर एप्रन पहने ट्रंप ने फ्राइज बनाए और मैकडॉनल्ड्स के कर्मचारियों से बातचीत की. ट्रंप ने कहा कि वास्तव में, इसे सही तरीके से और तेजी से करने के लिए बहुत विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है. उन्होंने कहा कि मुझे यह काम पसंद है. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का मैकडॉनल्ड्स का दौरा हैरिस के कॉलेज के दिनों में फास्ट-फूड चेन में काम करने के बयान के जवाब में हुआ.

दूसरी ओर, हैरिस ने अटलांटा में अपने 60वें जन्मदिन पर दो पूजा-अर्चना में भाग लिया. जॉर्जिया के जोन्सबोरो में डिवाइन फेथ मिनिस्ट्रीज़ इंटरनेशनल की अपनी यात्रा के दौरान, प्रसिद्ध संगीतकार स्टीवी वंडर ने अपना हिट हायर ग्राउंड और बॉब मार्ले के रिडेम्पशन सॉन्ग का एक संस्करण गाकर पेश किया. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार कि उन्होंने हैरिस के लिए हैप्पी बर्थडे भी गाया. जॉर्जिया में जनता को संबोधित करते हुए हैरिस ने कहा कि इस समय हमारे देश में, हम जो देख रहे हैं वह यह है कि कुछ लोग हमारे बीच विभाजन को गहरा करने, नफरत फैलाने, डर फैलाने और अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस समय, हमारा देश एक चौराहे पर है और हमें कहां जाना है यह हम पर निर्भर करता है. इससे पहले मिशिगन में हैरिस के अभियान के दौरान गायिका और रैपर लिजो ने डेमोक्रेट को अपना समर्थन दिखाया. डेट्रॉइट की मूल निवासी संगीतकार ने भीड़ से कहा कि मैंने पहले ही मतदान कर दिया है और मैंने हैरिस के लिए मतदान किया है. मिशिगन में, हैरिस ने गाजा में युद्ध विराम के लिए अपने आह्वान को दोहराने का भी अवसर लिया. उन्होंने मीडिया से कहा कि यह एक ऐसा अवसर पैदा करता है जिसका मुझे विश्वास है कि हमें पूरा लाभ उठाना चाहिए - इस युद्ध को समाप्त करने और बंधकों को घर वापस लाने के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए. अमेरिका में दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव होने वाले हैं।

अमेरिका का पेनसिल्वेनिया राज्य तय करेगा कौन बनेगा राष्ट्रपति ! पानी की तरह पैसे बहा रहे ट्रंप और कमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं और दोनों ही उम्मीदवारों, डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर होने का अनुमान है, लिहाजा कौन राष्ट्रपति बनेगा, ये अब स्विंग स्टेट पर निर्भर हो गया है।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाला राज्य पेंसिल्वेनिया 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए ग्राउंड जीरो बनकर उभरा है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना ??है, कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के बीच राज्य में कड़ी टक्कर होने वाली है। राष्ट्रपति पद की दौड़ जीतने के लिए 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की जरूरत होती है और अमेरिका के 50 राज्यों में से प्रत्येक में इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या अलग-अलग है। पेंसिल्वेनिया में 19 जबकि डेमोक्रेटिक गढ़ कैलिफोर्निया में 54 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, उसके बाद टेक्सास, जो रिपब्लिकन का गढ़ है, वहां 40 इलेक्टोरल कॉलेज हैं। आपको बता दें, कि 5 नवंबर को जो वोटिंग होने वाली है, उसमें जो उम्मीदवार जीतेगा, उसे विजेता नहीं माना जाएगा, बल्कि जो उम्मीदवार इलेक्टोरल कॉलेज में 270 से ज्यादा वोट लेकर आएगा, उसे विजयी माना जाएगा। लिहाजा आप कह सकते हैं, कि पॉपुलर वोट का कोई मतलब नहीं होता है। प्रत्येक राज्य में राजनीतिक समर्थन को देखते हुए, विशेषज्ञों ने पिछले मतदान पैटर्न के आधार पर किसी उम्मीदवार को मिलने वाले इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या का पहले ही पता लगा लिया है, सिवाय सात बैटलग्राउंड

राज्यों के। ये सात राज्य हैं नेवादा, जिसके पास 6 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, एरिजोना (11), विस्कॉन्सिन (10), मिशिगन (15), पेंसिल्वेनिया (19), जॉर्जिया (16) और नॉर्थ कैरोलिना (16)। तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल के साथ, दोनों उम्मीदवार अब पेनसिल्वेनिया को जीतना जरूरी मानते हैं। कमला हैरिस और ट्रंप, दोनों के चुनाव अभियानों के हजारों स्वयंसेवक मतदाताओं को अपने नेताओं के लिए वोट देने के लिए मनाने के लिए इस युद्ध के मैदान वाले राज्य में पहुंचे हैं। हिल के डिसीजन डेस्क मुख्यालय ने हाल ही में एक पूर्वानुमान और मतदान औसत के विश्लेषण में बताया है, कि हमें नहीं लगता कि कोई भी उम्मीदवार पेनसिल्वेनिया जीते बिना 270 इलेक्टोरल वोट तक पहुंच पाएगा। प्रतिष्ठित वेबसाइट ने कमला हैरिस को 226 इलेक्टोरल कॉलेज वोट और ट्रंप को 219 वोट दिए हैं। एनबीसी न्यूज इलेक्शन डेस्क के मुताबिक, पेंसिल्वेनिया 2024 के चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण युद्ध के मैदान वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में पेंसिल्वेनिया में एक प्रतिशत से भी कम अंतर से जीत हासिल की थी और 2020 में लगभग एक प्रतिशत से हार गए थे। कमला हैरिस वहां प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं, लिहाजा राज्य को टॉस-अप के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यही कारण है कि हैरिस और ट्रंप, दोनों किसी भी अन्य स्थान की तुलना में पेंसिल्वेनिया में ज्यादा धन, समय और ऊर्जा डाल रहे हैं, और पूरे राज्य में विज्ञापन युद्ध छेड़ रहे हैं। द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, कि 2024 में व्हाइट हाउस की दौड़ में सात मुख्य युद्धक्षेत्र हो सकते हैं, जिनमें से सभी निर्णायक साबित हो सकते हैं। लेकिन पेंसिल्वेनिया एक ऐसा राज्य है, जिसे कमला हैरिस और ट्रंप दोनों के शीर्ष रणनीतिकारों ने चुनाव में सबसे ज्यादा बढ़त के लिए चुना है। डेली के अनुसार, ट्रंप या खास तौर पर कमला हैरिस के लिए, इसके बिना जीत के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोट तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में फिलाडेल्फिया में अपने फॉल रिट्रीट प्रोग्राम के दौरान इसी निष्कर्ष पर पहुंची कि पेंसिल्वेनिया जीते बिना कमला हैरिस के जीतने का कोई रास्ता नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129